उम्मीदें 2021

दैनिक जागरण III
नई दिल्ली, 7 जनवरी, 2021
www.jagran.com

पानी बचाने की जिम्मेदारी अकेले सरकारी तंत्र की नहीं हो सकती, बल्कि इस कार्य के लिए जन भागीदारी बहुत जरूरी है।
उमा भारती, पूर्व केंद्रीय मंत्री

जल संरक्षण

सुशासन की ओर बढ़ेंगे प्रदेश के कदम

सरल और अंत्योदय पोर्टल पर मिल रही 549 योजनाओं की जानकारी

बिजेंद्र बंसल ● नई दिल्ली

अंत्योदय सरल केंद्रों की संख्या	117
सरल पोर्टल पर उपलब्ध विभाग	40
सरल पोर्टल पर उपलब्ध योजनाएं	549
अब तक आनलाइन सेवा से लाभांवित	3.4 करोड़
पोर्टल पर प्रतिमाह आने वाले आवेदन	5.5 लाख
एसएमएस से प्रतिमाह वस्तुस्थिति की जानकारी पाने वाले लोग	20 लाख
आवेदकों की संतुष्टि	96 फीसद

हरियाणा विभिन्न क्षेत्रों में नए प्रयोग करके पूरे देश के सामने नजीर पेश कर रहा है। उदाहरण के तौर पर 1980 के दशक में जब देश में अल्ट्रासाउंड की मशीनें नहीं आई थीं तो लिंगानुपात 1000 के मुकाबले 900 के ऊपर हुआ करता था। अल्ट्रासाउंड मशीनें आईं तो लिंगानुपात 1000 के मुकाबले 830 तक पहुंच गया। समाज में इसके दुष्परिणाम सामने आने लगे। स्त्री-पुरुष की आबादी असंतुलित होने लगी। हरियाणा सरकार की पहल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत की। राज्य में इसके परिणाम अब पांच साल बाद यह हैं कि लिंगानुपात फिर से 1980 के दौरान वाला 1000 के मुकाबले 900 के ऊपर ही आ गया है। बदलाव के इस सामाजिक एवं प्रगतिशील अभियान के बाद राज्य सरकार ने सरकारी व्यवस्था में परिवर्तन के लिए शिक्षकों सहित अन्य विभागों के कर्मियों के आनलाइन ट्रांसफर, सरकारी नौकरियों में सिफारिशमुक्त भर्ती प्रक्रिया लागू कर अनेक ऐसे कारगर कदम उठाए कि पूरे देश में मुख्यमंत्री मनोहर लाल सरकार की पारदर्शी व ईमानदार कार्यप्रणाली की मिसाल दिए जाने लगी हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों सहित पूरे देश की प्रशासनिक व्यवस्था संभाल रहे आलाधिकारी भी न सिर्फ मनोहर लाल सरकार की प्रशंसा करने लगे बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में हरियाणा की व्यवस्थाओं को लागू करने की दिशा में आदेश देने लगे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने अपने सुशासन कार्यक्रम क्रियान्वयन निदेशालय को भी सक्रिय किया। इसके तहत राज्य सरकार ने सभी सरकारी योजनाओं, नीतियों और उनसे लाभांवित होने के तौर-तरीकों आनलाइन कर दिया। अब राज्य के 40 सरकारी विभाग, निगम, बोर्ड की 549 ऐसी योजनाएं हैं जो देश के हर व्यक्ति को उसके घर पर बैठे ही आनलाइन मिल जाएंगी। इतना ही नहीं सरल पोर्टल पर आवेदन करने वाले आवेदकों को उनकी शिकायत व सुझाव के बारे में एसएमएस से घर बैठे ही अपडेट मिलते हैं। इसी के चलते राज्य सरकार को इस बार केंद्र सरकार ने डिजिटल इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया है।

भ्रष्टाचार पर चोट करती है पारदर्शी व्यवस्था: पेपर लैस और फेस लैस आनलाइन कार्यप्रणाली का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगती है। मसलन राज्य सरकार ने शिक्षक तबादला नीति लागू की। इसमें तबादले से पहले शिक्षकों से एक नहीं बल्कि पांच रुचि के स्कूल पूछ लिए गए। शिक्षकों ने अपनी पांच रुचि आनलाइन बता दी। सरकार ने तबादले इस तरह किए कि शिक्षकों को उनके पांच पसंद के स्टेशन में से एक स्टेशन अवश्य मिल गया। अब इसका फायदा यह हुआ कि हर साल जो शिक्षक अपने तबादला रुकवाने या अपनी पसंद की जगह करवाने के लिए नेताओं के चक्कर काटता था, उसकी जरूरत ही नहीं रह गई। तबादला उद्योग के नाम पर दुकानदारी चलाने वाले भ्रष्टाचारियों की दुकान बंद हो गई। इसी क्रम में राज्य सरकार ने सभी सरकारी विभागों की नीति व योजनाएं भी आनलाइन कर दी। लोग एक ही पोर्टल पर निश्शुल्क आवेदन करें और किसी भी विभाग से संबंधित नीति व योजनाओं की जानकारी ले ले। इस पारदर्शी व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर सीधी चोट पहुंचती है। उम्मीद है नए साल में यह क्रम यथावत चलता रहेगा।

जल संरक्षण की प्रेरणा बन रहे रमेश गोयल

प्रियंका दुबे मेहता ● गुरुग्राम

उम्र के सात दशक पूरे कर लेने वाले रमेश गोयल उन लोगों के लिए मिसाल हैं, जो ज्वलंत समस्याओं पर बात तो करते हैं लेकिन समाधान के लिए कुछ करने से हिचकते हैं। मूलरूप से सिरसा निवासी रमेश गोयल ने साठ वर्ष की उम्र में जल संरक्षण के लिए काम करना शुरू किया और अब तक वे कई जागरूकता कार्यक्रमों का हिस्सा बनते रहे हैं। गुरुग्राम के रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थिति और उनकी उपयोगिता को जांचने के लिए वे शहर आते रहते हैं। गुड़गांव एक्शन प्लान की संस्थापक गौरी सरीन के साथ मिलकर उन्होंने कई स्कूलों में और शिक्षण संस्थानों में जल संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम किए हैं।

ऐसे हुई शुरुआत: पेशे से वकील रमेश गोयल का कहना है कि उन्होंने बरसों पहले, मई 2008 में अखबार में जल संकट को लेकर आलेख पढ़ा था। उसके बात उन्हें अहसास हो गया था कि जल संकट बड़ा ही भयावह है। इस पर समय रहते काम नहीं किया गया तो विश्व के लिए बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। उसी दिन उन्होंने सोचा कि इस दिशा में काम करने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा। वर्ष 2008 में उन्होंने जल संरक्षण अभियान शुरू किया। 400 शैक्षणिक संस्थानों में पानी बचाने और उसके महत्व के बारे में भाषण दिए। इसके अलावा विभिन्न माध्यमों से लोगों को जागरूक किया है।

जल चालीसा से मिली पहचान: रमेश गोयल ने लोगों को जगाने के लिए जल चालीसा भी लिखी, जिसका विमोचन प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया था। इसके अलावा एक पुस्तक 'बिन पानी सब सून' लिखी जिसका वर्ष 2010 में हरियाणा के राज्यपाल ने विमोचन किया था। इसके बाद 108 चौपाइयों का जल मनका लिखा है। इतना ही नहीं इन्होंने सिरसा में अपनी छह सौ गज जमीन पर्यावरण भवन के लिए भी दान की है।

उपलब्धियां और सम्मान: रमेश के जल संरक्षण प्रयासों के लिए जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार से वाटर हीरो अवार्ड मिला। इनके द्वारा लिखी जल चालिसा जल शक्ति मंत्रालय की पत्रिका 'जल चर्चा' में छपी है। 2011 में जल स्टार अवार्ड, 2018 में जल योद्धा सम्मान, 2017 श्री चित्रगुप्त सम्मान, 2018 में आउटस्टैंडिंग अवार्ड से नवाजा जा चुका है।

जागरूकता कार्यक्रम

रमेश गोयल ●

रमेश गोयल ने गुरुग्राम के स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को समझाया और बताया कि पानी नहीं बचाया तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्थिति भयावह हो जाएगी। 2017 में शहर में आकर कई बार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थिति की जांच की और इनमें खामियों को सुझाया। इनकी स्थिति जानने के लिए शहर आते हैं और लोगों को जागरूक करते हैं।

पानी लिखेगा विकास की नई कहानी

जलवायु परिवर्तन और दुनियाभर में गहराते जल संकट के बीच विकास की नई कहानी वही देश लिखेगा, जो पानी का धनी होगा। यानी, आज जो देश जितना पानी बचाएगा, वह भविष्य में उतनी ही बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा। यूनाइटेड नेशन वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2050 तक दुनिया के छह अरब लोगों के पास पीने का पानी उपलब्ध नहीं होगा। भारत इस समस्या की गहराई को समझते हुए जल संरक्षण की दिशा में गंभीरता से काम कर रहा है। जल शक्ति मंत्रालय का गठन इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। सरकार ने वर्ष 2024 तक जहां देश के सभी घरों में स्वच्छ पानी पहुंचाने की योजना की है, वहीं जल स्रोतों के संरक्षण व विकास पर भी तेजी से काम हो रहा है। नमामि गंगे परियोजना के जरिये गंगा के पुनरुद्धार के साथ-साथ अन्य नदियों की सफाई का काम भी किया जा रहा है। उम्मीद है कि सरकार की मदद और निजी सहभागिता से जल संरक्षण परियोजनाओं को इस साल और गति मिलेगी...

नमामि गंगे व नदी संरक्षण

गंगा नदी के पुनरुद्धार के लिए वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार ने इस परियोजना की शुरुआत की थी। इसके तहत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, बंगाल, दिल्ली, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश में विभिन्न गतिविधियां शुरू की गई। सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर, नदी तट विकास, नदी सतह सफाई, घाट एवं शवदाह गृह, सांस्थानिक विकास, पौधा रोपण एवं ग्रामीण जल निकासी प्रणाली के लिए 28,0790.66 करोड़ रुपये की लागत वाली 310 परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। इनमें करीब 116 परियोजनाएं पूरी हो हो चुकी हैं। सरकार ने पिछले साल नमामि गंगे के लिए 800 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया था। 16 राज्यों की 33 नदियों के संरक्षण के लिए शुरू की गई परियोजना के लिए गत वर्ष 850 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया था। नए साल में गंगा व अन्य नदियों के संरक्षण के काम में तेजी आएगी।

5,745 निर्मित और निर्माणाधीन बड़े डैम हैं देशभर में

2,394 बड़े डैम (सबसे ज्यादा) हैं महाराष्ट्र में

75% डैम 20 साल से हैं पुराने

2.3 करोड़ से अधिक वाटर पंप का इस्तेमाल होता है कृषि कार्य में

70% भूगर्भ जल का सिंचाई कार्य के लिए हो रहा प्रयोग

90% पानी का उपयोग हो जाता है माइक्रो इरीगेशन के जरिये

जल संरक्षण की जरूरत

यूनाइटेड नेशन वर्ल्ड वाटर डेवलपमेंट रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2050 तक दुनिया की आबादी 9.4 -10.2 अरब हो जाएगी और तब करीब छह अरब लोगों के सामने पीने के पानी की समस्या पैदा हो जाएगी। भारत में भी पानी की मांग में तेजी से इजाफा होगा।

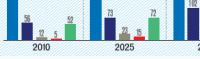

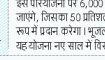

भारत में पानी की मांग की स्थिति (2010) व अनुमान (2025 व 250) अरब घन मीटर में।

अटल भूजल योजना

संस्थागत संरचना को सुदृढ़ करने तथा सात राज्यों गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में भूजल संसाधन प्रबंधन के लिए इस योजना की शुरुआत की गई थी। इससे इन राज्यों के 78 जिलों को लाभ पहुंचेगा। वर्ष 2024-25 तक पूरी होने वाली इस परियोजना पर 6,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जिसका 50 प्रतिशत विश्व बैंक ऋण के रूप में प्रदान करेगा। भूजल संरक्षण व प्रबंधन की यह योजना नए साल में विस्तार लेगी।

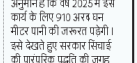

सिंचाई प्रणाली

वर्ष 2010 में देश में फसलों की सिंचाई के लिए 688 अरब घन मीटर पानी की जरूर पड़ी थी। अनुमान है कि वर्ष 2025 में इस कार्य के लिए 910 अरब घन मीटर पानी की जरूरत पड़ेगी। इसे देखते हुए सरकार सिंचाई की पारंपरिक पद्धति की जगह ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली को अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। देश में 210 लाख हेक्टेयर से अधिक में ड्रिप और 500 लाख हेक्टेयर से अधिक में स्प्रिंकलर प्रणाली से सिंचाई की संभावना है। हालांकि, फिलहाल सिर्फ 2.13 फीसद में ड्रिप और 3.30 फीसद में स्प्रिंकलर प्रणाली से सिंचाई हो रही है।

जल शक्ति अभियान

केंद्र सरकार ने जुलाई 2019 में इस अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत देश के 256 जिलों के 1592 विकास खंडों में गहराते पेयजल संकट को दूर करने के लिए योजना बनाई गई है। योजना से गत वर्ष तक साढ़े छह करोड़ से ज्यादा लोग जुड़ चुके थे। 75 लाख से अधिक पारंपरिक व गैर पारंपरिक जल निकायों का जीर्णोद्धार किया गया और करीब एक करोड़ जल संरक्षण व वर्षा जल संचयन ढांचे तैयार किए जा चुके हैं। कोरोना संक्रमण की महामारी के कारण गत वर्ष इस दिशा में काम थोड़ा सुस्त पड़ गया था। नए साल में परियोजना के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है।

हर घर शुद्ध जल

सरकार ने वर्ष 2019 में योजना के तहत पांच वर्षों के लिए 3.6 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया था, जिसका आधा हिस्सा केंद्र व आधा राज्यों को देना है। वर्ष 2020-21 के लिए सरकार ने इस मद में 11,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। फिलहाल 6.01 करोड़ ग्रामीण घरों में नल के जरिये पानी पहुंच रहा है। नए साल में 3.2 करोड़ नए घरों तक नल से पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। योजना का उद्देश्य उपलब्ध जल संसाधन के समुचित प्रबंधन के साथ-साथ लोगों तक स्वच्छ जल उपलब्ध करना है।

Dr. Umesh Singh
B.A.M.S. (Proctologist)
Regd. No. 22509 (Haryana)

आप्रेशन से बचें सर्वे सन्तु निरामया :
बवासीर, भगन्दर, फिशर

Dr. Umesh Singh
B.A.M.S. (Proctologist)
Regd. No. 22509 (Haryana)

बवासीर व फिशर का
मात्र इंजैक्शन (Scelero Therapy)
व क्षार सूत्र आयुर्वेदिक चिकित्सा
द्वारा सफल ईलाज

बवासीर व फिशर के लक्षण :
गुदा में जलन, दर्द होना, खुन आना
सुजन का होना, खुजली होना,
गुदा में घाव, अन्दर बाहर के मस्से

(भगन्दर फिस्टुला के लक्षण)
- गुदा मार्ग के पास छोटा सा छेद या
- फोड़ा अंदर या बाहर
- पस (मवाद) का बहना
- असहनीए दर्द रहना
- बाहर या अंदर सुजन रहना

नोट:
- आधे घंटे में छुट्टी
- दुर से आए रोगियों की ठहरने की व्यवस्था
- दिल्ली एनसीआर का सबसे पुराना अस्पताल

सभी प्रकार के भगन्दर (फिस्टुला) जैसे:
- Low Anal Fistula
- High Anal Fistula
- Horse Shoe Fistula
- Pilonidal Sinus
- Ischio-Anal Fistula
- Ishchiorectal Fistula
- Rectal Polyp
- Scortal Anal Fistula
- Sphincterotomy
- Vasico Vaginal Fistula
- Intersphincteric Fistula

इन सभी बीमारियों का इलाज
क्षार-सुत्र विधि द्वारा सफल ईलाज

स्वामी सत्यानंद पाईल्स अस्पताल
हरियाणा रोडवेज वर्कशॉप के सामने नजदीक अग्रवाल मैडिकल स्टोर
Mob.: 9968475683, 9992059109

गुड़गांव में 20 वर्षो से आपकी सेवा में।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण

पर्यावरण प्रेरणा ❋ भारत विकास परिषद्

संयोजकः **रमेश गोयल 94160-49757**

www.facebook.com/ramesh.goyal.52 www.savewatersavelife.com E-mail : rameshgoyalsrs@gmail.com

एडवोकेट गोयल को 'डायमंड ऑफ इंडिया' अवॉर्ड

सिरसा। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मंत्री रमेश गोयल को प्रतिमा रक्षा सम्मान समिति ने पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए डायमंड ऑफ इंडिया अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया है। इस कार्यक्रम में किरण चोपड़ा मुख्य अतिथि थीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता नव चेतना मंच के संयोजक एसपी चौहान ने की।

इस अवसर पर शहीद उधम सिंह के नाती ज्ञान सिंह व शहीद सुखदेव के दोहते विशाल अय्यर खास तौर पर उपस्थित हुए। करनाल में आयोजित हुए इस सम्मान समारोह में देशभर के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि पर अन्य सम्मानित किए गए। सिरसा के एडवोकेट रमेश गोयल भारत विकास परिषद में विभिन्न पदों पर रहते हुए समाज सेवा में लंबे अरसे से जुटे हुए हैं। खासकर जल संरक्षण पर कार्य करने में उन्होंने जो प्रदर्शन किया है, उसके चलते उन्हें यह सम्मान संस्थान की ओर से प्रदान किया गया है। उन्होंने जल चालीसा का विमोचन कर लोगों में जल बचाने की अलख जगाने के लिए मेहनत की। मार्च 2015 तक इसकी 25000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। छठा संस्करण प्रकाशनाधीन है। हरियाणा, दिल्ली, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश के विद्यालयों, महाविद्यालयों व अन्य 200 से अधिक कार्यक्रमों में लगभग दो लाख से अधिक विद्यार्थियों, अध्यापकों व जनता को संबोधित किया इससमें जल के महत्व, उपलब्धता, पानी बचत की आवश्यकता व अनिवार्यता और बरबादी रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा करते हैं। उनकी 'बिन पानी सब सून' पुस्तक का विमोचन 8 मई, 2010 को हरियाणा के राज्यपाल जगन्ननाथ पहाड़िया द्वारा किया गया। एडवोकेट गोयल पर्यावरण, जल और ऊर्जा बचत के लिए वे मिशनरी भाव से देश भर में कार्य कर रहे हैं।

"जल चालीसा"

जल मन्दिर, जल देवता, जल पूजा जल ध्यान।
जीवन का पर्याय जल, सभी सुखों की खान।।
जल की महिमा क्या कहें, जाने सकल जहान।
बूंद-बूंद बहुमूल्य है, दें पूरा सम्मान।।
जय जलदेव सकल सुखदाता,
माता पिता भ्राता सम त्राता।
सागर जल में विष्णु बिराजे,
शंभु शीश गंगा जल साजे।
इन्द्र देव है जल बरसाता
वरूणदेव जलपति कहलाता
रामायण की सरयू मैया,
कालिंदी का कृष्ण कन्हैया।
गंगा यमुना नाम धरे जल,
जन्म-जन्म के पाप हरे जल।
ऋषिकेश है, हरिद्वार है
जल ही काशी मोक्ष द्वार है
राम नाम की मीठी बानी
नदिया तट पर केवट जानी
माता भूमि पिता है पानी
यही कह रही है गुरबानी
जन जन हेतु नीर ले आई
नदियां तब माता कहलाई।
सूर्य देव को अर्पण जल से
पितरों का भी तर्पण जल से
चाहे हवन करें या पूजा
पानी के सम और न दूजा
चाहे नभ हो, या हो जल-थल
जीव-जन्तु की जान सदा जल।
बूंद-बूंद से भरता गागर
गागर से बन जाता सागर
नीर क्षीर मधु खिलता तन मन
नीर बिना नीरस है जीवन
नदी सरोवर जब भर जाए
लहरे खेती मन हरषाए
तीन भाग जल काया भीतर
फिर भी चाहिए पानी दिनभर
तीरथ व्रत निष्फल हो जाएं
समुचित जल जब हम ना पाएं
जल बिन कैसे बने रसोई
भोजन कैसे खाये कोई
नदियों में जब ना होगा जल
खाली होंगे सब के ही नल
घटता भू जल सूखी नदिया
जाने तो अच्छी हो दुनिया
पाइप से हम फर्श न धोएं
गाड़ी पर हम जल ना खोएं
टूटी कभी न खुल्ली छोड़ें
व्यर्थ बहे तो झटपट दौड़ें
बिन मतलब छिड़काव करें ना
जल को व्यर्थ बहाव करें ना।
आज की सोचें, कल की सोचें
कल की सोचें, पल-पल की सोचें।
जीवन के पल-पल की सोचें
बड़ी भूल है भूजल दोहन
यही बताता है भूकम्पन
कम वर्षा है अति तड़पाती
बिन पानी खेती जल जाती
वर्षा जल एकत्र करेंगे
इसी बात का ध्यान धरेंगे।
बर्तन मांजें वस्त्र खंगालें
पौधे सींचें आंगन धो लें
कण-कण में जीवन रस घोलें
जीवन जीवाधार सदा जल
कुदरत का उपहार सद जल
धन संचय तो करते हैं सब
जल संचय भी हम कर लें अब।
हम सब मिल संकल्प करेंगे
पानी कभी न नष्ट करेंगे।
सोचें जल बर्बादी का हल,
ताकि न आए संकट का कल।
सुनलें जरा नदी की कल कल
उसमें कभी नहीं डालें मल
जीवन का अनमोल रतन जल
जैसे बचे बचाएं हर पल
हरे-भरे हम पेड़ लगाएं
उमड़-घुमड़ घन बरखा लाएं
पेड़ों के बिन मेघ ना बरसें
लगें पेड़ तो फिर क्यों तरसें
जल से जीवन, जीवन ही जल
समझें जब यह तभी बचे जल
हम सुधरेंगे जग सुधरेगा।
हम सुधरें तो रहा सरेगा
बूंद-बूंद से हमें जगाना होगा
... हमें बचाना होगा
... जल भरपूर।
... ।।

ोच

...ीत के लिए
...स्वभाव में है।
...रह मैदान के
...ही आक्रामक
...लेकिन वे बहुत
...य रखने वाले

...र के खिलाड़ी
...ो आवश्यकता
...वल मेंटर की
...नकी गलतियों
...ने में मदद कर
... और मनोदशा
...रवि शास्त्री ने
... किया था।
...उनका तालमेल
...राट कोहली के
...बिताया, उसका
...कि टेस्ट मैच में
... उनके बीच
...। दोनों के बीच
... बहुत ही अच्छा

...देशी कोच जॉन
...गैरी कर्स्टन और
...ढ़ दशक मिली
...है तो हमें पता है
...र गैरी कर्स्टन ने
...बेहतर तरीके से
... और डंकन लेचर
... किया?
...ल गया है कि इन
...तिरिक्त लाभ नहीं
...ले हमारे ही देश में
...न, रणनीतिकार
... है तो पता नहीं
... आवश्यकता क्यों

... कोच नहीं मेंटर
... टीम से पूरा जुड़ाव
...सकी गलतियों को
... शास्त्री वर्तमान में
...र्वश्रेष्ठ पसंद दिखाई

-नरेन्द्र देवांगन

...न जायें

पावन संसार

प्रकृति का घर-उदयपुर

पर्यट...

झीलों की नगरी उदयपुर राजस्थान के हसीन शहरों में से एक है। अरावली पर्वत श्रृंखला की पहाड़ियों एवं दर्रों से, चारों ओर से घिरे उदयपुर को मेवाड़ का आभूषण, पूर्व का वेनिस तथा राजस्थान का कश्मीर भी कहा जाता है। मारबल और जिंक उत्पादन के लिये उदयपुर विश्वविख्यात है।

अकबर की सेना को चित्तौड़ से खदेड़ते हुए जब महाराणा उदयसिंह पहली बार इस स्थान पर पहुंचे तो उन्हें यह स्थान सुहाया। फिर तो बार-बार वे यहां शिकार खेलने के लिये आने लगे। राज्य की दृष्टि से भी उन्हें यह स्थान चारों ओर से सुरक्षित प्रतीत हुआ। फलस्वरूप 1519 में उन्होंने उदयपुर शहर की नींव रखी।

उदयपुर नगर का विकास महाराणा अमर सिंह प्रथम के शासन काल में आरंभ हुआ था जो अनवरत जारी है। तब से उदयपुर शहर में महलों, मन्दिरों, बगीचों के नायाब निर्माण आरंभ हुए। यहां पहाड़ियों और झीलों के नैसर्गिक सौन्दर्य से अभिभूत हो देश-विदेशी पर्यटकों का जन सैलाब खिंचा चला जाता है। उदयपुर शहर में कालान्तर में परकोटा तथा चौड़ी खाई भी बनी मगर स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् नगर की बढ़ती आबादी विस्तार तथा जन जागरुकता के अभाव एवं सौंदर्यीकरण के वशीभूत खाई का प्रायः नामोनिशां मिट गया तथा मजबूत परकोटे के 11 दरवाजे में से केवल पांच ही आज बतौर अवशेष बचे हुए हैं। पूर्व की ओर स्थित सूरजपोल शहर का मुख्य द्वार है।

उदयपुर के दर्शनीय स्थल

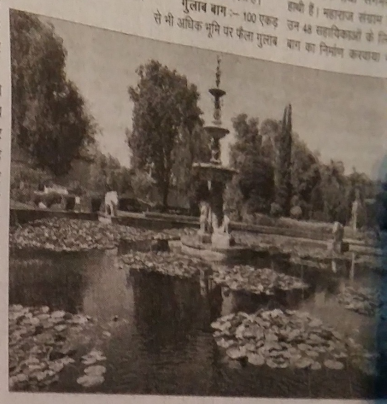

जगदीश मन्दिर :- भगवान विष्णु को समर्पित जगदीश मन्दिर का निर्माण सन् 1628-52 ई. के मध्य महाराणा जगद सिंह प्रथम ने करवाया। यह उत्तर भारत के शिखर बन्द, सबसे बड़े विष्णु मन्दिरों में से एक है। यहां भगवान विष्णु की चतुर्भुजा श्याम मूर्ति बड़ी मनोहारी है।

पिछोला झील :- पिछोला झील चारों ओर से पर्वत श्रेणियों, नहाने के घाटों, महलों एवं मन्दिर से घिरी हुई है। कालान्तर में इस झील का विस्तार होता गया। आज यह लगभग पांच किलोमीटर लम्बी 1.6 किलोमीटर चौड़ी तथा 25 फीट गहरी है।

गुलाब बाग :- 100 एकड़ से भी अधिक भूमि पर फैला गुलाब बाग, छोटी-छोटी कई बाड़ियों को एकीकृत करके बनाया हुआ है। यह सज्जन निवास बाग के नाम से भी प्रसिद्ध है। यहां गुलाब के फूलों की तीन सौ पचास के लगभग किस्में देखने को मिलती हैं। यहां के पुस्तकालय में पचास हजार से भी अधिक पुस्तकें संग्रहित हैं। साथ ही हजारों दुर्लभ ग्रन्थ सुरक्षित हैं।

सहेलियों की बाड़ी :- यह अलंकृत बगीचा कभी शाही परिवार का विश्राम स्थल था। राजघराने की युवतियां अक्सर यहां सैर करने आती थ... अनेक प्रकार के फव्वारे, ... हुई छतरियां तथा संगम... हाथी हैं। महाराज संग्राम... उन 48 सहायिकाओं के लि... बाग का निर्माण करवाया ... तत्कालीन राजकुमारी के ... आयी थी।

फतेहसागर झील ... उदयपुर नगर के उत्तर-पश्चि... लगभग 5 किलोमीटर दूर ... सागर झील स्थित है। मह... जयसिंह ने 1687 में इसका नि... करवाया था उसके प... महाराणा फतेहसिंह ने इस ... को विस्तृत एवं सुदृढ़ बनवा... इसी कारण से इनका नाम ... सागर झील पड़ा।

-पवन कुमार कल्ला

सकारात्मक विचार

सकारात्मक विचार से अन्दरुनी शांति, सफलता, अच्छे, आपसी संबंध, मधुर अच्छी हैल्थ, संतुष्टी व खुशी मिलती है। इससे आप आगे जल्दी बढ़ते है और जिंदगी अच्छी होती है।

सकारात्मक विचार आपको अच्छा बनाते है। गिलास आधा भरा है। आधा भरा गिलास पानी का कहना सकारात्मक है जबकि आधा गिलास खाली नाकारात्मक विचार है।

साकारात्मक विचार बड़ी तेजी से फैलते है। आसपास सभी का मानसिक मूड पर असर पड़ता है। अगर आप अच्छे है तो और भी अच्छा बनने की कोशिश करेंगे। अगर आप सोचते है कि मैं परीक्षा में बहुत बच्छे नम्बर लूंगी तो उसके लिये अच्छी मेहनत करेंगे और अच्छे नम्बर आयेगें। अपने दिमाग को हल्का ... शक्ति लाइये आपकी जिंदगी में जल्दी ही यह विशेषताएं दिखाई देगी। सकारात्मक विचार से ऐसा घेरा आपके चारों तरफ बनता है कि आप नाकारात्मक विचार जो औरों के द्वारा आते है उनसे भी बच जाते हैं और आप खुशी के समुन्द्र में डूब जाते हैं।

कैसे आशावादी हो सकते है?

1. आज का एक दिन है वह अच्छा जीना है। वर्तमान में जीयें क्योंकि भूत अनिश्चित है।
2. अपने दिमाग में अच्छे विचार लायें।
3. अच्छी सिनेमा व धारावाही देखें।
4. [illegible]
5. [illegible]
6. अच्छे स्वप्न देखिये और उनका पीछा करें।
7. छोटी सी छोटी चीज में खुशी ढूंढे। बड़े लोग अपने पोता-पोती के साथ खुश रहते हैं।
8. हसिये इससे आप को ... मिलती है।
9. एक जगह पर मत बैठिये।
10. अपने आप एक खाली ... डायरी। रखिये और उस पर अच्छे ... अच्छी घटनाएं और अच्छी ... लिखिये और बाद में जब ... है, पढ़े बड़ा अच्छा लगेगा।

-प्रेम, एलपी-14 ..., पीतमपुरा

शिक्षक अभिमुखता कार्यक्रम

शिक्षा एक संस्कार है जो मनुष्य को सार्थक जीवन के लिए सक्षम बनाता है। शिक्षा का मूल उद्देश्य मनुष्य की आत्मा और उसके समूचे व्यक्तित्व को विकास व अभिव्यक्ति के लिए समर्थ बनाना है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए **सैंवन इंटरनेशनल स्कूल, रोहिणी, सैक्टर-11** में ग्रीष्मावकाश के बाद अध्यापिकाओं के मन, आत्मा व विचारों को सामंजस्य प्रदान करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें श्री सुरेंद्र ओबराय द्वारा ध्यान पर बल दिया गया जिसमें बताया गया कि ध्यान हमारी सभी समस्याओं की मास्टर कुंजी है। सुश्री नीलम वाधवानी ने नवीन शिक्षण पद्धतियों से अवगत ... व श्रीमती रोमा जैन ने ... से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकें बताईं जिससे ... की विधियों पर बल दिया जिससे सकारात्मक परिणाम देखे जा सकें। श्री वैभव पचमकर (संस्थापक एन. के. बस्सीडियो) ने पठन-पाठन कौशल द्वारा छात्रों में आत्म-विश्वास जागृत करने का सम्पूर्ण विकास किया जा सके। जीवन की सार्थकता गतिशील रहने में है, कर्मरत रहकर ही निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ा जा सकता है। आज के प्रतिस्पर्धा युग में छात्रों ... कार्यशालाओं से पल्लवित पुष्पित होकर अध्यापिकाएं ... को उद्भासित कर सकती हैं।

... Associates
... Bureau

Jai Mata Di
RANJEET SINGH TANEJA
Musical Events
• Bhagwati Jagran • Chowki
Khatu Shyam • Sai Sandhya
... • Mehandi Raat, (Wedding Choreogr...
...ical Shows • D.J. etc.
...ing for Ladies Sa...

सराहनीय कार्य कर रही है भारत विकास परिषद : जगदीश चोपड़ा

पल पल न्यूज: सिरसा, 26 जुलाई। भारत विकास परिषद के सौजन्य से स्थानीय तेरापंथ जैन सभा भवन में प्रथम प्रांतीय बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में मुख्यातिथि के तौर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहाकार जगदीश चोपड़ा उपस्थित हुए थे। इस बैठक में एडवोकेट यतिंद्र सिंह ने विशिष्ठ अतिथि के रूप में शिरकत की। परिषद की इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण, भारत विकास परिषद रमेश गोयल ने की। इस अवसर पर जगदीश चोपड़ा ने कहा कि भारत विकास परिषद समाज के अनेक वर्गों के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद की स्थापना हुई थी उससे लेकर अब-तक परिषद ने समृद्धि के नए आयाम हुए हैं। समाज के प्रत्येक वर्गों के लोग भारत विकास से जुड़े हुए हैं। समाज में अनेक वर्गों के लोग है, एक वर्ग वह है जिसमें ईश्वर की कृपा है ईश्वर ने भारत विकास परिषद को समृद्धि व सम्पन्नता दी है। इसी बदौलत आज भारत विकास परिषद से हजारों परिवार जुड़े हुए है। चोपड़ा ने कहा कि आजादी के काफी वर्षों बाद भी हम अपने लक्ष्य पर भी नहीं पहुंचे हैं उन्होंने कहा कि अब अच्छे विचारों के लोग आगे आए हैं। देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी व हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के धुर विरोधी भी उन्हें ईमानदार मानते है। उन्होंने कहा कि सरकार का अपना दायित्व व धर्म होता है। हमारे दिल में समाज के प्रति सोच अच्छी है तो हम अच्छे समाज की कल्पना कर सकते हैं। उन्होंने भारत विकास परिषद के सदस्यों से कहा कि हम सब अच्छी भावना लेकर आगे बढ़ेंगे तो देश उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। बैठक में चंद्र प्रकाश आहुजा, राष्ट्रीय मंत्री संगठन अविनाश शर्मा, राष्ट्रीय मंत्री महिला व बाल विकास रमेश सिंघला, प्रांतीय अध्यक्ष हरियाणा पश्चिम, सुशील गुप्ता प्रांतीय महासचिव, ओपी गुप्ता प्रांतीय कोषाध्यक्ष, हरबंस नारंग, जिलाध्यक्ष सिरसा ने परिषद के कार्यों पर प्रकाश डाला। इस बैठक में प्रांत की कुल 40 शाखाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभागिता की। मंच का कुशल संचालक अशोक गुप्ता शाखा सचिव ने किया। बैठक के अंत में अपने अभिभाषण में परिषद् के सिरसा शाखा के प्रधान प्रमोद गौतम ने आए हुए सभी लोगों का धन्यवाद किया। भारत विकास परिषद की ओर से चोपड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए रमेश गोयल।

निकलना तक मुश्किल हो गया है। पानी के

आयकर छूट सीमा 4 लाख की जाए : गोयल

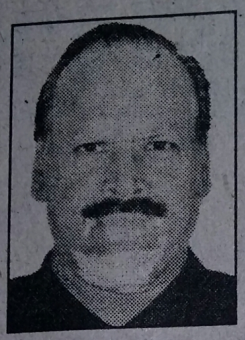

पल पल न्यूज: सिरसा, 28 जनवरी। वरिष्ठ आयकर सलाहकार व आयकर बार एसोसिएशन सिरसा के पूर्व अध्यक्ष रमेश गोयल ने वित्तमन्त्री अरूण जेटली को बजट 2017-18 के लिए सुझाव प्रेषित करते हुए मांग की है कि आयकर छूट सीमा न्यूनतम 4 लाख हो। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयकर छूट सीमा 5 लाख हो। 10 लाख तक आयकर दर 10 प्रतिशत, 10 से 20 लाख तक आयकर दर 20 प्रतिशत, 20 लाख से उपर 30 प्रतिशत हो। उपरोक्त छूट के आलावा कृषि आय 10 लाख वार्षिक से अधिक होने पर सामान्य आय में जोड़ी जाए। 10 लाख से अधिक आय वाले किसान सामान्य किसान नहीं कहे जा सकते। जिनकी केवल कृषि आय है उन्हें भी 10 लाख की आय से ऊपर आयकर लगाना चाहिए, चाहे दर कम हो। आयकर विवरणी के साथ पुंजी खाता व तलपट (कैपिटल अकाउंट एवं बैलेंस शीट) देना अनिवार्य हो, चाहे निर्धारित वेतनभोगी हो। इससे हर वर्ष बढ़ने वाली संपति का स्वतः रिकार्ड रहेगा। दस या बीस हजार रूपये से अधिक का सभी प्रकार का लेन-देन व भुगतान कैशलेस अनिवार्य किया जाए। दस हजार रूपये से कम का भुगतान नकंद या कैशलेस स्वेच्छिक हो, अनिवार्य नहीं। 10 या 20 हजार रूपये से अधिक के बिल का भुगतान सरकारी व गैर सरकारी केवल चैक द्वारा ही मान्य हो। उसका किस्तो में या अन्य किसी प्रकार से भी नकद भुगतान पर रोक हो। कैशलेस भुगतान पर कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लगना चाहिए। बैंकों द्वारा बड़ी कारों व अन्य वाहनों पर ऋण देने की अधिकतम सीमा 50 प्रतिशत निश्चित की जाए तथा ब्याज दर बढ़ाई जाये क्योंकि बैंक से ऋण लेने वाले बैंक अधिकारियों से मिलकर अनियमितता करते हैं। यातायात नियन्त्रण में भी सुविधा होगी। कृषि ऋण से खाद, बीज आदि का, इसी प्रकार गृह ऋण के केस में भवन निर्माण सामग्री आदि का भुगतान कैशलेस अनिवार्य किया जाये। घर पर नकद रखने की अधिकतम सीमा एक परिवार (पति-पत्नी) के लिए पांच लाख रूपये या एक वर्ष की कुल आय के बराबर, दोनों में जो कम हो, निर्धारित की जाए।

कचरा-कबाड़ हो गए हैं व्हाट्सअप ग्रुप

– डॉ. दीपक आचार्य

जिस आशा और उत्साह से व्हाट्सअप आरंभ हुआ था, जिस अवर्णनीय आनंद के साथ हम लोग व्हाट्सअप की दुनिया में घुस गए थे वह आनंद खत्म होकर अब लगता है कि कोई ऐसी बड़ी आफत मोल ले ली है कि हर किसी की गति साँप-छछून्दर की तरह होती जा रही है। चस्का इतना तेज और घना है कि छूटते नहीं छूटेता, और पकड़े रखो तो फालतू के मैसेज, फोटो, उपदेशों, वीडियो और तमाम किस्मों का कचरा कई-कई ग्रुपों और हजारों आदमियों के पास से होकर सैकड़ों बार आ धमकता है और तिस पर हर व्हाट्सपिया यही समझता और जताता है कि वही सबसे पहले है जो ऐसी अक्षत और अविमोचित सामग्री परोस कर हमें उपकृत कर रहा है। पहले अकेला आदमी इस दुनिया में घुसता है, फिर उसके भीतर सामन्ती से लेकर लोकतंत्री नेतृत्व का भूत सवार होता है और तब वह एक नहीं बल्कि कई सारे ग्रुपों का संचालन करना आरंभ कर देता है और बिना पूछे-ताछे इन सभी को ग्रुप में घुसेड़ देता है जो उसके परिचित होते हैं या उसके सम्पर्क में आते रहते हैं। किसी को दूसरे की रुचि, इच्छा और स्वीकृति से कोई सरोकार नहीं। ग्रुप से हट जाओ तो लोग असहिष्णु होकर नाराज हो जाते हैं जैसे कि हमने उनकी धन-दौलत छीन ली हो या शादी के प्रोसेशन से बाहर निकल आए हो अथवा उनकी दूध देती गाय-भैंस मार दी हो। अब तो हर आदमी पर किसी न किसी नाम से ग्रुप बनाने का जिन्न सवार हो गया है। यही सब चलता रहा तो आने वाले दिनों में व्हाट्सअप नेताओं की बहुत बड़ी फौज हमारे सामने होगी। इन लोगों को न तो सामने वाले के नेट पैक या डाटा की कुछ पड़ी है, न मोबाइल हैंग होने की। शुरू-शुरू के दो-चार दिन तो सारे ग्रुप के उद्देश्य को लेकर गंभीर रहते हैं और फालतू की सामग्री डालने से बचते रहते हैं। फिर एकाध ने कोई भगवान का फोटो, उपदेश, बोध वाक्य, सुन्दर सा चित्र, वीडियो डाल दिया तो फिर सारे शुरू हो जाते हैं। इसके बाद होता रहता है नॉनस्टॉप आयातित कचरे के संग्रहण का दौर जो ग्रुप के लिए असामयिक मौत के पैगाम से कम नहीं होता। एक न एक प्रकार की सामग्री बार-बार आती रहने से लोग बोर हो जाते हैं और ग्रुप भी अपना उद्देश्य भटक जाता है।

यों भी आजकल लोग इतने अधिक बेशर्म, निर्लज्ज और ढीट होते जा रहे हैं कि कोई भी ग्रुप की मर्यादा, अनुशासन और ध्येय के प्रति गंभीर नहीं रहता। एडमिन की कोई सुनता ही नहीं, फिर जहां बहुत सारे एडमिन होते है वे सारे के सारे दुःखी हो जाते हैं और एक-एक कर ग्रुप छोड़ते चले जाते हैं। बहुत सारे लोग कई ग्रुपों में होते हैं और उनका एक ही मकसद होता है, कहीं से सामग्री ली और एक साथ सारे ग्रुपों में फेंक दी। कविताओं, शेरों-शायरियों, संवादों का जो दौर चलता रहता है वह आदमी की जिन्दगी में सस्ते मनोरंजन के गए-बीते क्षणों की बानगी पेश करता है जहां आदमी को कोई कर्मयोग नहीं करना पड़ता। अब रोए वे लोग जो ग्रुप में हैं। पढ़ने लायक सामग्री न भी हो तब भी इसे डिलीट करने में जितना समय लगता है उतने में दूसरे जरूरी काम सम्पन्न हो सकते हैं। व्हाट्सअप ने सब जगह विद्वानों की सुनामी ला दी है। हर कोई ब्रेकिंग और बिग ब्रेकिंग न्यूज की तरह सबसे आगे रहता हुआ अपनी विद्वता के झण्डे ऐसे गाड़ता रहता है जैसे कि एवरेस्ट की चोटी पर ही पहुंच गया हो।

सब तरफ कबाड़ा और कचरा होता जा रहा है। इस कारण से अच्छी सामग्री परोसने वाले गंभीर लोग दुःखी होकर ग्रुप को अलविदा कह देते हैं और आयन्दा से किसी भी ग्रुप में शामिल नहीं होने की कसमें खा लिया करते हैं। उन लोगों की हालत देखने लायक है जो कई सारे ग्रुपों में शामिल हैं और स्टेटस अपलोड करने और बार-बार देखने की बीमारी से ग्रस्त है। इन लोगों से अपना कोई दूसरा काम हो ही नहीं पाता क्योंकि अधिकांश समय व्हाट्सअप और फेसबुक खा जाते हैं।

सच में इन बेचारों की दयनीय स्थिति किसी से देखी नहीं जाती। असामाजिक इतने कि कोई पास में बैठा है, कोई मिलने आया है और कोई चर्चा करना चाहता है, सब गौण। मोबाइल में ऐसे घुसे रहेंगे जैसे कि परमपिता परमात्मा या अपने दिवंगत पितर वहीं उपलब्ध हों उनसे बातें करने के लिए। न घर-परिवार से कोई सरोकार, न समाज या क्षेत्र से। बच्चों की तरह मोबाइल में घुसे रहने की महामारी आजकल आम है। जिसे देखो वह मुँह नीचा किए घुसा रहता है। सर उठाने की हमारी हिम्मत जवाब देती जा रही है। यही सब चलता रहा तो कुछ साल बाद गर्दन नीचे झुकाये कुबड़ वाले इंसान नज़र ही आएंगे।

गोयल ने कथा के माध्यम से दिया जल बचत का संदेश

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 सितंबर। भारत विकास परिषद के पर्यावरण व जल संरक्षण राष्ट्रीय प्रभारी रमेश गोयल नाथद्वारा (राजस्थान) का 10 दिवसीय भ्रमण करके वापस आ गए हैं। श्रीमद् भागवत कथा के धार्मिक आयोजन में सम्मिलित जल स्टार रमेश गोयल ने नाथद्वारा के अपने प्रवास में वहां के 9 विभिन्न विद्यालयों में जा जाकर लगभग 5 हजार विद्यार्थियों व शिक्षकों को जल की महता, कमी के कारण व जल बचत के उपायों पर जानकारी दी। भाविप मेवाड़ उदयपुर शाखा द्वारा आयोजित गुरू वन्दन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में लगभग एक हजार विद्यार्थियों व शिक्षकों को मुख्य अतिथि के रूप में आयोजन के महत्व के साथ-साथ जल बचत की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। नागरिकों के अतिरिक्त देश के विभिन्न स्थानों से आने वाले अनेक श्रद्धालुओं को भी भेंट की। पर्यावरण एवम जल संरक्षण अभियान सम्बन्धी बैनर भी स्कूलों, कथा स्थल व भोजनालय में लगवाये। इसी प्रकार के कथा आयोजनों में गोयल 2013 में रामेश्वरम, 2014 में उज्जैन व 2015 में वाराणसी में अपने मिशन पर कार्य करते हुए अनेक स्कूलों में जाकर आए थे। हर बार कथा मंच से भी देश के

पर्यावरण, जल, ऊर्जा बचाएं

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते है जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों में जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ✡ पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ✡ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ✡ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ✡ लकड़ी का कम से कम प्रयोग करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा – पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार

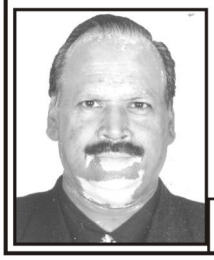

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार
राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्
बी.एम.-19 (प.), शालीमार बाग, दिल्ली

Website : www.savewatersavelife.com
Email : rameshgoyalsrs@gmail.com
https://www.facebook.com/ramesh.goyal.52?fref=ts

R.M.G. & CO. Chartered Accountants, 24-Old Rajinder Nagar Market, Delhi, M. 099107-85275

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

''जागो भारत जागो''

जाति, धर्म, संख्या या लिंग के आधार पर आरक्षण प्रतिभा
के साथ अन्याय तथा राष्ट्र उन्नति में बाधक है।

आरक्षण हटाओ - देश बचाओ

आईये-सहमत हैं तो अवश्य आईये

हर रविवार सुबह 7 बजे आधा घंटा पैदल मार्च

स्थान : बस स्टैण्ड, हिसार मार्ग, सिरसा

संयोजक : डा॰ गुलाब सिंह मो॰ 94164-02486, 98134-41224
94160-46307, 94666-70345, 94160-49757, 94664-55757

वायु प्रदूषण को रोकने के बारे में हुआ कार्यक्रम

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 जून। दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलतराम कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 6 जून को वायु प्रदूषण रोकें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. चिराश्री घोष मुख्य अतिथि तथा भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण रमेश गोयल (सिरसा) व नव एंव नवीकरण ऊर्जा मन्त्रालय भारत सरकार के निदेशक डॉ. प्रदीप चन्द्र पंत विशिष्ठ अतिथि थे। उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम सत्र का विषय था, वायु प्रदूषण को कैसे रोका जाये और दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पर्यावरणविद् डॉ. सीमा शर्मा के संयोजन में डॉ. चिराश्री घोष, पर्यावरणविद् रमेश गोयल,

जिन्दल स्कूल के शासकीय व जन नीति की सहायक डीन व जर्मन नागरिक डॉ. अम्बिका, जिन्दल स्कूल आफलां के प्रो. अर्नब बोस तथा राजधानी पावर लि. के प्रबन्धक चेतन पाठक मुख्य भागीदार थे। द्वितीय सत्र का विषय था, स्थानीय स्तर पर प्रदूषण रोकथाम में प्रशासन का प्रभावी प्रबन्धन और अर्नब बोस के संयोजन में प्रमुख वक्ता थे डॉ. प्रदीप चन्द्र पंत, प्रमुख संस्था टीईआरआई के भूविज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग निदेशक सुमीत शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय की पर्यावरणविद् डा. सीमा शर्मा व आर्य समाज दिल्ली की उपाध्यक्ष उषा किरण। अन्तिम सत्र में विभिन्न महिला विशेषज्ञों ने स्मार्ट नेबरहुड एंड स्मार्ट सिटी विषय पर समूह चर्चा की। प. दीन दयाल उपाध्याय स्मृति मंच की ओर से प्रदूषण से सम्बन्धित एक डॉक्यूमेंटरी दिखाई गई और स्मृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम संयोजक डा. सीमा शर्मा ने सभी का अभिनन्दन किया तथा सह संयोजक डा. सरिता ने सभी का आभार व्यक्त किया और गमला युक्त पौधा देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की दिल्ली पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

वायु प्रदूषण को रोकने के बारे में हुआ कार्यक्रम

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 जून। दिल्ली विश्वविद्यालय के दौलतराम कॉलेज में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 6 जून को वायु प्रदूषण रोकें कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. चिराश्री घोष मुख्य अतिथि तथा भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण रमेश गोयल (सिरसा) व नव एंव नवीकरण ऊर्जा मन्त्रालय भारत सरकार के निदेशक डॉ. प्रदीप चन्द्र पंत विशिष्ठ अतिथि थे। उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम सत्र का विषय था, वायु प्रदूषण को कैसे रोका जाये और दिल्ली विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पर्यावरणविद् डॉ. सीमा शर्मा के संयोजन में डॉ. चिराश्री घोष, पर्यावरणविद् रमेश गोयल,

जिन्दल स्कूल के शासकीय व जन नीति की सहायक डीन व जर्मन नागरिक डॉ. अम्बिका, जिन्दल स्कूल आफलां के प्रो. अर्नब बोस तथा राजधानी पावर लि. के प्रबन्धक चेतन पाठक मुख्य भागीदार थे। द्वितीय सत्र का विषय था, स्थानीय स्तर पर प्रदूषण रोकथाम में प्रशासन का प्रभावी प्रबन्धन और अर्नब बोस के संयोजन में प्रमुख वक्ता थे डॉ. प्रदीप चन्द्र पंत, प्रमुख संस्था टीईआरआई के भूविज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग निदेशक सुमीत शर्मा, दिल्ली विश्वविद्यालय की पर्यावरणविद् डा. सीमा शर्मा व आर्य समाज दिल्ली की उपाध्यक्ष उषा किरण। अन्तिम सत्र में विभिन्न महिला विशेषज्ञों ने स्मार्ट नेबरहुड एंड स्मार्ट सिटी विषय पर समूह चर्चा की। प. दीन दयाल उपाध्याय स्मृति मंच की ओर से प्रदूषण से सम्बन्धित एक डॉक्यूमेंटरी दिखाई गई और स्मृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम संयोजक डा. सीमा शर्मा ने सभी का अभिनन्दन किया तथा सह संयोजक डा. सरिता ने सभी का आभार व्यक्त किया और गमला युक्त पौधा देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की दिल्ली पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

जल के महत्व को जानें बच्चेः गोयल

भाविप के पर्यावरण के राष्ट्रीय संयोजक ने आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित

भास्कर न्यूज | फतेहाबाद

जल है तो कल है, जल बचेगा जीवन बचेगा आदि ये बात केवल नारे न होकर अटूट सत्य है क्योंकि मनुष्य खाने के बिना तो जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

रमेश गोयल

ये बात भारत विकास परिषद के पर्यावरण के राष्ट्रीय संयोजक रमेश गोयल ने आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम रोजमर्रा की जिंदगी में न जाने कितने पानी को व्यर्थ बहा देते हैं जिनमें हाथ धोना, शेव बनाना, टूथब्रश करना, कूलर में पानी भरने के लिए पानी की पाइप लगाकर भूल जाना बाइक और गाड़ी को जरूरत न होने पर भी पानी की पाइप लगाकर धोना आदि शामिल हैं।

फतेहाबाद। आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

छोटे स्तर पर बचत करें तो बड़ा अभियान बनेगा

अगर हम पानी की छोटे स्तर भी बचत करें तो ये एक बहुत बड़ा अभियान बन सकता है। अगर हम पानी को बचाते हैं तो घर में पानी को भरने के लिए मोटर कम चलानी पड़ेगी जिससे बिजली की भी बचत होगी तथा बिजली के बिल में भी कटौती होगी। परिषद के क्षेत्रीय चेयरमैन सीपी आहूजा ने भी संबोधित किया। स्कूल उपप्राचार्य केके अरोड़ा ने आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

जल के महत्व को जानें बच्चेः गोयल

भाविप के पर्यावरण के राष्ट्रीय संयोजक ने आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित

भास्कर न्यूज | फतेहाबाद

जल है तो कल है, जल बचेगा जीवन बचेगा आदि ये बात केवल नारे न होकर अटूट सत्य है क्योंकि मनुष्य खाने के बिना तो जिंदा रह सकता है लेकिन पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

रमेश गोयल

ये बात भारत विकास परिषद के पर्यावरण के राष्ट्रीय संयोजक रमेश गोयल ने आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम रोजमर्रा की जिंदगी में न जाने कितने पानी को व्यर्थ बहा देते हैं जिनमें हाथ धोना, शेव बनाना, टूथब्रश करना, कूलर में पानी भरने के लिए पानी की पाइप लगाकर भूल जाना बाइक और गाड़ी को जरूरत न होने पर भी पानी की पाइप लगाकर धोना आदि शामिल हैं।

फतेहाबाद। आर्यभट्ट पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

छोटे स्तर पर बचत करें तो बड़ा अभियान बनेगा

अगर हम पानी की छोटे स्तर भी बचत करें तो ये एक बहुत बड़ा अभियान बन सकता है। अगर हम पानी को बचाते हैं तो घर में पानी को भरने के लिए मोटर कम चलानी पड़ेगी जिससे बिजली की भी बचत होगी तथा बिजली के बिल में भी कटौती होगी। परिषद के क्षेत्रीय चेयरमैन सीपी आहूजा ने भी संबोधित किया। स्कूल उपप्राचार्य केके अरोड़ा ने आए हुए अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

60 की उम्र में उठाया जल बचाने का बीड़ा

- जल बचत अभियान का नाम बन गया रमेश गोयल
- ट्रेन हो या फिर बस बात सिर्फ जल बचत की

हरिभूमि न्यूज. हिसार

[illegible]

[illegible]

मैट्रो ट्रेन में भी बांट दिए 20 जल चालीसा

[illegible]

गोमती की 26 में से 22 सहायक नदियां सूखीं

अंधाधुंध जल दोहन ने बिगाड़ा नदी का स्वरुप, चार बचीं सहायक नदियों की भी हालत खराब

अतुल भारद्वाज

लखनऊ। अंधाधुंध जल दोहन और नदी तट विकास के नाम पर बनाई डायफ्राम वॉल ने गोमती नदी का पूरा रिवर सिस्टम ही बिगाड़ दिया है। नदी के भूगर्भ जल से पोषित होने से जहां पानी का बहाव कम हो गया है, वहीं गोमती की 26 सहायक नदियों में से 22 सूख गई हैं। खतरनाक हो चुकी स्थिति का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि अन्य चार सहायक नदियों में भी आंशिक रूप से ही बहाव बचा है। ऐसे में गोमती का प्रवाह बने रहने पर ही संकट मंडरा रहा है। इसका खुलासा बीबीएयू के पर्यावरण विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेंकटेश दत्ता के अध्ययन में हुआ है। यह शोध इंडियन जर्नल ऑफ इकोलॉजी में प्रकाशित हुआ है।

डॉ. दत्ता का कहना है कि गोमती नदी और भूगर्भ जल एक दूसरे के पूरक की तरह काम करते हैं। मानसून में जहां भूगर्भ जल गोमती बेसिन से रीचार्ज होता है तो मानसून के पहले व बाद में इससे नदी को अपना प्रवाह बनाए रखने में मदद मिलती है। अध्ययन में यह पता चला है कि लखनऊ में गोमती द्वारा 76 प्रतिशत पानी भूगर्भ जल से लिया जाता है। इसे बेस फ्लो इंडेक्स भी कहा जाता है, जो बताता है कि नदी के लिए भूगर्भ जल का महत्व कितना है? अब संकट यह है कि भूगर्भ जल का स्तर गोमती के रिवरबेड से नीचे [illegible]। इससे ही नदी को पानी नहीं [illegible] रहा है।

बीबीएयू के पर्यावरण विभाग के प्रो. डॉ. वेंकटेश दत्ता के अध्ययन में सामने आई खतरनाक स्थिति

- वैज्ञानिकों का आकलन, बिगड़ रहा है नदी के प्रवाह और भूगर्भ जल का आपसी सामंजस्य

13

मीटर तक भूगर्भ जल स्तर में गिरावट आई 1984 से 2015 के बीच

पानी का दोहन बढ़ने के साथ गोमती नदी का बहाव कम हो गया है।

पानी का दोहन ज्यादा, रीचार्ज कम

प्रोफेसर डॉ. वेंकटेश दत्ता का कहना है कि सहायक नदियों के खत्म होने से जहां बड़ा संकट खड़ा हुआ है, वहीं 1984 से 2015 के बीच भूगर्भ जल स्तर पांच मीटर से और नीचे 18 मीटर पर पहुंच गया है। इसमें सबसे अधिक गिरावट वर्ष 2005 से 2015 के बीच हुई है। यह अनुपात करीब 47 प्रतिशत है। यह बताता है किस तरह हमारे इंजीनियर केवल दोहन का विज्ञान अपना रहे हैं। जितना पानी निकाला जा रहा है, उससे कम हम रीचार्ज कर पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि हमारी पास मौजूद भूजल रीचार्ज क्षमता से अधिक पानी का दोहन किया जा रहा है।

एक बेहतर योजना बनाने की जरूरत

डॉ. दत्ता का कहना है कि रिवर सिस्टम को बचाने के लिए विकास आधारित जल प्रबंधन योजना बनानी होगी। ऐसी योजना हो जिससे नदी और भूगर्भ जल के समन्वय को सुधारा जा सके। रिवरफ्रंट डवलपमेंट के नाम पर हम पहले ही 16 मीटर गहरी डायफ्राम वॉल बनाकर लखनऊ के मध्य क्षेत्र में रीचार्ज क्षेत्र और नदी को अलग कर चुके हैं। अंधाधुंध जल दोहन को भी न्यूनतम करना होगा। हम पहले ही ऐसा नुकसान कर चुके हैं जिसे ठीक करने में 50 साल से अधिक समय लग जाएगा।

941 किमी में बहती है गोमा

गोमती नदी का उद्गम पीलीभीत की फुलहर झील से है। इसके बाद यह लखनऊ सहित 14 जिलों से गुजरती है। 941 किमी का सफर तय करके गोमती वाराणसी के पास गंगा में मिल जाती है। इस कारण इसे गंगा की सहायक नदी भी कहा जाता है।

60% तक घटा नदी का प्रवाह

डॉ. दत्ता का कहना है कि भूजल की कमी से पर्यावरणीय प्रवाह और मछलियों जैसी जलीय प्रजातियों के पारिस्थितिक परिणामों की कभी जांच नहीं की जाती है, जबकि यह बहुत जरूरी है। अध्ययन में देखा कि भूजल गोमती नदी व अन्य में जल प्रवाह का प्रमुख स्रोत है। जल स्तर में गिरावट से बारहमासी नदियां मौसमी होती जा रही हैं। गोमती जैसी गंगा की कई सहायक नदियां इसमें शामिल हैं। पिछले 50 सालों में इन नदियों के जल स्तर में 30 से 60 फीसदी तक की गिरावट आई है। नदी में प्रवाह कम हुआ तो रीचार्ज सिस्टम प्रभावित हुआ। इससे भूगर्भ जल में मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में गिरावट आई। पानी की स्थायी उपलब्धता और पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के लिए सतही जल के उपयुक्त प्रबंधन के साथ भूगर्भ जल को रिजर्व रखने वाले एक्वेफर को रीचार्ज करना बहुत जरूरी है। इसके उलट मृत हो चुकी सहायक नदियों को ही हम नाला बना दे रहे हैं।

ये हैं गोमती की सहायक नदियां

गभई नदी, जोकनई नदी, भैंसी नदी, चुहा नाला, अंधी नाला, खठीना नदी, भिठवा नाला, परेरा नाला, सरायन नदी, नाखा नाला, अकाड्डी नाला, बेहता नदी, कुकरैल नदी, लोनी नदी, असैना नाला, रेठ नदी, कल्याणी नदी, अराही नाला, कंदू नाला, गोबरिया नाला, सेवई नाला, पीली नदी, सेवई नाला, बलोई नदी, सई नदी, नंद नदी। इसमें से केवल सई, खठीना, कुकरैल और बेहता नदी में ही आंशिक रूप से बहाव बचा है, जबकि पतली धारा या तालाब के रूप में दिखता है।

मौसमी नदी बन गई है गोमती

डॉ. दत्ता का कहना है कि रिवर सिस्टम प्रभावित होने की वजह से गोमती नदी मौसमी हो गई है। यह कभी वार्षिक प्रवाह वाली नदी थी, लेकिन अंधाधुंध जल दोहन और सहयोगी नदियों का संरक्षण नहीं होने से आज इसका यह हाल हो गया है। इससे नदी ही नहीं आने वाले समय में हमारे खाद्य संसाधन और जलीय जीवन भी प्रभावित होगा। यह सीधे तौर पर मानवीय जिंदगी पर असर डालेगा।

Scanned with CamScanner

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोयल ने पीएम को लिखा पत्र

पल पल न्यूजः सिरसा, 9 दिसंबर। राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 14 दिसंबर के मध्यनजर भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण रमेश गोयल ने प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है कि बढ़ते प्रदूषण व तापमान के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है जिस पर चिन्तन के लिए कुछ दिन पूर्व ही पैरिस (फ्रांस) में विश्व स्तरीय सम्मेलन हुआ था और ऊर्जा संरक्षण के लिए सौर ऊर्जा का अधिकतम प्रयोग करने का निर्णय हुआ था परन्तु एक और जहां सड़क व भवन निर्माण के लिए हर वर्ष लाखों वृक्ष काटे जा रहे हैं वहीं आयकर विभाग लाखों टन कागज बर्बाद करके लाखों वृक्ष काटने पर मजबूर कर रहा है। उन्होंने लिखा है कि एक टन कागज तैयार करने के लिए लगभग 17 वृक्षों की बलि दी जाती है और आयकर विभाग आयकर विवरणीयों के साथ अवांछित दिशा निर्देश के नाम पर कागज बर्बाद कर रहा हैं। कागज के माध्यम से न केवल पेड़ काटे जा रहे हैं बल्कि छपाई के नाम पर करोड़ों-अरबों रूपये जनता के बर्बाद किए जा रहे हैं। उन्होंने लिखा है कि 5 पृष्ठीय (3 कागज) आयकर विवरणी फार्म 1 के साथ 3 कागज पर 5 पृष्ठीय इन्सट्रक्शन संलग्न हैं। 13 पृष्ठीय (7 कागज) फार्म 2 के साथ 6 कागज, 7 पृष्ठीय (4 कागज) फार्म 2 के साथ 6 कागज, 7 पृष्ठीय (4 कागज) फार्म 4 एस के साथ 8 कागज पर प्रकाशित 15 पृष्ठीय इंस्ट्रक्शन संलग्न हैं। जो लोग ये फार्म भरते हैं उनका 0.1 प्रतिशत व्यक्ति भी इन्हें नहीं पढ़ता। इसी प्रकार अन्य स्टेशनरी की स्थिति है। आयकर विभाग द्वारा बिना किसी उपयोग के देश के संसाधनों का दुरूपयोग किया जा रहा है तथा ऊर्जा-अपव्यय हो रहा है। गोयल ने मोदी को लिखे अपने पत्र में न केवल इस बर्बादी को रोकने की मांग की है बल्कि वित्त विभाग व प्रकाशन विभाग के उन अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की मांग की है जो इसके लिए उत्तरदायी हैं। वरिष्ठ आयकर व्यवसायी, पर्यावरणविद, वरिष्ठ नागरिक व सामाजिक कार्यकर्ता गोयल ने कई वर्ष पूर्व भी केन्द्र सरकार को इस विषय में पत्र लिखा था और जन जागरण अभियान में वर्षों से लगे हैं। विषय की जानकारी वित्त मन्त्री अरूण जेतली तथा पर्यावरण मन्त्री जावेड़कर को भी भेजी है।

संसद ठप करने के मामले में संज्ञान लेने की मांग

पल पल न्यूजः सिरसा, 10 दिसंबर। सिरसा के प्रतिष्ठित समाजसेवी वरिष्ठ आयकर व्यवसायी रमेश गोयल ने राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी व उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश टीएस ठाकुर को पत्र लिखा है। अपने पत्र में उन्होंने लिखा है कि संसद को राजनैतिक दलों ने युद्ध का मैदान बना लिया है और देश की प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा रहे हैं। जनता के धन को करोड़ों रूपये प्रति मिनट के हिसाब से बर्बाद कर रहे हैं। वर्ष 2015 में ही इस प्रकार से संसद में हंगामे के कारण कार्य न होने से अरबों रूपया बर्बाद को चुका है। न्यायालय आदि के निर्णयों के विरूद्ध अथवा संसद से सम्बन्धित विषय न होने पर भी संसद में हंगामा सामान्य बात होती जा रही है। उन्होंने लोकतन्त्र के इन दो प्रमुख स्तम्भों को अविलम्ब इस विषय में संज्ञान लेने का अनुरोध करते हुए लिखा है कि वे संसदीय कार्य न होने देने वाले सांसद को संसद प्रवेश पर रोक लगाने सहित वेतन व भत्ते न दिए जाने, जन प्रतिनिधित्व करने की बजाय पद का दुरूपयोग करने व निरन्तर ऐसा करने वाले को पुनः चुनाव न लड़ने के अयोग्य घोषित करने जैसे दिशा निर्देश जारी करके लोकतन्त्र की रक्षा के लिए तथा विश्व में भारतीय संसद की प्रतिष्ठा बचाने के लिए आवश्यक संज्ञान लें और जनता के संसदीय प्रतिनिधियों के विरूद्ध बढ़ते रोष पर विराम लगाएं।

रमेश गोयल अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से होंगे सम्मानित

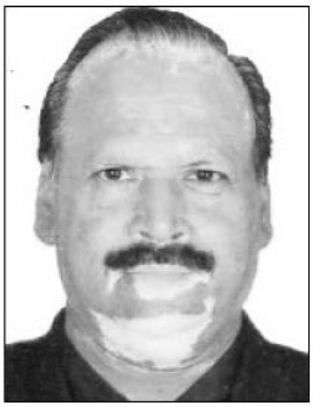

पल पल न्यूजः सिरसा, 22 जुलाई। पर्यावरण व जल संरक्षण अभियान चलाने वाले समाजसेवी एडवोकेट रमेश गोयल को ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस द्वारा अवार्ड ऑफ एक्सिलेंस से सम्मानित किया जाएगा। 'व्यक्तिगत उपलब्धि तथा राष्ट्र निर्माण' के थीम पर आधारित यह अवार्ड समारोह 27 जुलाई को सुबह साढ़े 10 बजे नई दिल्ली के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। रमेश गोयल को यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण तथा जल बचत के लिए चलाए गए अभियान में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए दिया जाएगा। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय टैक्सटाइल मंत्री अजय तमता रमेश गोयल को अवार्ड देकर सम्मानित करेंगे। गौरतलब है कि ऑल इंडिया एचिवर्ज कांफ्रैंस देश भर के ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष अवार्ड समारोह आयोजित करती है, जिसमें पर्यावरण, जल बचत, शिक्षा, समाजसेवा, पौधारोपण आदि के संबंध में उल्लेखनीय कार्य करते हों। इसके चेयरमैन डा. एचबी चतुर्वेदी, वाईस चेयरपर्सन डा. जानसी दरबारी हैं तो सलाहकार समिति में फिल्म अभिनेता सुरेश ऑबरोय, रजा मुराद, अनिल धवन, पेनाज मिसानी, राकेश बेदी, मुकेश रिशी, अवतार गिल, ज्यूरी सदस्यों में रजा मुराद, डा. केके कपूर, अनुराग, डा. जय मदान आदि शामिल हैं।

जल मित्र संगम कार्यक्रम में रमेश गोयल ने दिया जल बचत का संदेश

पल पल न्यूज़: सिरसा, 23 मई। जलधारा विकास संस्थान के तत्वावधान में जल संरक्षण हेतु कार्य करने वाले विशेषज्ञों की एक कार्यशाला 'जल मित्र संगम' का आयोजन भीलवाड़ा (राजस्थान) में 19 मई 2019 को किया गया।

कार्यक्रम में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराज उदासीन मुख्य अतिथि थे तथा अध्यक्षता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण रमेश गोयल ने की। भीलवाड़ा में बने हुए कुछ वर्षाजल संग्रहण (हार्वेस्टिंग) यूनिट्स का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया और चर्चा की गई। हरिसेवा संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के हाल में आयोजित संगम स्थल पर नगर के अनेक जल संरक्षण कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजस्थान के विभिन्न स्थानों से आए जल मित्रों के अतिरिक्त हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश आदि से भी जल संरक्षण कार्यकर्ता/मित्र विशेष रूप से पधारे थे तथा जल विभाग के अनेक अभियन्ता, सहायक अभियन्ता, जेई तथा अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। संगम में महेश नडवाल के स्वागत भाषण के बाद संगम के उद्देश्यों, आवश्यकता व लाभ पर जल स्टार रमेश गोयल ने जानकारी दी तथा मुख्य अतिथि स्वामी हंसराज जी ने जल की वर्तमान स्थिति पर अपने सम्बोधन में मनुष्य को अपना ही नहीं सभी जीवों के विनाश का कारण बताते हुए जल, वायु, वृक्षों की रक्षा का सन्देश दिया। इंजीनियर बीडी शर्मा, सेठ ने वाटर हार्वेस्टिंग के विषय में विस्तार से बताया व इन्दौर के राकेश चौरे ने वृक्षों व जल की महत्ता पर प्रकाश डाला। स्वदेशी जागरण मंच के राज कुमार चतुर्वेदी ने विदेशी पेय पेप्सी कोला जैसे उत्पादन में अधिक भूजल दोहन से जल स्तर गिरने की आंकड़ों सहित जानकारी दी और वृक्षारोपण की अपील की। केदार जलोटिया ने भीलवाड़ा में लगे सैकड़ों वर्षाजल संग्रहण सिस्टम के बारे में जानकारी दी। अन्त में कार्यक्रम अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल ने जल की कमी के कारणों सहित वर्षाजल संग्रहण की अनिवार्यता के बारे बताते हुए कहा कि इससे न केवल भूजल स्तर गिरने से रुकेगा बल्कि बढ़ने भी लगेगा। भूजल की गुणवत्ता बढ़ेगी वहीं सीवरेज ओवरफ्लो नहीं होंगे। पानी खड़ा रहने से टूटने वाली सड़कें टूटने से बचेंगी व लोगों को आने जाने में होने वाली परेशानी भी कम होगी।

सिटी समाचार

कन्हैया आश्रम में पहुंचे रवि फुटेला व उनका परिवार।

भाई कन्हैया आश्रम में मनाई दीपावली व जन्मदिन

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवंबर। भाई कन्हैया आश्रम में समाजसेवी रवि फुटेला ने अपने परिजनों के साथ दीपावली का पर्व और अपनी बेटी मीरा का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर फुटेला दम्पती ने अपने मित्रों और अन्य परिजनों के साथ भाई कन्हैया आश्रम में भव्य दीपमालिका की और आश्रम में रह रही निराश्रित महिलाओं व अन्य बच्चों में मिठाईयां व फल इत्यादि का वितरण किया। रवि फुटेला ने आम लोगों से भी अपील की कि नर सेवा नारायण सेवा है और सभी को खास मौकों पर जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

पुलिस कर्मियों की छुट्टी रद्द

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवंबर। बिना किसी साप्ताहिक अवकाश के 24 घंटे सातों दिन सुरक्षा में तैनात रहने वाले हरियाणा पुलिस के जवानों को इस बार भी अपनी बीवी और बच्चों के साथ दीपावली पर्व मनाने की अनुमति नहीं मिल पाई। शहर, गांव, कस्बों के साथ हर घर की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनको सौंपी गई है। आकस्मिक अवकाश के अलावा उनकी सभी छुट्टियों को रद्द कर दिया गया है। यानी बीवी बच्चों से कोसों दूर वह हमारी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

पर्व और पुलिस का नाता केवल इसी साल का नहीं है। पुलिस महकमा में नियमित रूप से नियुक्ति न होने के चलते पिछले कई वर्षों से लगातार कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। शेष बचे मुट्ठी भर पुलिस कर्मचारियों पर समाज की सुरक्षा का भार है। इस भार से पुलिस कर्मचारी दब गए हैं। रात दिन उनको ड्यूटियां करनी पड़ रही है। न कोई साप्ताहिक अवकाश न कोई पर्व। चुपचाप बेचारे पुलिस कर्मचारी ड्यूटियां करने को भी विवश हैं। अब तो पुलिस कर्मचारी इसे अपनी कार्यप्रणाली का अंग मानने लगे हैं। उनका कहना है कि उनकी ड्यूटी 24 घंटे की होती है यह सोचकर ही वह नौकरी कर रहे हैं। बीच में अगर कभी विभाग से छुट्टी मंजूर हो जाती है तो वह अपने परिवार से मिलने के लिए चले जाते हैं। समस्या तो तब आ खड़ी होती है जब गुड़गांव, सोनीपत, अंबाला जैसे जिले के कर्मचारी चाह कर भी अपने परिवार से मिल नहीं पाते। फोन पर केवल उनकी बातचीत ही होती रहती है। अब तो परिवार के लोग भी यही मानने लगे हैं कि वह इन पर्वों में किसी भी हालत में उनके साथ शामिल नहीं हो सकते।

15 नवंबर तक छुट्टी रद्द

विभाग की ओर से सभी कर्मचारियों की छुट्टी 15 नवंबर तक रद्द की गई है। इस तिथि के अंदर किसी भी कर्मचारी को आकस्मिक अवकाश के अलावा कोई अन्य छुट्टी नहीं दी जाएगी।

सीएम-राज्यपाल ने दी दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

पल पल न्यूज: चंडीगढ़, 10 नवंबर। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपों का यह त्योहार असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है जोकि भारतीय सभ्यता के उच्च आदर्शों और मूल्यों पर प्रकाश डालता है। उन्होंने कामना की है कि प्रकाश का यह पर्व प्रत्येक घर में समृद्धि व खुशहाली लेकर आए और विभिन्न समुदायों में शांति, भाईचारा और सौहार्द कायम रखे।

वहीं, हरियाणा एवं पंजाब के राज्यपाल और संघीय क्षेत्र चंडीगढ़ के प्रशासक प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने दीपावली के शुभ अवसर पर सभी नागरिकों के उज्ज्वल एवं समृद्ध भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि यह त्योहार सबके लिए खुशहाली व सम्पन्नता लेकर आए। प्रो. सोलंकी ने कहा है कि दीपावली का पावन पर्व मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन की याद दिलाता है और हमें इस दिन भगवान श्रीराम द्वारा स्थापित आदर्शों को अपनाने का संकल्प लेना चाहिए।

रस्म पगड़ी

बड़े दुखी हृदय से सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य श्री ईश कुमार मेहता का निधन दिनांक 31-10-2015 को हो गया। उनकी आत्मिक शांति के लिए रस्म पगड़ी दिनांक 12-11-2015, वीरवार को मुल्तानी धर्मशाला, चोपड़ो वाली गली, सिरसा में दोपहर 2 से 3 तक बजे होगी।

शोकाकुल परिवार

शंकर देवी (माता)
देवराज, सोमप्रकाश (भाई)
श्याम मेहता (भतीजा)
रामचंद इंद्र कुमार दुकान न. 42 अनाज मंडी सिरसा
93552-11472, 93549-58444
नोट: अलग से कार्ड नहीं भेजे जा रहे हैं।

दीवाली पर सड़क किनारे रखी मिठाईयों पर पड़ रही धूल

जर्दा रगड़ते व बीड़ी पीते हाथों से कर्मचारी बना रहे मिठाईयां

दीपक बिश्नोई

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवंबर। दीपावली पर्व पर मिठाईयों की बिक्री के लिए मिष्ठान भंडारों के संचालकों ने अपनी दुकानों के बाहर सड़क किनारे तक टैंट लगाकर मिठाईयों की सेज तैयार कर ली है। लेकिन इन मिठाईयों को बनाने और इसे बेचने तक की प्रक्रिया में कहीं भी साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। मिठाई संचालकों का एक ही मकसद है आमजन द्वारा की जाने वाली मिठाईयों की डिमांड को पूरा करना और इसके लिए वे मिठाईयों की गुणवत्ता तो क्या उन मिठाईयों को बनाने और उन्हें रखने के लिए भी स्वच्छता का ख्याल नहीं रखते। कर्मचारी भी बिना साबुन से हाथ धोए उन्हीं हाथों से मिठाईयां बनाते हैं, जिन हाथों में वे खैनी या जर्दा रगड़ते हैं, बीड़ी पीते हैं या लघुशंका करके आने के बाद बिना हाथ धोए ही फिर से मिठाई बनाने लग जाते हैं। अब आमजन जरा गौर करें कि हानिकारक किटाणुओं से भरे उन हाथों से बनाई गई मिठाई को खाने से आपके स्वास्थ्य पर कितना बुरा प्रभाव पड़ेगा। मिठाई बनाने के दौरान कर्मचारियों की ऐसी गतिविधियों की बात सोचकर ही घिन आने लग जाती है, तो इसे आमजन खा कैसे सकता है। इसके अतिरिक्त मिठाई बनाने के स्थान पर ही हजारों की संख्या में शौच व गंदगी आदि से लथपथ मक्खियां मंडराती रहती हैं और इन मिठाईयों पर बैठकर गंदगी के कण इन पर छोड़ देती हैं। यदि कोई ग्राहक अपनी आंखों के सामने मिठाई बनाने की प्रक्रिया, स्थान व गंदगी को देख ले तो जीवन में कभी भी मिठाई लेने व खाने से तौबा कर लेगा। एक और बात दीपावली पर्व पर मिष्ठान संचालकों ने सड़क किनारे तक टैंट लगाकर मिठाईयां सजाकर रख दी है। उनका मकसद राह चलते राहगीरों को अपनी मिठाईयों की ओर आकर्षित करना है। इस दौरान खुले में रखी मिठाईयों को जालीदार कपड़े से एक बार तो ढक दिया गया है, लेकिन जब खरीददारों की भीड़ एकत्रित हो जाएगी तो यह जालीदार कपड़ा भी स्वयं रूप से हटा दिया जाएगा, जिससे इन मिठाईयों पर गंदगी से लिपटी मक्खियां तो बैठती ही हैं साथ ही वाहनों से निकलने वाला कार्बन, लैड आदि हानिकारक गैसों के कण सहित उड़ने वाली मिट्टी भी इन्हीं मिठाईयों से जाकर चिपक जाती है। इन हानिकारक कार्बन, लैड, सीसा व मिट्टी के कणों से लिपटी मिठाई खाने से हमारी सेहत पर क्या असर पड़ेगा, इसका अंदाजा आप स्वयं लगा सकते हैं। हालांकि ये हमें दिखाई नहीं देते, लेकिन सच्चाई यही है कि उक्त कण मिठाई पर चिपकते हैं। इसका सबूत आप स्वयं एक उदाहरण के रूप में आजमा सकते हैं। किसी सड़क किनारे केवल 5 मिनट के लिए आप अपनी बाईक खड़ी कर दें। 5 मिनट बाद आप साफ देख सकेंगे कि आपकी बाईक की सीट पर कितनी मिट्टी पड़ी होगी। हालांकि सीट पर पड़ी मिट्टी को तो हम आसानी से कपड़े से हटा देते हैं और पानी से भी धो सकते हैं, लेकिन मिठाई से चिपके वाहनों की गैसों तथा मिट्टी के कणों को न तो हम देख सकते हैं, न उन्हें कपड़े से साफ कर सकते हैं और न ही मिठाई को पानी से धो सकते हैं। हम तो बस सीधा मिठाई खरीदते हैं और घर जाकर बच्चों के साथ खा लेते हैं, जो हमारी सेहत पर हानिकारक प्रभाव डालती हैं। अब हमारे पाठकों सहित आमजन को यह निर्णय लेना है कि इस दीवाली पर आप अपने थोड़े से मीठे के स्वाद के लिए 'जहर' से भरपूर ये मिठाईयां खरीदकर खाएंगे या सेहत की दृष्टि से लाभदायक सेब, केला, अनार, किन्नू, संतरा आदि फल या ड्राईफ्रूट जैसे काजू, बादाम, पिस्ता, अखरोट आदि को तरजीह देंगे। हालांकि कीमतें भी इनकी लगभग मिठाईयों के समान ही पड़ जाती हैं, लेकिन हमें यह जरूर सोचना होगा कि हमारे स्वास्थ्य से जरूरी पैसा नहीं है। हानिकारक मिठाईयां खाने से बीमार होंगे तो उससे कहीं अधिक पैसे चिकित्सकों को देने पड़ जाएंगे।

पटाखे फोड़ कर न करें वायु प्रदूषण: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवंबर। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण जल स्टार रमेश गोयल ने रेडियो स्टेशन एफएम 90.4 पर दीपावली पर्व व पटाखों के कारण होने वाली हानियों पर एक घंटे तक लाईव चर्चा की। उन्होंने कहा कि पटाखों के कारण प्रदूषण होता है, जिससे बच्चे, बुजुर्ग, पशु-पक्षियों को बेहद परेशानियां होती हैं। चूंकि एक ही दिन में बेहद जहर वातावरण में घुल जाता, जो बच्चों, बुजुर्गों व जानवरों के लिए बेहद हानिकारक होता है। इससे सांस रोग व चर्म रोग बढ़ता है, जो कि अस्थमा के रोगियों के लिए अगले कुछ दिन अभिशाप बन जाते हैं। पटाखों की तेज आवाज से ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है जो लाखों पक्षियों की मौत का कारण बनने के अलावा मानव जाति व गर्भवती महिलाओं के लोगों की सुनने की शक्ति को प्रभावित करता है। पटाखों से होने वाली आगजनी व जान माल की हानियों से सचेत करते हुए उन्होंने पटाखा रहित दीपावली मनाने की अपील की और कहा कि पटाखों पर खर्च किए जाने वाले धन को गरीबों की खुशियों पर लगा दें तो आप की खुशियां कई गुना बढ़ जाएंगी। इस अवसर पर अवतार सिंह नामधारी ने एंकरिंग की।

एफएम पर लाईव चर्चा में अपने विचार रखते रमेश गोयल।

बाल दिवस पर विजेता विद्यार्थी होंगे सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवंबर। जिला बाल कल्याण परिषद बाल भवन द्वारा 3 व 4 सितंबर को राष्ट्रीय चित्रकला प्रतियोगिता तथा 14 से 19 अक्टूबर तक बाल दिवस की प्रतियोगिताएं करवाई गई जिनमें विजेता प्रतिभागियों को पारितोषिक वितरण हेतु आगामी 14 नवंबर को बाल दिवस के अवसर पर पारितोषिक वितरण व सांस्कृतिक समारोह का आयोजन स्थानीय बाल भवन में किया जाएगा। जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश चाहर ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि एसडीएम परमजीत सिंह चाहल होंगे। उन्होंने बताया कि उपरोक्त प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाएगा।

अभय कुमार होंगे छत्रपति सम्मान 2015 से सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवंबर। साहित्यिक संस्था संवाद द्वारा छत्रपति सम्मान-2015 एसोसिएट (फैलो), समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान विकासशील, समाज अध्ययन पीठ (सी.एस.डी.एस), दिल्ली व निदेशक भारतीय भाषा कार्यक्रम अभय कुमार दुबे को दिया जाएगा। सम्मान समारोह शहीद पत्रकार छत्रपति की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में 22 नवंबर दोपहर बाद 12 बजे सिरसा के पंचायत भवन में आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में 'संवाद' की एक बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता 'संवाद' के अध्यक्ष परमानंद शास्त्री ने की। संस्था के सचिव डा. हरविंदर सिंह ने बताया कि पत्रकार रामचंद्र छत्रपति 21 नवंबर को शहीद हुए। उनकी स्मृति में 'संवाद' द्वारा छत्रपति सम्मान प्रत्येक वर्ष देश की किसी महान शख्सियत को दिया जाता है। इस बार सम्मान समारोह का आयोजन 22 नवंबर को होगा, जिसमें अभय कुमार दुबे को छत्रपति सम्मान-2015 दिया जाएगा। इसी के साथ संस्था संवाद की ओर से कुलदीप पुत्र, तुलाना के संपादक रवि कुमार को संवाद पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में 'साम्प्रदायिकताओं की होड़ और हमारी राजनीति' पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष कन्हैया कुमार शामिल होंगे, जबकि अध्यक्षता प्रख्यात चिंतक एवं सामाजिक कार्यकर्ता एवं कवयित्री शुभा करेंगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व छत्रपति सम्मान से ब्रिटेन में भारत के पूर्व राजनयिक एवं चिंतक पत्रकार कुलदीप नैयर, प्रख्यात लेखक विष्णु नागर, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नाटककार एवं रंगकर्मी प्रो. अजमेर सिंह औलख, ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त मूर्धन्य साहित्यकार प्रो. गुरदयाल सिंह व एनडीटीवी इंडिया के कार्यकारी संपादक रवीश कुमार को नवाजा जा चुका है। बैठक में 'संवाद' के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकरण चावला, सह सचिव वीरेन्द्र भाटिया, कार्यक्रम संयोजक अंशुल छत्रपति, गुरबख्श मोंगा, लेखराज ढोट, साहित्यकार सुरेश भारती, एवं सरपंच शिवराम सिंह आदि मौजूद थे।

हाल किराये के लिए खाली

25x60 का एक हाल डबवाली रोड पर होटल अरोमा इन के सामने किराए के लिए उपलब्ध है।

कोचिंग सैन्टर, इंस्टीट्यूट, रेस्टोरेंट, बैंक, फाईनेंस कम्पनी व ऑफिस के इच्छुक संपर्क करें।

मो.92541-01441

कमरे में गंभीरावस्था में मिला युवक, रैफर

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवम्बर। ऐलनाबाद क्षेत्र में अपने ही घर में बने कमरे में एक युवक गंभीरावस्था में मिला, जिसे परिजनों ने सुबह संभाला और अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचाया। ऐलनाबाद से प्राथमिक उपचार के बाद उसे सिरसा रैफर कर दिया गया। सिरसा से भी गंभीर हालत होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा रैफर कर दिया गया। फिलहाल युवक को चोटें किसने मारी और वह अपने कमरे में कैसे आया, अभी इन सवालों के जवाब युवक ही बता पाएगा। जानकारी अनुसार ऐलनाबाद निवासी सुखवीर पुत्र सुभाष, जोकि मजदूरी करता था। परिजनों के मुताबिक गत रात्रि को वह खाना खाने के बाद घर से चला गया। रोजाना वह कुछ देर बाद वापस आ जाता है। रात्रि को वह वापस नहीं आया, जिसके कारण उन्होंने कमरे का बाहरी दरवाजा खुला छोड़ दिया। उन्होंने सुबह जब कमरा खोला तो वह कमरे में घायलावस्था में बेसुध पड़ा था। उसके सिर में काफी चोटें थी और गले पर भी चोटों के निशान थे। उन्होंने तुरंत उसे उठाकर ऐलनाबाद अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सिरसा रैफर कर दिया गया। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है।

TAJ VATIKA
Opp. Hanuman Mandir, Hisar Road, Sirsa
- Conference, Kitty Party
- Birthday Party
- Ring Ceremony
- Fully AC Hall

Jaswinder Singh 99961-50118
Manmeet Singh 99962-94193

ध्यान-समाधि शिविर
15 नवंबर (सुबह 8 बजे से)
20 नवंबर (दोपहर) 2015
आचार्य : श्री ओशो ज्ञान अमृत जी
रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें:-
स्वामी बलदेव राज : 9992000099
स्वामी हरजिन्द्र जी : 9416787213
शिविर स्थल : ओशो ध्यान साधना केंद्र, अनुपम पैराडाइज, बरनाला रोड, नेजाडेला, सिरसा

तलवाड़ टैस्ट ट्यूब बेबी सैंटर
आधुनिकतम एवं बहतरीन तकनीक

IVF Package पर विशेष छूट
डॉ. दिव्या अग्रवाल तलवाड़
(गोल्ड मैडलिस्ट) एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Gynaecologist & Fellow in IVF
लेप्रोस्कोपिक सर्जन एवं बांझपन विशेषज्ञ
रेलवे ओवरब्रिज के नीचे, सिरसा, सम्पर्क सूत्र: 98963-40807, 01666-221729

प्लॉट कब्जाने को लेकर देवर ने भाभी को पिटवाया

पल पल न्यूज: सिरसा, 10 नवम्बर। [illegible]

कृप्या ध्यान दें

सर्दी का मौसम आरंभ हो चुका है। हमारे समाज में बहुत से ऐसे बच्चे हैं, जो कि गर्म कपड़ों के अभाव में सर्दी में ठिठुरते रहते हैं। आप अपने बच्चों के पुराने या छोटे हो गए गर्म वस्त्र निम्न पते पर जमा करवा सकते हैं ताकि उन्हें जरूरतमंद बच्चों में वितरित किया जा सके। वस्त्र देते समय कृप्या इस बात का विशेष ध्यान रखें कि वस्त्र फटा या उधड़ा हुआ न हो। यदि वस्त्र का बटन या जिप आदि खराब है तो कृप्या उसे ठीक करवाकर अच्छे ढंग से दें ताकि जिस भी जरूरतमंद बच्चे को यह मिले तो वे उसका उपयोग कर सकें।

विनीत

गीता कथूरिया, निदेशिका,
चाईल्ड लाईन, सिरसा।
पता: दिशा केंद्र, हिसार रोड, सिरसा।
088138-80888
01666-243735

भाविप 'भामाशाह' के पौधोरोपण को सराहा

उदयपुर, 21 नवम्बर। भारत विकास परिषद् भामाशाह के तत्वावधान में शुक्रवार को एमडीएसउमाविद्यालय, सेक्टर 3 परिसर में भारत विकास परिषद् के राष्ट्रीय महासचिव एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय दत्ता ने अशोक का पौधा रोप कर पौधारोपण कार्यक्रम शुरू किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नेशनल वाईस चेयरमैन डॉ.एमजी वार्ष्णेय ने की विशिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय संयोजक डॉ.बीएल हीरावत व प्रांतीय अध्यक्ष डॉ.जयराज आचार्य थे। दत्ता ने कहा कि मानवता को बचाने के लिए पौधारोपण जरूरी है, क्योंकि ज़िंदा रहने के लिए ऑक्सीजन आवश्यक है। जो पौधे ही प्रदान करते हैंए साथ ही पेड़ जहरीली कार्बन डाई ऑक्साइडष् को सोख लेते हैं। अत:प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य है कि वह अपने जन्म दिन परं एक पौधा अवश्य लगावे व उसकी परवरिश करे, उन्होंने इस वर्ष उदयपुर शहर में चलाये गये ट्री गार्ड में पौधारोपण कार्यक्रम की सराहना की। प्रारम्भ में शाखा अध्यक्ष वाई.के.बोलिया, संरक्षक यशवंत सोमानी एवं एम्.डी एस के ट्रस्टी रमेश सोमानी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रमका संचालन निधि महेश्वरी ने किया। धन्यवाद पुष्पा सोमानी ने दिया।

60 की उम्र में उठाया जल बचाने का बीड़ा

- जल बचत अभियान का नाम बन गया रमेश गोयल
- ट्रेन हो या फिर बस बात सिर्फ जल बचत की

हरिभूमि न्यूज. हिसार

शहर के आयकर व्यवसायी रमेश गोयल एक दशक से जल बचत अभियान का नाम बन गया है। पर्याय है जल संरक्षण कार्य का, मिशन है जल संबंधी जन जागरण का। समाचार पत्रों में जल संकट के लेख पढ़ते पढ़ते रमेश गोयल ने सोचा कि इस संभावित भयावह स्थिति से बचाने में देश व समाज के लिए ''मैं क्या कर सकता हूं'' और 2008 में 60 वर्ष की आयु में लग गए ''जल बचत जागरुकता अभियान'' में। देश की लगभग 250 शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जा कर विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से तथा 35-40 लाख लोगों को टीवी, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से जल बचत हेतु प्रेरित कर चुके हैं। 2.5 लाख विज्ञप्तियां विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से उनके परिवारों में वितरित कर चुके हैं।

2 गुणा 3 फुट के 700 से अधिक जल बचत प्रेरक बैनर शिक्षण संस्थानों, मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर लगवा चुके हैं और निरंतर लगवाए जा रहे हैं। आयकर व्यवसायी रमेश गोयल को जल

बचत की इतनी धुन सवार हुई कि उन्होंने जल चालीसा ही लिख डाली और उनकी अब तक छः संस्करणों में 30 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। फेसबुक पर ग्रुप शेयरिंग के माध्यम से 5 लाख से अधिक लोगों को 'जल चालीसा' भेजी और हजारों लोगों को ई-मेल की है। 'जल ही जीवन है' को मिशन मान रहे गोयल जल बचत जागरुकता प्रचार के लिए हर समय व हर स्थान पर पहुंचने को तत्पर रहते हैं। संस्था ने जल संरक्षण के प्रति उनकी लग्न को देखते हुए 2011 में जल स्टार अवार्ड से सम्मनित किया। दिसम्बर 2011 में केंद्रीय भू-जल बोर्ड की सात सदस्यीय जिला सलाहकार कमेटी का एक मात्र गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किया गया। मई 2015 में हरियाणा की सामाजिक संस्था अखिल भारतीय प्रतिमा रक्षा सम्मान समिति द्वारा 'डायमंड आफ इंडिया अवार्ड' से सम्मानित किया गया। अक्टूबर 2015 में राजस्थान की प्रतिष्ठित संस्था प्राइम टाइम इंडिया द्वारा सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड' दिया गया। रमेश गोयल ने अपने आप को केवल अपने शहर, जिला व प्रदेश तक ही इस अभियान को लेकर सीमित नहीं रखा, बल्कि देश के जिस भी कोने में जाने का मौका मिला, जल संकट के प्रति उनका दर्द वहां भी देखने को मिला और दूसरे प्रदेशों में भी वे इस मशाल को लेकर आगे बढ़े। हरियाणा व दिल्ली ही नहीं बल्कि गोहाटी जाते हुए राजधानी एक्सप्रेस हो या चैन्नई जाते दुरंतो एक्सप्रेस या उज्जैन के लिए उज्जैई एक्सप्रेस, वाराणसी शिवगंगा हो या दिल्ली-सिरसा किसान एक्सप्रेस, गोहाटी-दिल्ली हवाई यात्रा हो या चेन्नई-दिल्ली, जल बचत विज्ञप्तियां व जल चालीसा बांटने में गोयल कभी भी नहीं चूकते। गोयल रामेश्वरम् गए वहां भी होली आइसलैंड मैट्रीकुलेशन स्कूल तथा केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों को जल बचत की अनिवार्यता बताई।

मैट्रो ट्रेन में भी बांट दिए 20 जल चालीसा

शहर में जल स्टार के नाम से फेमस रमेश गोयल की जल संकट के प्रति आमजन को किए जा रहे जागरुकता की मशाल निरंतर आगे बढ़ रही है। 22 अप्रैल को दिल्ली गए रमेश गोयल ने मैट्रो में भी चलते-चलते 20-22 जल चालीसा बांट दिए। रमेश गोयल का कहना है कि उन्हें इस बात की कतई झिझक नहीं है कि वे ट्रेन में दूसरे प्रदेशों में सफर करते हुए अनजान व्यक्ति को भी जल संकट के प्रति अवगत करवा रहे हैं। उनका मानना है कि किसी भी काम को आगे बढ़ाने के लिए केवल आम जनमानस की एक बार मशाल हाथ में पकड़वाने की जरूरत है फिर उसकी लौ निरंतर जलने से कोई नहीं रोक सकता।

की तुलना में आईएसआईएस तबाही मचाने की गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने में कहीं आगे है।

चेयरमैन ने 200 रुपए पेपर लेने व जमा

वरूण देवता का अपमान न करें : पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 4 मार्च। शान्तिनगर सिरसा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में बोलते हुए पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल ने उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया कि कथा सहित हर धार्मिक अनुष्ठान का शुभारम्भ कलश पूजन से होता है। वास्वत में यह पूजा कलश में भरे हुए जल की होती है। यानि जलपति के रूप में वरूणदेव की पूजा की जाती है और दूसरी ओर हम दिनभर पानी बर्बाद करके वरूण देव का अपमान करते रहते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों विशेषकर मातृ शक्ति से अपील की कि पाइप लगाकर फर्श न धोएं, कपड़े धोते समय व बर्तन साफ करते समय अधिक पानी बर्बाद करना, टुंटी खुली चलने देना आदि प्रत्यक्ष रूप से वरूण देव का अनादर है। ऐसा न करें। उन्होंने जल की कमी के बारे में बताया कि केपटाऊन (साउथ अफ्रीका) में पानी राशन में मिलने लगा है वहीं आस्ट्रेलिया में पानी की कमी के कारण 5000 ऊंटों को गोली से मार दिया गया है क्योंकि ऊंट पानी बहुत पीता है। भारत में लातुर और चेन्नई में पानी खत्म होने व रेल टैंकरों द्वारा पानी सप्लाई करने की स्थिति बताते हुए उन्होंने चेताया कि यह न समझें कि हमारे यहां ऐसा नहीं हो सकता।

अधिकतर भूजल ब्लाक डार्कजोन में जा चुके हैं और यदि हम पानी ऐसे ही बर्बाद करते रहे तो हमारी आने वाली पीढ़ी को टुंटी खोलते ही पानी नहीं मिलेगा। पानी के बिना जीवन सम्भव नहीं है इसलिए जल बर्बाद न करने का संकल्प करें। गोलोक वासी स्वामी धर्मदेव (वृन्दावन वाले) के शिष्य कथा व्यास स्वामी जयदेव जी महाराज ने गोयल का अभिनन्दन किया और उनके इस प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा पंडित राजकुमार ने जन समस्या के प्रति जागरूक करने के लिए आभार व्यक्ति किया।

GILL HOSPITAL

की तुलना में आईएसआईएस तबाही मचाने की गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने में कहीं आगे है।

चेयरमैन ने 200 रुपए पेपर लेने व जमा

वरूण देवता का अपमान न करें : पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 4 मार्च। शान्तिनगर सिरसा में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में बोलते हुए पर्यावरण प्रेरणा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल ने उपस्थित श्रद्धालुओं को बताया कि कथा सहित हर धार्मिक अनुष्ठान का शुभारम्भ कलश पूजन से होता है। वास्वत में यह पूजा कलश में भरे हुए जल की होती है। यानि जलपति के रूप में वरूणदेव की पूजा की जाती है और दूसरी ओर हम दिनभर पानी बर्बाद करके वरूण देव का अपमान करते रहते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों विशेषकर मातृ शक्ति से अपील की कि पाइप लगाकर फर्श न धोएं, कपड़े धोते समय व बर्तन साफ करते समय अधिक पानी बर्बाद करना, टुंटी खुली चलने देना आदि प्रत्यक्ष रूप से वरूण देव का अनादर है। ऐसा न करें। उन्होंने जल की कमी के बारे में बताया कि केपटाऊन (साउथ अफ्रीका) में पानी राशन में मिलने लगा है वहीं आस्ट्रेलिया में पानी की कमी के कारण 5000 ऊंटों को गोली से मार दिया गया है क्योंकि ऊंट पानी बहुत पीता है। भारत में लातुर और चेन्नई में पानी खत्म होने व रेल टैंकरों द्वारा पानी सप्लाई करने की स्थिति बताते हुए उन्होंने चेताया कि यह न समझें कि हमारे यहां ऐसा नहीं हो सकता।

अधिकतर भूजल ब्लाक डार्कजोन में जा चुके हैं और यदि हम पानी ऐसे ही बर्बाद करते रहे तो हमारी आने वाली पीढ़ी को टुंटी खोलते ही पानी नहीं मिलेगा। पानी के बिना जीवन सम्भव नहीं है इसलिए जल बर्बाद न करने का संकल्प करें। गोलोक वासी स्वामी धर्मदेव (वृन्दावन वाले) के शिष्य कथा व्यास स्वामी जयदेव जी महाराज ने गोयल का अभिनन्दन किया और उनके इस प्रयास की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा पंडित राजकुमार ने जन समस्या के प्रति जागरूक करने के लिए आभार व्यक्ति किया।

GILL HOSPITAL

वारी व अन्य मौजूद थे।

जल जागरूकता रैली अप्रैल में : पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 5 मार्च। पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, प्लास्टिक मुक्त राष्ट्र व स्वच्छता को समर्पित राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा के तत्वावधान में अप्रैल 2020 के तीसरे सप्ताह में सिरसा में एक जल संरक्षण जागरूकता रैली निकालने का निर्णय किया गया है जिसके संयोजक व कार्यक्रम अध्यक्ष रहेंगे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल। संस्था की सिरसा शाखा के प्रधान नरेन्द्र सिंह धींगड़ा व सचिव सन्दीप खुराना ने यह जानकारी देते हुए बताया कि अलग अलग विद्यालयों के विद्यार्थी नगर के विभिन्न बाजारों भादरा बाजार, हिसारिया बाजार, चान्दनी चौक, थाना बाजार, सदर बाजार, सरकुलर रोड़ से आने वाले विद्यार्थी इसमें मिलते जायेंगे और रोड़ी बाजार पुरानी सब्जी मंडी होते हुए जल संरक्षण व पर्यावरण का सन्देश देते हुए यह विशाल समूह नेहरू पार्क पहुंचेगा जहां नगर के प्रबुद्ध लोग इनका स्वागत करेंगे। जनसभा में जल का महत्व, अनिवार्यता, कमी के कारणों, बर्बादी कैसे और बचत के उपायों पर चर्चा करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर जल संरक्षण पर कार्य कर रहे कुछ अन्य विशेष लोगों को भी इस रैली में आमन्त्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि यह रैली एक स्थाई जागरूकता अभियान बन जाये। उन्होंने जिलावासियों से इसमें भागीदारी करने की अपील की तथा बताया कि मोबाइल 9416049757 पर सम्पर्क करके इस जन जागरण अभियान में तन मन धन से सहयोग कर सकते हैं।

रंगो के त्यौहार को बदरंग न होने दें : पर्यावरण प्रेरणा

पल पल न्यूज: सिरसा, 6 मार्च। होली के पावन अवसर पर रंगों के त्यौहार की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए राष्ट्रीय संस्था पर्यावरण प्रेरणा ने कैमिकल युक्त रंगों व गुलाल से बचने का आग्रह किया है। रंग जहां चमड़ी के लिए घातक हैं वहीं पर्यावरण के भी दुश्मन हैं। थोड़ा थोड़ा सा रंग उतारने के लिए बहुत बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो जाता है जो पूरे देश में करोड़ों लीटर होता है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष जल स्टार रमेश गोयल ने देशवासियों से अपील की है कि गुलाल तिलक होली व फूलों से होली खेलकर मिलन समारोह मनाएं। त्यौहार मनाएं व मन का मैल उतारकर उसमें खुशियों के रंग भरें परन्तु कट्टरवादिता व परम्परा के नाम पर पर्यावरण को हानि न पहुंचाएं। कोरोना वायरस नामक घातक व जानलेवा रोग से बचने के लिए भी रंगों से परहेज लाभदायक है। सुरक्षा हटी दुर्घटना घटी का ध्यान रखते हुए चायनीज रंग, पिचकारी आदि के प्रयोग करने से बचें। खुशियां मनाएं खुश रहें की शुभकामनाओं के साथ। गोयल ने कहा कि बचाव में ही बचाव है और निजी, अपने परिजनों व मित्रों के स्वास्थय का ध्यान रखें।

लाख से अधिक विद्यार्थियों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से जागरूक किया गया है। टीवी चैनलों, दूरदर्शन केन्द्र हिसार तथा रेडियो स्टेशन एफएम 90.4 से जल उर्जा बचत पर वार्ता अनेक बार प्रसारित की गई है। अगस्त 2015 में डीडी न्यूज दिल्ली तथा डीडी किसान चैनल पर जल चलीसा के विषय में प्रसारण किया गया। अब तक 25-30 लाख लोग सन्देश पढ़, सुन व देख चुके हैं। जल संबन्धित दो लाख से अधिक विज्ञप्तियां भी वितरित की जा चुकी हैं और 2'x3' के 650 से अधिक प्रेरक बैनर नगरों व ग्रामीण क्षेत्रों में लगाये गए हैं। पानी बचत सम्बंधी पूर्ण जानकारी सहित 'बिन पानी सब सून' शीर्षक अन्तर्गत 6000 पुस्तकें भी प्रकाशित की गई हैं। पुस्तक विमोचन 8 मई 2010 को राज्यपाल, हरियाणा के कर कमलो द्वारा किया गया। फेसबुक, लिंकड-इन व इ-मेल के माध्यम से देश दुनिया को जल-उर्जा संरक्षण सन्देश दिया जा रहा है और ग्रुप शेयरिंग व ईमेल द्वारा लगभग छह लाख से अधिक लोगों तक जल-चालीसा पहुंचा चुके हैं। मई 2012 में एक वेबसाईट

पृथ्वी की देन जल और वायु जैसे तत्वों का दुरुपयोग न करें : डॉ. कायत

पर्यावरण एवं जलसंरक्षण प्रेरणा संस्था एवं भारत विकास परिषद के सौजन्य से स्कूली छात्र-छात्राओं ने शहर में निकाली जागरुकता रैली

डबवाली केसरी (सिरसा)।
हमारी पृथ्वी पर जल और वायु दो ऐसे तत्व हैं जिससे हमारा जीवन चलता है और इन्हीं तत्वों का दुरुपयोग अधिक होने से हमें नुकसान भी होता है। हमारा कर्तव्य है कि प्रकृति द्वारा दी गई इन चीजों का संरक्षण करना चाहिए।
उक्त विचार चौ. देवी लाल विश्वविद्यालय के कुलपति डा. विजय कायत ने बृहस्पतिवार को स्थानीय टाउन पार्क में पर्यावरण एवं जलसंरक्षण के लिए प्रेरणा संस्था एवं भारत विकास परिषद के सौजन्य से विवेकानंद बाल विद्या मंदिर, जैन स्कूल, आर.के.पी. सीनीयर सैकेंडरी स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा शहर में निकाली जाने वाली जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने से पूर्व व्यक्त किए।
उन्होंने कहा कि पर्यावरण एवं जलसंरक्षण में सामाजिक संस्थाओं का विशेष योगदान होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से इन संस्थाओं ने जागरुकता रैलियां निकाल कर समाज को संदेश देने का जो कार्य कर रहे हैं वह एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि बच्चे इन चीजों को जल्दी समझ लेते हैं और वे लोगों तक इस संदेश को पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। बच्चों के द्वारा दिया गया संदेश आने वाली पीढ़िया इन चीजों को बनाए रखने में कारगर सिद्ध होती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे भारत वर्ष में आयोजित किए जाने चाहिए। दिन प्रतिदिन जल कम होता जा रहा है। इसका दुरुपयोग हो रहा है। पर्यावरण दूषित हो रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और उन पेड़ पौधों का संरक्षण भी बच्चे के पालन की तरह करना चाहिए। उन्होंने सिरसा वासियों को बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरुक करने का जो बीड़ा विभिन्न संस्थाए उठा रही हैं, यह एक सराहनीय कदम है। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी रमेश गोयल ने कहा कि जल ही जीवन है। उन्होंने जल बचाने के लिए एक मिशन के रुप में कार्यक्रम शुरु किया हुआ है। उन्होंने कहा कि जल बचाने के साथ-साथ स्वच्छता भी हमारे जीवन का एक अंग है। पर्यावरण स्वच्छ तभी होगा जब अधिक पेड़ पौधे लगेंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में जल संरक्षण को अपनाना चाहिए और जल बचाने के लिए भरसक प्रयास करना चाहिए। गांव में नल पर बहते हुए जल को रोकना चाहिए। हम सबका कर्त्तव्य है कि अधिक से अधिक पेड़ पौधे भी लगाएं जिनसे पर्यावरण स्वच्छ और सुंदर हो, हमारा स्वास्थ्य भी स्वच्छ रहे।
उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा निकाली जाने वाली जागरुकता रैली टाउन पार्क से गीता भवन रोड़, हिसारिया बाजार होती हुई नेहरु पार्क पहुंची। इस दौरान बच्चों द्वारा जल बचेगा, जीवन बचेगा, जल बचत संकल्प हमारा, पर्यावरण बचाएंगे पेड़ हम लगाएंगे। बूंद-बूंद से घट भरता है, पानी भी बचाएंगे-बिजली भी बचाएंगे, आओ हम संकल्प करें-पेड़ जरुर लगाएंगे, टूंटी कभी न खुली छोड़े-पाईप लगा कर फर्श न धोएं, जल नहीं तो कल नहीं, जल बर्बाद नहीं करेंगे-नहीं करेंगे, खुले मे कूड़ा नहीं डालेंगे, हम सुधरेंगे-जग सुधरेगा, कागज बचेगा-पेड़ बचेगा आदि के गगनभेदी नारे लगा कर बच्चों ने लोगों को जागरुक किया। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. आर.एस. सांगवान, आनंद बियानी, मक्खन लाल गोयल, शिव कुमार मित्तल, डॉ. गुलाब, कैलाश देवी, सुभाष शर्मा, सुरेंद्र जोशी, सुंदर ग्रोवर, कमल रेलन एडवोकेट सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं स्कूलों के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

M. : 098158-23309, 098147-23309
M/s. Swarn Petro Point
Chander Mohan
NH-64, Bathinda-Dabwali Road, Vill. Doomwali (Pb.)
शुद्ध डीजल हरियाणा से लगभग 1/- रू. प्रति लीटर सस्ता

Prop. : Manish Wason M. 93572-57000
e-mail : wasonflex@gmail.com
WASON FLEX
हमारे यहां पर हर प्रकार के फ्लैक्स उचित दामों पर बनवाने के लिए सम्पर्क करें।
Best Quality Material Used, Design As Per Customer Requirement
Banner Flex Board Big Size Hordings
Near Punjab Bus Stand, G.T. Road, MANDI KILLIANWALI (Pb.)

मदन लाल गुप्ता (सुपुत्र स्व. श्री साधु राम गर्ग) मो. 94161-44311
सुमित कुमार गुप्ता मो. 093163-44311 मो. 093569-04977
गुप्ता स्वीट्स कॉर्नर
नजदीक अग्रवाल धर्मशाला एवं पुरानी पुलिस चौकी, गोल बाजार मंडी डबवाली (सिरसा)
यहां पर हर प्रकार की शुद्ध व स्वादिष्ट मिठाईयां एवं ताजा दूध, देसी घी, खोया मक्खन, पनीर व क्रीम हर समय तैयार मिलती हैं।
नोट : विवाह, शादियों व पार्टियों के लिए आर्डर बुक किए जाते हैं

अलविदा विनोद खन्ना : नहीं रहे बॉलिवुड के हैंडसम हीरो

डबवाली केसरी (मुंबई)।
मशहूर बॉलिवुड स्टार विनोद खन्ना का निधन हो गया है। 70 वर्षीय खन्ना कैंसर से पीड़ित थे। हाल ही में उनकी एक तस्वीर वायरल हुई थी, जिसमें वे बेहद कमजोर नजर आ रहे थे। विनोद खन्ना ऐक्टिंग के अलावा राजनीति में भी सक्रिय थे। गुरदासपुर से सांसद खन्ना ने मुंबई के रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में अंतिम सांस ली।
विनोद खन्ना को बीती 31 मार्च को मुंबई स्थित सर एच.एन. रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था।
हालांकि, अस्पताल प्रशासन की ओर से यही कहा गया था कि खन्ना के शरीर में पानी की कमी हो गई है। विनोद खन्ना के दो बेटे अक्षय खन्ना और राहुल खन्ना हैं, जो बॉलिवुड में सक्रिय हैं।

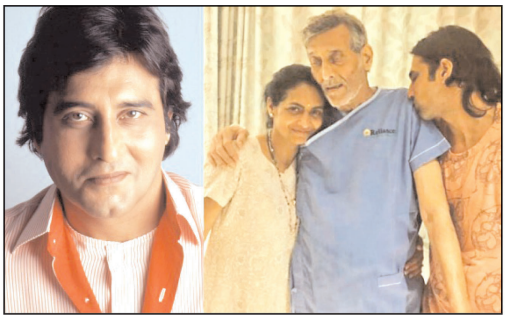

बॉलिवुड में एंट्री :
खन्ना ने अभिनय की शुरुआत 1968 में फिल्म 'मन का मीत' से की। इसके साथ ही उन्हें 'मेरे अपने', 'मेरा गांव मेरा देश', 'इम्तिहान', 'इनकार', 'अमर अकबर एंथनी', 'लहू के दो रंग', 'कुर्बानी', 'दयावान' और 'जुर्म' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है। वह आखिरी बार 2015 में शाहरुख खान की फिल्म 'दिलवाले' में नजर आए थे।
निगेटिव किरदारों से शुरुआत :
उनका जन्म सन् 1946 में पाकिस्तान के पेशावर में हुआ था। विनोद खन्ना अपने वक्त में सबसे हैंडसम अभिनेताओं में गिने जाते थे। उन्होंने कई ब्लॉक बस्टर फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत नकारात्मक किरदारों से की।
बाद में वह मुख्यधारा के हीरो बन गए। उन्होंने सुनील दत्त की 1968 में आई फिल्म 'मन का मीत' में विलेन का किरदार निभाया।
शुरुआत के दिनों में वह सह अभिनेता या विलेन के रोल में ही नजर आए।
ये फिल्में थीं :
पूरब और पश्चिम, सच्चा झूठा, आन मिलो सजन, मस्ताना, मेरा गांव मेरा देश, ऐलान आदि।
परवरिश से मिला बड़ा ब्रेक :
सन् 1977 में अमिताभ बच्चन के साथ की गई फिल्म 'परवरिश' ने उन्हें बड़ा ब्रेक दिलाया। पहली बार इसी फिल्म से उन्होंने स्टारडम का स्वाद चखा।
विनोद खन्ना को 1971 में पहली सोलो लीड फिल्म 'हम तुम और वो' मिली।
बाद में गुलजार के 'मेरे अपने' में शत्रुघ्न सिन्हा के अपोजिट निभाए गए उनके किरदार को आज भी लोग याद करते हैं।
गुलजार की ही फिल्म 'अचानक' में मौत की सजा पाए आर्मी ऑफिसर का किरदार निभाने के लिए भी उन्हें काफी तारीफ मिली।
बाद में अमिताभ के अपोजिट हेराफेरी, खून पसीना, अमर अकबर एंथनी, मुकद्दर का सिकंदर में भी उन्होंने यादगार रोल निभाया।
तो अमिताभ पर पड़ते भारी :
कहा जाता है कि अगर विनोद खन्ना ओशो के आश्रम न जाते तो आने वाले वक्त में वह अमिताभ बच्चन के स्टारडम को फीका कर देते। बहुत कम लोग ही जानते हैं कि विनोद खन्ना की सबसे हिट फिल्मों में से एक 'कुर्बानी' का रोल पहले अमिताभ बच्चन को ही ऑफर किया गया था। उन्होंने यह रोल ठुकरा दिया, जिसके बाद विनोद खन्ना ने यह किरदार निभाया।
बाद में विनोद को 'रॉकी' फिल्म ऑफर की गई, लेकिन उन्होंने यह फिल्म नहीं की।
इस फिल्म से संजय दत्त ने बॉलिवुड में एंट्री ली थी।

रसोई रेस्टोरेंट
नजदीक चौधरी पेट्रोल पम्प, डूमवाली (पंजाब)
* ब्रेक फास्ट * लन्च * डिनर
Fully A.C. Hall
किट्टी पार्टी, बर्थ-डे पार्टी व अन्य कार्यक्रमों के लिए कैटरिंग की विशेष व्यवस्था है।
Paytm accepted here.
संपर्क सूत्र: कौशल सिडाना मो. 93155-39005, 94670-28662

रिश्ते ही रिश्ते रिश्ते ही रिश्ते रिश्ते ही रिश्ते
भूषण कुमार गर्ग (98132-75922 70271-75922
बी.के. मैरिज ब्यूरो
कालांवाली

www.savewatersavelife.com भी जल बचत सन्देश के लिए आरम्भ की है। Water Portal India (Hindi) पर, फेसबुक पेज www.facebook.com/rameshgoyalsrs तथा उपरोक्त वैबसाईट में भी जल चालीसा उपलब्ध है। अनेक पत्र-पत्रिकओं ने भी यह जल चालीसा प्रकाशित किया है। तदनुसार स्वयं जल व उर्जा बचाएं व पौधारोपण करें तथा दूसरों को प्रेरित करें। निवेदन है कि ''जल चालीसा'' का मनन करते हुए आप इसके व्यवहार पक्ष को अपना कर अनुगृहीत करें। यदि आप इसकी प्रतियां छपवाकर वितरित करना चाहें तो कृपया सम्पर्क करें : टाईटल व जल चालीसा में कोई परिवर्तन मान्य नहीं होगा। **रमेश गोयल,** मो॰ 09416049757
ई-मेल : rameshgoyalsrs@gmail.com © सर्वाधिकार लेखक

प्रथम संस्करण मार्च 2012 : 5,000 मार्च 2015 तक : 25,000
छठा संस्कारण अगस्त 2015 : 5,000 **मूल्य पाँच रुपये**

खुशियों का जैकपॉट
BAJAJ MOTORCYCLES

आज ही आइये आपके अपने शो-रूम डबवाली आटोज पर और घर ले जाएं
Platina सिर्फ 6999*
मासिक किश्त 2223 x 24
*अच्छी माईलेज *कम से कम ब्याज दर *आसान किश्तों पर
सम्पर्क करें :-
डबवाली आटोज
*नियम व शर्तें लागू
नजदीक वाटर वर्क्स, सिरसा रोड, मंडी डबवाली
Mob. 94682-38600, 94665-49420, 94677-36684

यात्री दल की वापसी पर जमकर नाचे श्रद्धालु

डबवाली केसरी (ओढ़ां)। सालासर यात्री संघ ओढ़ां का 15 सदस्यीय यात्री दल के सालासर धाम, पंचमुखी बालाजी धाम और अग्रोहा धाम की यात्रा के उपरांत वापिस ओढ़ां लौटने पर श्रद्धालुओं ने संघ सदस्यों का स्वागत भजनों की धुन पर नाच कर किया। संघ के प्रधान मास्टर हरीराम गोयल ने बताया कि गुरू पूर्णिमा के अवसर पर सालासर धाम, माता अंजना मंदिर और श्रीराम जानकी मंदिर में धोक लगाई तथा वापसी पर अग्रोहा धाम के दर्शन किए।

अग्रोहा विकास ट्रस्ट अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने अग्रोहा धाम पहुंचने पर सालासर यात्री संघ के सदस्यों का स्वागत करते हुए पूरे संघ को अग्रोहा धाम में आगामी 5 अक्टूबर को आयोजित होने वा 36 वें वार्षिक मेले व सम्मेलन में भाग लेने को आमंत्रित किया। इस अवसर पर संघ सदस्यों ने कुलदेवी माता महालक्ष्मी के भव्य मंदिर के दर्शन भी किए। इस मौके पर प्रधान हरीराम गोयल, उपप्रधान सुरेंद्र बांसल, सतीश गर्ग, सुधीर सैन, राजेश गोयल, विनोद गोयल, राधेश्याम गोयल, जगरूप नूपी, हरजीत तगड़, राधेशाम कांसल, अमनदीप गोरीवाला, प्रेम कुमार, अमृतपाल, शंटी गोयल, रविदास मौजूद थे।

DHFL Changing Rules Changing Lives HOME LOANS Ghar Jaisa Loan
ਹੋਮ ਲੋਨ
DEWAN HOUSING FINANCE LTD.
ਇਨਕਮ ਟੈਕਸ ਦੀ ਛੂਟ
ਘੱਟ ਵਿਆਜ ਦਰ

बड़े लोन की भी सुविधाएं उपलब्ध :
इंडस्ट्री प्लांट, अस्पताल, फैक्ट्री, स्कूल, मैरिज पैलेस एवं मेडिकल उपकरण।
ਲੋਨ ਦੀ ਸੁਵਿਧਾਵਾਂ
- ਘਰ ਖਰੀਦਣ
- ਦੂਸਰੀ ਬੈਂਕ ਦਾ ਟੇਕ ਉਵਰ + ਟਾਪ ਅਪ
- ਘਰ ਦੀ ਮੁਰੰਮਤ
- ਪਲਾਂਟ ਖਰੀਦਣ ਲਈ ਅਤੇ ਬਣਾਉਣ ਲਈ
- ਬਣੇ ਹੋਏ ਮਕਾਨ ਤੇ
- 30 ਸਾਲ ਤੱਕ ਦੀ ਲੋਨ ਸੁਵਿਧਾ
NRI ਹੋਮ ਲੋਨ ਸੁਵਿਧਾ
ਲੋੜੀਦੇ ਕਾਗਜ਼ ਪੱਤਰ
ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਲਈ
3 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਤਨਖਾਹ ਦੀ ਰਸੀਦ, F-16 ਪੈਨ ਕਾਰਡ, ਆਈ.ਡੀ. ਕਾਰਡ, 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਬੈਂਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ, ਘਰ ਦਾ ਪਰੂਫ, 3 ਫੋਟੋ ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਦੇ ਕਾਗਜ਼ਾਤ ਆਦਿ
ਬਿਜਨੈਸਮੈਨ ਲਈ
3 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀਆਂ ਰੀਟਰਨਾਂ, ਪੈਨ ਕਾਰਡ, 6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਦੀ ਬੈਂਕ ਸਟੇਟਮੈਂਟ, ਘਰ ਦਾ ਪਰੂਫ, 3 ਫੋਟੋ, ਪ੍ਰਾਪਰਟੀ ਦੇ ਕਾਗਜ਼ਾਤ ਆਦਿ
Authorised by :
DEWAN HOUSING FINANCE LTD.
ਹਰਪ੍ਰੀਤ ਸਿੰਘ 94631-31403

पुलिस फाईल से : विभिन्न मामलों में चार सिरसा

डबवाली केसरी (सिरसा)। स्पैशल स्टॉफ की एक पुलिस टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान एक व्यक्ति बलकार पुत्र सुखबीर निवासी बनवाला जिला सिरसा को काबू कर उसके कब्जा से 6 किलो 800 ग्राम डोडापोस्त बरामद किया है। स्पैशल स्टॉफ की टीम ने उपरोक्त बलकार सिंह को डोडापोस्त के साथ चौपटा थाना क्षेत्र के गांव बकरियांवाली क्षेत्र से काबू किया। आरोपी के कब्जा से डोडापोस्त बरामद कर उसके खिलाफ थाना चौपटा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज किया है। सीआईए सिरसा पुलिस की एक टीम ने गश्त के दौरान शहर सिरसा के जेजे कॉलोनी क्षेत्र से सार्वजनिक स्थल पर सट्टा लगाते एक व्यक्ति सन्नी कुमार पुत्र इंद्रभान निवासी जेजे कॉलोनी सिरसा को 2100 रुपए की सट्टाराशि के साथ काबू किया। सीआईए सिरसा पुलिस ने मनजीत पुत्र धर्मपाल निवासी जनकल्याण कॉलोनी सिरसा को 24 बोतल देसी शराब के साथ जनकल्याण कॉलोनी सिरसा से काबू किया। रानियां थाना पुलिस ने गश्त के दौरान कार सवार एक व्यक्ति पानाराम पुत्र दुनीराम निवासी सुल्तानपुरिया को 12 बोतल देसी शराब के साथ रानियां क्षेत्र से काबू किया।

बाईक स्लिप होने से चालक घायल

डबवाली केसरी। सोमवार की सुबह आरओबी क्रॉस करते समय बाईक स्लिप होने से चालक घायल हो गया। जिसे भाई कन्हैया जी सेवा सोसायटी की ऐंबूलैंस ने डबवाली के सामान्य अस्पताल में उपचाराधीन करवाया। अस्पताल में उपचाराधीन 35 वर्षीय प्रेम कुमार पुत्र देसराज निवासी वार्ड नंबर 18, रविदास नगर, डबवाली ने बताया कि वह पंजाब क्षेत्र के गांव पंजावा में स्थित धागा फैक्ट्री में रात्रि ड्यूटी करने के बाद घर वापिस लौट रहा था। जैसे ही वह रेल्वे ओवर ब्रिज से होकर उतरने लगा तो श्री विश्वकर्मा मंदिर गुरूद्वारा के समीप उसका बाईक स्लिप हो गया और वह सड़क पर जा गिरा।

आसपास के लोगों ने उसे संभाला और ऐंबूलैंस की सहायता से सामान्य अस्पताल में दाखिल करवाया। चिकित्सकों के अनुसार हेलमेट न पहनने की बजह से उसके मुंह व नाक पर गहरी चोटें आई हैं।

ROYAL ENFIELD
अब आपके शहर में

- Sales
- Service
- Spares
(Royal Enfield Authorised Dealership)
Gulzar Motor Agencies
Near Khalsa School, Sirsa Road, Mandi Dabwali
Ph No. 01668 227300, Mobile no. 8607247200, 9996147200

जल से नहीं, श्रद्धा से करें भगवान शिव को प्रसन्न : गोयल

डबवाली केसरी। मशीनीकरण से प्रदूषण व तापमान बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा कम हो रही है। जिससे नदियों में जल घटता जा रहा है। नदियों में पानी की कमी के कारण भूजल दोहन भी बढ़ा है। जिसके चलते भूजल स्तर 200 से 400 फुट तक नीचे चला गया है। इसी कारण अनेक बार अति वर्षा विनाश का कारण भी बनती है। श्रावण मास और उसमें शिवरात्रि पर्व पर जल का विशेष महत्व है, क्योंकि पूरे मास शिवजी का जलाभिषेक किया जाता है। इतिहास साक्षी है कि शिवालय नदी या तालाब के किनारे स्थित होते थे और भगवान शिव को अर्पित जल, नदी तालाब में चला जाता था जबकि अब वह जल, जिसे भक्तजन प्रसाद रूप में ग्रहण भी करते हैं, पूरे देश में करोड़ों लीटर पानी सीवर में चला जाता है। शिवरात्रि की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ रमेश गोयल, रष्ट्रीय अध्यक्ष 'पर्यावरण-प्रेरणा एवं 'राष्ट्रीय मंत्री पर्यावरण' 2015-16 भारत विकास परिषद् ने शिव भक्तों से अपील है कि पानी की कमी को ध्यान में रखते हुए श्रावण मास में प्रतिदिन और शिवरात्रि पर्व पर शिवलिंग पर बाल्टियां भर-भर कर नहीं बल्कि केवल लोटा भर जल ही चढ़ाएं।

अनेक कथाएं प्रचलित हैं कि महादेव मनोभाव व श्रद्धा से ही प्रसन्न होते हैं, जल की अधिक मात्रा से नहीं। कविता की इन पंक्तियों को ध्यान में रखकर पूजा करें कि ''पूजा और पूजापा प्रभुवर इसी पूजारिन को समझें, दान दक्षिणा और न्यौछावर इसी भिखारिन को समझें'' मन्दिरों के प्रबन्धकों को वाटर हारवैस्टिंग या रिचार्जर लगवाने चाहिएं ताकि भक्तों द्वारा शिवलिंग पर चढ़ाया गया शुद्ध जल सीवर में ना बहकर सीधा जमीन में चला जाएगा जो भूजल स्तर सुधारने में सहायक होगा। उन्होंने शिव भक्तों से आग्रह किया कि जल की बढ़ती कमी को ध्यान में रखते हुए चिंतन करें और अन्यथा न लें व शिवालयों को जल संरक्षण सिस्टम के साथ जोड़ें।

शर्मा स्वीट्स एंड गेस्ट हाऊस वालों की नई पेशकश
विनायक ब्यूटीफुल पाल फंक्शन हाल
न्यू बस स्टैंड के सामने, समीप जस्सी अस्पताल, मंडी डबवाली
सुविधाएं :-
* फुली एसी हाल
* ए-वन साऊंड सिस्टम
* इंडोर पार्किंग
* सीसीटीवी कैमरे से नज़र
* सुविधाओं से सुसज्जित एसी कमरे
बुकिंग शुरू

फंक्शन बुकिंग के लिए डबवाली केसरी की कटिंग साथ लाएं, 5 प्रतिशत की विशेष छूट पाएं।
छोटे-बड़े फंक्शनों के लिए अति उत्तम :-
* किटी पार्टी
* बर्थ-डे पार्टी
* रिंग सैरेमनी
* वैवाहिक समारोह एवं
* अन्य कार्यक्रमों के उचित व्यवस्था
नोट :- हमारे यहां विवाह-पार्टियों व अन्य कार्यक्रमों के लिए शुद्ध व बढ़िया मिठाईयां आर्डर पर तैयार मिलती हैं।
बुकिंग के लिए सम्पर्क करें :-
राकेश शर्मा मो. 94671-00077, 93155-03211
प्रत्येक छोटे-बड़े कार्यक्रम के लिए बढ़िया कारीगरों द्वारा वाजिब दामों पर कैटरिंग की व्यवस्था

प्रकाशक व मुद्रक शिवजी राम गोयल द्वारा सहाय प्रिंटर्स, तेलियां मौहल्ला, सिरसा (हरियाणा) से छपवाकर कार्यालय 'डबवाली केसरी' तहसील मंडी डबवाली, जिला सिरसा (हरियाणा) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का निपटारा मंडी डबवाली न्यायालय में होगा। RNI रजि. नंबर HARBIL01807

सिटी समाचार

अश्विनी बठला को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते होशियारी लाल शर्मा।

होशियारी लाल शर्मा ने अश्विनी बठला को किया सम्मानित

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवंबर। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता होशियारी लाल शर्मा ने समाजसेवी एवं श्री रामा क्लब चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान अश्वनी बठला को सराहनीय सेवाएं देने के लिए स्मृति चिन्ह देकर व शाल ओढांकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में होशियारी लाल शर्मा ने कहा कि सिरसा धार्मिक नगरी है, जिसका श्रेय अश्वनी बठला सरीखे समाजसेवियों को जाता हैं। अश्वनी बठला के कुशल निर्देशन में पिछले कई सालों से श्रीरामा क्लब शुद्ध रामलीला मंचन एवं दशहरा महोत्सव का आयोजन कर सिरसावासियों को भगवान रामचंद्र जी के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दे रहा है। अश्वनी बठला सरीखे हस्तियों से दूसरों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर मा.राजकुमार वर्मा, स.विक्रमजीत सिंह,हरीश सोनी,पूर्ण चंद गिरधर, गुलशन गाबा, भोला जैन, संजय शर्मा, राजकरण भाटिया, बृजदान चारण, सज्जन कुमार, चंद्रभान गोयल, संजय चावरिया, पटवार भाट, बंसीलाल नाहर, वेद प्रकाश शर्मा, राम लुभाय सहारणी, निर्मल पहलवान, देवेंद्र सोनी, बूटा सिंह, राम दास बजाज, हंसराज मोरवाल, सज्जन कुमार, प्रो. जगवंत सिंह,राजकुमार एफसीआई,राम प्रसाद, पंकज शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

केंद्र सरकार के फैसले पर संस्कृत शिक्षकों में हर्ष

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। हरियाणा राजकीय संस्कृत अध्यापक संघ की कार्यकारिणी द्वारा आज सेक्टर 20 हुडा में सभा का आयोजन किया गया। बैठक में प्रवक्ता धर्मेंद्र शास्त्री की अध्यक्षता में शामिल संस्कृत शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया कि केंद्र सरकार देव वाणी, सभी भाषाओं की जननी एवं विश्व की प्राचीनतम भाषा संस्कृत को केंद्र में तृतीय भाषा का दर्जा देने का विचार चल रहा है। संस्कृत शिक्षकों ने संसाधन मंत्री उमा भारती द्वारा भविष्य में संस्कृत भाषा को सम्पर्क भाषा के रूप में प्रयोग करने के बयान पर भी हर्ष जताया। संघ के सदस्यों ने राज्य सरकार से भी अनुरोध किया कि विश्व की प्राचीनतम भाषा संस्कृत को भी राज्य में तीसरी भाषा का दर्जा दिया जाए। इसी संदर्भ में राजय प्रधान डा. श्याम कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही राज्य के शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा से मुलाकात करेगा। बैठक में प्रदेश संगठन सचिव बसंत पारीक, कार्यकारी प्रधान कृष्ण शास्त्री, परसराम, सतनारायण, राजपाल, रामनिवास, सतीश, राजसिंह, आचार्य द्रोण प्रसाद, रानी देवी आदि उपस्थित थे।

सिरसा में पल पल
समाचार पत्र प्राप्त
करने के लिए
संपर्क करें:-
93153-47133

रिश्वत लेते एसआई गिरफ्तार

फरीदाबाद। शहर में एंटी करैप्शन ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए एक सब इंस्पैक्टर को 5 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। ये रिश्वत सब इंस्पैक्टर ने रेत के ट्रैक्टर को छोड़ने की एवज में मांगी थी। जिसकी शिकायत पीडित ने एंटी करैप्शन ब्यूरो से की। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार थाना भूपानी में तैनात सब इंस्पैक्टर सुरेश कुमार रेत की ट्रेक्टर-ट्राली को छोड़ने की एवज में सुदेश नागर से पांच हजार रूपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया।

व्यापारी विकास की धुरी: गर्ग

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवंबर। व्यापारी देश के विकास की धुरी है देश की तरक्की में सबसे ज्यादा योगदान व्यापारी व उद्योगपतियों की है क्योंकि देश में सबसे ज्यादा कर व्यापारी देता है। यह बात एक निजी होटल में व्यापारियों की बैठक को संबोधित करते हुए हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रान्तीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग दास गर्ग ने कही। गर्ग ने कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार देश व प्रदेश के व्यापार व उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नई-नई योजना बना रही है। यहां तक की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जाकर भारत देश में व्यापार व उद्योग को बढ़ावा देने पर बल दिया है। जिसके कारण विदेशी उद्योगपतियों ने भारत में अरबों रूपए पूंजि निवेश करने की बात मोदी से की है। प्रान्तीय अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग ने कहा कि हर देश व प्रदेश की तरक्की व्यापार व उद्योग पर निर्भर करती है क्योंकि देश व प्रदेश में नए-नए उद्योग लगने से जहां सरकार को पहले से ज्यादा राजस्व की प्राप्ती होती है वही इस के वजह से लाखों लोगों को रोजगार मिलते है। गर्ग ने केंद्र सरकार से मांग की है कि व्यापारियों द्वारा देश में छोटे व बड़े उद्योग स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार व्यापारियों को कम ब्याज पर लोन देने के लिए कानून बनाए व इंस्पेक्टरी राज पर अंकुश लगाते हुए उद्योग लाने के लिए कानून में सरलीकरण करे व इंकम टैक्स में जो पर व्यक्ति आय पर जो छूट 2.5 लाख रूपए तक की है वह बहुत थोड़ी है उससे भी बढ़ाकर 5 लाख रूपए तक की जाए व अलग-अलग प्रकार के टैक्सों को खत्म करके पूरे देश में जी एस टी टैक्स लागू किया जाए। जी एस टी टैक्स लागू होने से पूरे देश में हर वस्तुओं पर एक सम्मान टैक्स प्रणली लागू हो जाएगी और व्यापारियों को भी अलग-अलग खाते रखने के बजाए सिर्फ एक जी एस टी खाता बनाना पड़ेगा। जबकी व्यापारियों को वैट कर, मार्केट फीस, एक्साईज ड्यूटी आदि अलग-अलग टैक्सों को भरना पड़ता है। जिसके कारण अलग-अलग हिसाब रखना पड़ता है जो की व्यापारियों के लिए बड़ी भारी दिक्कत है। इस मौके पर जिला प्रधान हीरालाल शर्मा, रोशन लाल, राम नारायण ककड, नरेंद्र जिंदल, सुभाष गोयल शेरपुरा, अंजनी कनोडिया, देवेंद्र सोनी, कालूराम शर्मा, रतनलाल सिंगला, सोम सेठी, रमेश ग्रोवर, दीपक गोयल इत्यादि मौजूद थे।

व्यापारियों कि बैठक को सम्बोधित करते हुए व्यापार मंडल के प्रान्तीय अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग।

शहर थाना प्रभारी की कार्रवाई से खफा पत्रकार पहुंचे एसपी के पास

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवंबर। पत्रकार राम माहेश्वरी से मारपीट मामले को लेकर पत्रकारों ने आज एसपी मितेश जैन से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसपी ने पत्रकारों को न्याय का आश्वासन दिया और मामले की जांच डीएसपी को सौंप दी। ज्ञापन में पत्रकारों ने जिक्र किया है कि 16 नवम्बर रविवार की रात सुरतगढ़िया बाजार में पंजाब केसरी (जालंधर) के संवाददाता राम माहेश्वरी के साथ रानिया रोड निवासी सुरखाब पैलेस के पूर्व ठेकेदार रमेश अरोड़ा एवं उसके साथियों ने शराब के नशे में न केवल मारपीट की, बल्कि जान से मारने की धमकियां भी दी। इस बाबत तमाम पत्रकारों की ओर से 17 नवम्बर को शहर थाना प्रभारी सुरेश पाल को शिकायत सौंपी गई, मगर थाना प्रभारी द्वारा इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की गई। कार्रवाई के नाम पर औपचारिकता का निर्वहन किया गया। पत्रकारों ने एसपी से मांग की कि मामले में उचित कार्रवाई की जाए, ताकि चौथे स्तम्भ के कलमकारों को न्याय मिले। एसपी ने तुरंत मामले की जांच डीसीपी को सौंपते हुए उचित कार्रवाई का भरोसा पत्रकारों को दिलाया। इससे पूर्व मीडिया सैंटर में सभी पत्रकारों ने बैठक की। बैठक के बाद सभी एसपी को ज्ञापन सौंपने के लिए रवाना हुए।

एसपी से मिलने के लिए एकत्रित पत्रकार।

तीन बार हमला, नहीं उठाई कार्रवाई की जहमत

सेवा, सुरक्षा सहयोग के दावे करने वाली पुलिस लोगों की शिकायतों को लेकर कितनी सजग है, ये किसी से छिपा नहीं है। ऐसा एक नहीं अनेक मामले हैं, जिसमें पुलिस ने सिवाय कागजी कार्रवाई से आगे बढ़ना ही मुनासिब नहीं समझा। मामले के अनुसार पटेल बस्ती निवासी शिवा पुत्र रवि बांसल, जोकि फैशन कैंप में काम करता है। उसके साथ रहने वाले मूल रूप से कोटकपुरा और हाल निवासी प्रीतनगर अमन ने एक बार नहीं तीन बार हमला कर शिवा को घायल कर दिया। परिजनों की ओर से सिटी थाने में शिकायत भी दी गई, लेकिन शिकायत पर पुलिस ने क्या कार्रवाई की, ये सबके सामने हैं। अगर एक बार भी पुलिस ने हमलावर युवक के खिलाफ कार्रवाई की होती तो उसकी बार-बार शिवा पर हमला करने की हिम्मत नहीं होती। पहली बार 15 अक्तूबर को अमन ने शिवा को रात्रि करीब 9 बजे घर जाते वक्त तेजधार हथियार से वार कर घायल कर दिया, जिसकी शिकायत सिटी थाने में एसएचओ सुरेशपाल को दी गई। दूसरी बार 10 नवम्बर को हमला हुआ और रात तीसरी बार अमन ने शिवा पर हमला कर उसे घायल कर दिया और उसे जान से मारने की धमकी दी। पुलिस के ढुलमुल रवैये का और किसी को नुकसान उठाना पड़े या न पड़े, लेकिन आमजन को जरूर भुगतना पड़ रहा है। शिवा के पिता ने इस बाबत एसएचओ सिटी के खिलाफ एसपी को भी एक शिकायत देने की बात की है, ताकि लापरवाही के चलते उसे सस्पेंड किया जाए।

पानी के झगड़े में चाचा ने भतीजे से की मारपीट

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवंबर। ऐलनाबाद क्षेत्र के गांव भुर्टवाला में गत दिवस की सुबह खेत में पानी के झगड़े को लेकर चाचा व उसके परिजनों ने मिलकर भतीजे को पीट दिया। उसे पहले ऐलनाबाद अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद सिरसा रैफर कर दिया गया। अस्पताल में भर्ती गांव भुर्टवाला निवासी कृष्ण पुत्र गुलजारी ने बताया कि उन्होंने अपनी जमीन में टयूबवैल का इंजन रखा हुआ है और खाल भी उनकी भूमि है। उसने बताया कि उसके चाचा ने खाल में पानी के लिए पाइप लाइन बिछा रखी है। पिछले कुछ समय से वे उन्हें उनकी ही जमीन में रखा हुआ इंजन उठाने के लिए बोल रहे हैं। गत दिवस उसकी चाची सुनीता ने उसे इंजन उठाने के लिए कहा, जब उसने कहा कि जब अन्य परिजन आ जाएंगे तो वे उठा लेंगे। इसी बात को लेकर उसकी चाची व उसके दो बेटों विनोद व अजीत ने उसे पकड़ लिया और मारपीट शुरू कर दी। उसके शोर मचाने पर आसपास के किसानों ने आकर उसे छुड़वाया और परिजनों को सूचित कर उसे अस्पताल में पहुंचाया। पुलिस को मामले की सूचना दे दी गई है।

रविदास सभा की बैठक 26 को

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवंबर। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास सभा की एक आवश्यक बैठक 26 नवंबर बुधवार को शाम 5 बजे रानियां रोड स्थित श्री गुरु रविदास मंदिर के प्रांगण में होगी। सभा के निवर्तमान अध्यक्ष बंसीलाल दहिया ने बताया कि बैठक में सभा के चुनाव भी करवाए जाएंगे इसलिए समाज के सभी लोग बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। बैठक में सतगुरु रविदास जयंती मनाए जाने के बारे में भी विचार विमर्श संभावित है।

डीआरओ के आश्वासन पर तोड़ा अनशन

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। क्षेत्र के गांव जलालआना निवासी हरदीप सिंह, जोकि पिछले तीन दिनों से गांव के ही डिपू होल्डर के खिलाफ कार्रवाई को लेकर लघु सचिवालय में अनशन पर बैठा था, जिसकी गत दिवस की सांय हालत बिगड़ने पर उसे सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां से वापस वह अनशन पर जाकर बैठ गया। आज काफी ग्रामीणों ने हरदीप के साथ मिलकर डीआरओ को कार्रवाई के लिए ज्ञापन सौंपा है, जिसपर डीआरओ ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसपर हरदीप ने अनशन तोड़ दिया।

हरदीप ने बताया कि गत 11 अगस्त को गांव के दोनों डिपू पर विरेंद्र सरदाना एएफएसओ ने ताला लगाया था तो उसने मौके पर मुकेश जैन के डिपू पर 50 थैले 50 किलो और सरूप सिंह के डिपू पर 40 थैले पाया गया, जोकि ग्रामीणों को बांटने के लिए रखा गया था। उसने बताया कि जब दोनों डिपूओं पर तालाबंदी की गई उस समय विरेंद्र सरदाना ने पांच सदस्यीय कमेटी बनाई थी, लेकिन विरेंद्र सरदाना ने न तो डिपूओं का रिकार्ड तलब किया और न ही कमेटी के सदस्यों को इससे अवगत करवाया गया। उसने आरोप लगाया कि एएफएसओ व डीएफएसओ दोनों डिपूओं को बचाने के चक्कर में है। उसने बताया कि इस बाबत वह डीएफएससी हंसराज भादू से भी मिले, तो उन्होंने कहा कि दोनों को सजा दे दी गई है और उनसे उपर सजा देने वाला कोई नहीं है। हरदीप ने बताया कि एएफएसओ व डीएफएससी उन्हें बातों में उलझाकर मामले को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास कर रहे हैं। हरदीप ने बताया कि उसके गांव के दोनों ही डिपू होल्डर, जोकि गांव में ग्रामीणों को राशन देने में काफी घपले कर रहे हैं। उन्होंने डिपू होल्डर के खिलाफ आरटीआई भी लगाई थी, जिसका उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला और जो जानकारी मांगी गई थी उसकी कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। हरदीप ने बताया कि गांव का डिपू होल्डर पिछले काफी समय से ग्रामीणों को राशन उचित नहीं दे रहा। और तो और उसने कई ऐसे लोगों के राशन कार्ड अपने पास जमा कर रखे हैं और बिना राशन दिए ही कार्डों में चढ़ा देता है और राशन में दिल खोलकर घपलेबाजी कर रहा है।

डीआरओ को ज्ञापन देते हुए अनशनकारी।

कुलदीप बिश्नोई ने सीएम के समक्ष उठाई किसानों की मांग

पल पल न्यूज: आदमपुर, 24 नवंबर (ऐलावादी)। हजकां अध्यक्ष व आदमपुर से विधायक कुलदीप बिश्नोई ने लंबे समय से संघर्षरत बुड़ाक व आदमपुर हलके के अन्य गांवों के किसानों की मांग का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के समक्ष किसानों की मांगें उठाई। मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखकर उन्होंने मांग की है कि किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए इन्हें शीघ्र पूरा किया जाए। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि हमारे देश के अन्नदाता किसानों को उसके हकों से किसी भी तरह से महरूम नहीं रखा जाना चाहिए और किसानों की मांगों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए। किसानों की आर्थिक स्थिति कृषि पर ही निर्भर करती है और यदि उनकी आजीविका कृषि पर ही संकट खड़ा हो जाए तो यह किसानों के साथ-साथ हमारी अर्थ व्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर हलके के गांव बुड़ाक व आसपास के ग्रामीणों की समस्या गंभीर है और अपनी मांगों को लेकर गांव बुड़ाक के ग्रामीण पिछले 2 महीने से भी ज्यादा समय से हिसार स्थित लघु सचिवालय के सामने धरने पर बैठे हैं। गांव में नहरी सिंचाई व पीने के पानी की गंभीर समस्या है। बालसमंद ब्रांच में महीने में मात्र एक सप्ताह नहरी पानी छोड़ा जाता है। इसके अलावा इस ब्रांच की हालत भी जर्जर हो चुकी है, जिस कारण किसानों के खेतों में टेल तक पानी नहीं पहुंच पाता। नहरी पानी की कमी होने की वजह से ग्रामीणों की हजारों एकड़ जमीन बंजर हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों का जीवनयापन मुख्यतया कृषि पर ही आधारित है, जिससे इन ग्रामीणों के सामने रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो गया है।

स्विफ्ट कार-बाइक टकराए, दो गंभीर

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवंबर। क्षेत्र के गांव नानकपुर के पास स्थित गुरुद्वारे के निकट बाक व स्विफ्ट गाड़ी की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को आसपास के लोगों ने एंबुलेंस की मदद से सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से एक को गंभीर हालत होने के कारण रैफर कर दिया गया। कार चालक मौके से गाड़ी लेकर भाग गया। जानकारी अनुसार रानियां निवासी शेर सिंह पुत्र सोहन सिंह व उसका साथी लखविंद्र सिंह पुत्र हरपेज सिंह दोनों सोमवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे बाइक पर सिरसा आ रहे थे। नानकपुर गांव में स्थित गुरूद्वारे के निकट स्विफ्ट कार व बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर में बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार चालक मौके से भाग गया। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस को बुलाकर दोनों को सामान्य अस्पताल में पहुंचाया, जहां से शेरसिंह को ज्यादा चोटें होने के कारण रैफर कर दिया गया।

नई गलियां बनाई पर पुराना मलबा उठाना भूल गए

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। पुरानी हाउसिंग बोर्ड में संबंधित विभाग द्वारा नई गलियां तो बना दी गई, लेकिन पुरानी तोड़ी गई गलियों का मलबा उठाना शायद विभागीय अधिकारी व कर्मचारी भूल गए हैं। नई गलियों को बनाने के बाद उनके साथ ही खाली पड़े स्थानों पर पुरानी गलियों का मलबा डाल दिया गया है, जिसके कारण लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मलबा पड़ा होने के कारण कुछ लोगों ने इसके उपर गंदगी डालनी शुरू कर दी है, जिसके कारण स्वच्छता अभियान को भी धक्का लग रहा है। जानकारी अनुसार कुछ माह पूर्व पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में नगरपरिषद द्वारा पुरानी गलियों को तोड़कर नई सीमेंटिड गलियों का निर्माण किया गया है। गलियों का निर्माण करने वाले ठेकेदारों ने पुरानी गलियों को तुड़वाकर उनका मलबा गलियों के साइड में ही डाल दिया और उनके साथ ही नई गलियों का निर्माण कर दिया। नई गलियां तो बनकर तैयार हो गई, लेकिन साइडों में पड़े पुराने मलबे ने लोगों की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। कुछ लोगों ने इसी मलबे के उपर अपने घरों का कचरा भी डालना शुरू कर दिया है, जोकि शहर की सुंदरता को खराब कर रहा है। और तो और घरों का कचरा व अन्य सामग्री डालने के कारण यहां सारा दिन आवारा पशु मुंह मारते रहते हैं, जिसके कारण वे और भी गंदगी फैलाते हैं। कॉलोनी के लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से तुरंत इस ओर गौर कर मलबे को उठाने की मांग की है, ताकि लोगों को गंदगी से छुटकारा मिल सके।

पुरानी हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी की बनी सड़क के साथ लगे मिट्‌टी के ढेर।

भाविप ने मनाया गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। भारत विकास परिषद शाखा सिरसा द्वारा आज एसएस जैन कन्या सीनियर सैकेंडरी स्कूल में 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान दिवस श्रद्धा व उल्लास पूर्ण माहौल में मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप के जिला सचिव हरबंस नारंग ने की तथा इनेलो के जिलाध्यक्ष पदम जैन इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। हनुमान मल गुजरानी व मक्खन लाल गोयल कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि थे। अतिथियों का विद्यालय परिसर में पहुंचने पर प्राचार्या सुमन गौतम ने भावपूर्ण स्वागत किया। मुख्य वक्ता डा. राजकुमार निजात ने श्री गुरु तेग बहादुर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए हिंदू धर्म की रक्षा हेतु उन द्वारा किए गए बलिदानों की गौरव गाथा का वर्णन करते हुए विस्तार पूर्वक उपस्थित बच्चों व अतिथियों को बताया। इसके अलावा स्कूल के विद्यार्थियों ने भी श्री गुरु तेग बहादुर की शौर्य गाथाओं द्वारा उपस्थित जनों को अवगत करवाया। भाविप के शाखा अध्यक्ष प्रमोद मोहन गौतम ने इस अवसर पर श्री गुरु तेग बहादुर के जीवनवृत पर आधारित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की, जिसमें अपना कौशल दिखाने वाले 20 छात्राओं को भाविप द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में भाविप शाखा सचिव अशोक गुप्ता ने कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त करने के साथ-साथ स्कूल, स्टाफ व प्रबंधन समिति का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पावन दिवस पर इस प्रकार के आयोजन की अनुमति दे कर स्कूल प्रबंधन ने सामाजिक तानेबाने को मजबूती प्रदान करने के साथ-साथ भारत की गौरवमयी पृष्ठभूमि से बच्चों को परिचित करवाने का एक अच्छा कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाविप बच्चों में अच्छे संस्कार प्रेषित करने के लिए समय-समय पर राष्ट्र भक्तों व महापुरुषों के जीवन से संबंधित कार्यक्रम निरंतर आयोजित करती रहती है। इस अवसर पर भाविप उपाध्यक्ष गंगाधर वर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र दीपक, सदस्य सुरेश सरोहा व रमेश जींदगर सहित अनेक प्रमुख लोग उपस्थित थे।

गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोग।

एनओसी जारी करने के प्रति गंभीर नहीं हुडा विभाग

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सिरसा स्थित कार्यालय के अधिकारी हुडा की जमीन के लाखों रुपए देकर मकान बनाकर रहने वालों को सुविधाएं प्रदान करने के प्रति गंभीर नहीं हैं। नया मामला ये सामने आया है कि अपने मकान के लिए एनओसी प्राप्त करने के लिए दो वर्ष पूर्व किए गए आवेदन भी अभी तक पैंडिंग पड़े हैं, जिस कारण मकान मालिकों को बेहद परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। विभाग के अधिकारियों की इस लापरवाही की शिकायत आरटीआई कार्यकर्ता करतार सिंह ने हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव से की है। इसके साथ-साथ उन्होंने यह मांग भी की है कि जिन लोगों को एनओसी के लिए आवेदन किए काफी लम्बा समय हो चुका है और उन्हें अभी तक भी एनओसी जारी नहीं की है तो ऐसे आवेदकों को एनओसी में छूट देकर राहत प्रदान की जाए। करतार सिंह ने शिकायत में बताया कि हुडा विभाग के सिरसा स्थित कार्यालय का कोई भी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी व कार्य के प्रति गंभीर नहीं है। विभाग में एनओसी प्राप्त करने के लिए हजारों की संख्या में आवेदन पड़े हैं, लेकिन उन्हें उचित जांच कर जारी करने की कोई जहमत नहीं उठाई जा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां के अधिकारी अपनी जान-पहचान वालों अथवा रिश्वत देने वालों के तो तुरंत एनओसी जारी कर देते हैं, लेकिन जो रिश्वत नहीं देता उसे एनओसी जारी न करने का न तो कारण बताया जाता है और न ही किसी कमी को दूर करने का तरीका बताया जाता है, जिस कारण हजारों आवेदक हुडा की जमीन पर बनाए गए अपने नए घर में शिफ्ट होने से लम्बे समय तक वंचित रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि हुडा के अधिकारियों को एनओसी जारी करने की कोई समय सीमा भी नहीं है कि जब कोई आवेदन आता है तो उसके कितने दिनों तक एनओसी जारी करना जरूरी होता है, इसका उदाहरण देते हुए करतार सिंह ने बताया कि 2012 में अनेक लोगों ने एनओसी के लिए आवेदन किया था, लेकिन आज तक उन्हें एनओसी जारी नहीं की गई। उन्होंने यह भी बताया कि जो लोग रिश्वत देकर एनओसी प्राप्त करते हैं, वे हुडा विभाग के नियम के अनुसार अपने घर का निर्माण भी नहीं करते और तो और ऐसे मकानों की हुडा विभाग द्वारा जांच भी नहीं की जाती और न ही उन्हें तुड़वाया जाता है और न ही उन पर जुर्माना लगाय जाता है। उन्होंने कहा कि हुडा विभाग में भ्रष्टाचार का जाल फैला हुआ है, जिसमें निजी शिल्पकार भी शामिल हैं। यहां मकान बनाने वालों को इन निजी शिल्पकारों के पास भेज दिया जाता है, जो मोटी राशि वसूल करता है और अधिकारियों को भी चढ़ावा चढ़ाता है। यदिककोई जमीन का मालिक अपना नक्शा इन अधिकारियों द्वारा सुझाए गए शिल्पकार से बनवाकर नहीं लाता तो उसे मकान बनाने की परमिशन तक नहीं दी जाती। करतार सिंह ने मुख्य सचिव से सिरसा स्थित हुडा विभाग के अधिकारियों पर नकेल कसने और एनओसी जारी करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित करने की मांग की।

एक नजर

राज्य सरकार आम आदमी के हित में कार्य करेगी: भदेल

जयपुर। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती अनिता भदेल ने कहा कि अजमेर के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार शहर के विकास एवं समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर है। जनता की सभी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। श्रीमती भदेल अजमेर में कोली समाज द्वारा आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि समाज ने उन पर जो विश्वास जताया है उस पर खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इस जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज बहुत महत्वपूर्ण है इनके सहयोग के बिना किसी भी तरह की प्रगति और उन्नति संभव नहीं है। जनता ने जनादेश देकर जो विश्वास जताया है उस पर पूरा खरा उतरेंगे। राज्य सरकार आम आदमी के हित में काम कर रही है। राज्य सरकार की तरफ से वीरांगना झलकारी बाई के स्मारक एवं अन्य कार्यक्रमों के लिए बजट स्वीकृत कराने तथा समाज हित के अन्य कार्य कराने के पूरे प्रयास किए जाएंगे। समारोह में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

शौचालय तय करेगा उज़्मीदवारी

भीलवाड़ा। पंचायत राज संस्थाओं के लिए चुनाव लड़ना है, तो घर में शौचालय बनाना जरूरी होगा। इसके लिए ये प्रमाण -पत्र देना होगा कि परिवार के सभी सदस्य इसका उपयोग कर रहे हैं। इसी शपथ पत्र के आधार पर उम्मीदवार का नामांकन पत्र वैध माना जाएगा।

जिला कलक्टर रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि शासन सचिव एवं आयुक्त ने इस संदर्भ में निर्देश दिए हैं कि निकट भविष्य में होने वाले पंचायती राज चुनाव लड़ने की पात्रता को लेकर संबंधी कानून में राज्य सरकार इस आशय का संशोधन कर रही है। उम्मीदवार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि उनके परिवार में कोई खुले में शौच नहीं क रता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के नए प्रावधानों के तहत लाभार्थी को शौचालय निर्माण की स्वीकृति के साथ ही नक्शे की प्रति भी उपलब्ध कराई जा एगी। लाभार्थी कम से कम 12 हजार रूपए शौचालय निर्माण पर खर्च कर सकेगा।

बाड़मेर: पाकिस्तान से आए यात्री से 117 ग्राम सोना पकड़ा

बाड़मेर। भारत से पाकिस्तान चलने वाल थार एक्सप्रेस में रविवार को पाकिस्तानी नागरिक से कस्टम विभाग ने 117 ग्राम सोना बरामद किया है। कस्टम विभाग के सूत्रों ने बताया कि शनिवार को पाकिस्तान से आई थार एक्सप्रेस में आए यात्रियों की बाड़मेर के मुनावाब रेलवे स्टेंशन पर तलाशी ली। इस दौरान कस्टम अधिकारियों को पाकिस्तानी नागरिक जय कुमार पर शक हुआ। अधिकारियों ने जय कुमार की तलाशी ली तो उसके पास से 117 ग्राम सोना बरामद किया। बताया जा रहा है कि बरामद सोने की कीमत लगभग 4.32 लाख रूपए है। सूत्रों ने बताया कि जय कुमार ने बरामद किया गया सोना छिपाकर रखा हुआ था। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले कस्टम विभाग ने पाकिस्तान से आए 12 यात्रियों से 2 किलो 870 ग्राम सोना जब्त किया था। ये यात्री अपने अन्तःवस्त्रों के अंदर छोटी-छोटी थैलियां बनाकर उसमें सोने के बिस्कूट व चूडिंया छुपाकर लाए थे।

मतगणना स्थल पर बीडी, सिगरेट, तज़्बाकु के पैकेट, माचिस, ज़्लेड चाकू, सुई ले जाना निषेध

जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी (म्युनिसिपल) कृष्ण कुणाल ने बताया कि मतगणना स्थल पर मतगणना व्यवस्था हेतु नियुक्त किये गये प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों तथा मतगणना अभिकर्ता माचिस, खाने का समान, बीडी, सिगरेट, तम्बाकु के पैकेट, ब्लेड, चाकू कागज की पुडिया, सुई, स्याही आदि कोई भी निषेधात्मक सामग्री अपने साथ अन्दर नहीं ले जा सकेंगे। उन्होंने बताया गया कि सुरक्षा हेतु लगाए गए संबंधित अधिकारी इसके संबंध में कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। मतगणना कार्मिको को पैन मतगणना की सामग्री के साथ ही मतगणना कक्ष में उपलब्ध कराये जायेंगे।

आई लव यू मम्मी पापा अब मैं आपको छोड़ के जा रहा हूं

बारां। राजस्थान के बारां जिले में भंवरगढ़ थाना क्षेत्र के रामपुरिया निवासी 16 वर्षीय एक सहरिया छात्र ने शनिवार शाम घर पर फंदा लगाकर जान दे दी। वह समीप के बांसथूनी गांव स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 10वी में पढ़ता था। मृतक दिलखुश के पास मिले सुसाइड नोट में

विद्यालय के एक शिक्षक मुकट सेन पर प्रताडित करने का आरोप लगाया गया है। रविवार सुबह मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिलखुश का सुसाइड नोट

आई लव यू मम्मी पापा अब में आपको छोड़ के जा रहा हूं, हो सके तो मुझे माफ कर देना। अब मुझे जाना पड़ेगा क्योंकि मेरे स्कूल में एक अध्यापक सेन साहब उर्फ मुकुट जी मुझे बहुत मारते है।

मुझे ही नहीं बहुत लड़कों बहुत मारते थे। सर रोज डेली बहुत काम देते थे, जिसके कारण हमें बहुत मार पडती थी। क्योंकि इतना काम हम याद नहीं कर पाते थे।

एक बार तो मेरे दस्त लग जाने की वजह से मैं चार दिन तक स्कूल नहीं जा पाया। सर ने हमें निबंध और अंग्रेजी एप्लीकेशन याद करने को दिया था लेकिन मैं याद नहीं कर पाया।

जब में स्कूल गया तो सबके सामने मेरी बेइज्जती की और यह भी कहा कि तू मर क्यों नहीं जाता हमारे ऊपर से तेरा बोझ तो हट जाएगा। मेरी बस एक ख्वाहिस है कि आप उस मुकुट जी को जरूर सजा दिलवाएं और मुझे पता है कि आप मुकुट जी जरूर सजा दिलवाएंगे।

आप इस लेटर को पुलिस के पास जरूर ले जाना। पुलिस अंकल उसे सजा जरूर देंगे। मुकुट जी सर आप से माफी मांगे तो आप उसे माफ मत करना। बस आप से यही मांगता हूं।

आपका प्यारा बेटा

नाम- दिलकुश

कक्षा- 10

'हिंद की चादर' गुरु तेग बहादुर जी का जीवनवृत्त

स्त्रष्टा ने संसार की सुनियोजित, सुव्यवस्थित एवं संगठित संरचना हेतु चार युग, चार वेद, चार वर्गों और चार आश्रमों की व्यवस्था कर एक अनुपम एवं अमिट छाप छोड़ते हुए लौकिक एवं पारलौकिक छवि को बरकरार रखते हुए अद्वितीय अंदाज में सुसज्जित किया है। विधाता द्वारा अपनी सृष्टि के संरक्षण हेतु गुरुओं, ऋषियों, तपस्वियों, वीरों-वीरांगनाओं एवं जननायकों का पदार्पण प्रत्येक युग में करना गौरवमयी संरचना का प्रतीक है। भारतवर्ष पर परमपिता परमात्मा की असीम कृपा रही है। चूंकि इस पावन धरा पर 'भगवान' हर युग में अन्यायी, अत्याचारी, अधर्मी, दुराचारी, कपटी, व्यभीचारी, कुत्सितबुद्धिग्राही दुष्टों से समाज को निज़ात दिलाने के लिए तथा समाज की अध्यात्मिक, भौतिक एवं वैचारिक स्वतंत्रता हेतु समय-समय पर आंशिक रूप से स्वयं अवतरित होते रहे हैं। जब भारतमाता गुलामी की जंजीरों में जकड़ी, असहाय एवं बेबस होकर अपने दुर्दिनों के झंझावात में फंसी नितप्रति अपने सपूतों पर अत्याचार एवं दुराचारों को विवशतावश सहन कर रही थी तब सिखों के छठे गुरु गुरु हरगोबिन्द सिंह एवं माता नानकी जी के घर अग्रज पुत्ररत्न के रूप में 1 अप्रैल 1621 ई. को अमृतसर में एक बालक का जन्म हुआ, जिसका नाम त्यागमल रखा गया। जो कि बाल्याकाल से ही कुशाग्रबुद्धि, परहितचिन्तक, पर पीड़ा निवारक, धार्मिक एवं राष्ट्रभक्ति के भावों से ओतप्रोत थे। यही बालक त्यागमल प्रभु कृपा एवं भारतमाता के शुभाशीष की बदौलत सिक्खों के नौंवे गुरु गुरु तेग बहादुर के नाम से ही नहीं अपितु 'हिन्द की चादर' के नाम से विश्वविख्यात हुए। गुरु तेग बहादुर जी 1644 से 1664 तक अपनी पत्नी माता गुजरी देवी तथा माता नानकी जी के साथ बकाला साहिब रहे। गुरु हरिकिशन जी गुरु तेग बहादुर जी को बाबा बकाला के नाम से पुकारते थे। इनके एक भाई भी थे जिनका नाम मक्खन शाह लोभान था जो कि एक धनी व्यवसायी थे। 30 मार्च 1664 को सिक्खी परम्परा अनुसार इनके नौंवे सिक्ख गुरु के रूप में गुरूगद्दी पर आसीन किया गया। गुरु तेग बहादुर जी सर्वधर्म समभाव, शांति तथा पारस्परिक प्रेमभाव स्थापित करवाने में हमेशा अग्रणी रहते थे। जिसका मिसाल आसाम में जरनैल राजा राम सिंह एवं मुगलों के दरम्यान सुलह करवा युद्ध को टलवाना अपने आप में एक बहुत बड़ा परमार्थ का काम था। गुरु जी का अगर किसी का अहित करना चाहा तो भी वे उनको सहनशीलता, मधुरता, सौम्यता, सहजता व सरलता से उसे अपना बना लेते थे, क्योंकि गुरुदेव कहते थे कि

''प्रथम जीवन दर्शन का आधार धर्म का मार्ग सत्य का

मार्ग ही हो सकता है और सत्य ही सदैव विजयी होता है।''

तत्कालिक मुस्लिम बादशाह औरंगजेब द्वारा हिन्दुओं के मन्दिरों को धराशायी करना, प्रसिद्ध गुरूकुलों और विश्वविद्यालयों का नामोनिशान मिटाना एवं धार्मिक ग्रंथों का समूल विनाश करवाना तथा हिन्दुओं को जबरन मुस्लिम धर्म अपनाने हेतु हुक्मनामा जारी किया हुआ था। बादशाह की जुल्मियत एवं तानाशाही तथा अत्याचारों से दुःखी हो धर्म की रक्षा हेतु दीनहीन एवं बेबस हुए कशमीरी पण्डितों को सिक्ख गुरुघर ही गुलामी के तूफान रूपी अंधकार से बचाने वाली एक ज्योत नज़र आई। इसलिए उन्होंने अपनी विवशता एवं लाचारी गुरु तेग बहादुर जी के समक्ष बताई। तब गुरुघर में विराजमान 9 वर्षीय बालक गोबिन्द राय ने अपने पिता गुरु तेग बहादुर से प्रार्थना की कि इस सुअवसर पर आपसे बढ़कर कौन सतकर्मी एवं धर्मरक्षी महापुरूष हो सकता है, जो अपना बलिदान देकर धर्म की रक्षा कर सके। गुरुदेव ने तत्काल धर्म की रक्षा हेतु एवं परिहितार्थ अपने 9 वर्षीय बालक गोबिन्द राय की चिंता न करते हुए अपना बलिदान देने हेतु तैयार हो गए। गुरु तेग बहादुर जी हिन्दू धर्म के अनुयायी नहीं थे परन्तु गुरु जी ने मानवीय धर्म एवं वैचारिक स्वतंत्रता के लिए अपनी महान शहादत देने हेतु औरंगजेब को फरमान पहुंचाया कि पहले उन्हें मुस्लिम धर्म धारण करवाए तदोपरांत कशमीरी पण्डितों को। गुरु तेग बहादुर द्वारा धर्म रक्षा हेतु किए गए प्रण को तुड़वाने के लिए औरंगजेब ने गुरु शिष्यों भाई मती दास, भाई सती दास व भाई दयाल दास जी को जब मुस्लमान बनाने के लिए क्रमवार पहले भाई मती दास को आरे से चिर दिया, भाई सती दास को रूई में लपेट कर आग के हवाले कर दिया तथा भाई दयाल दास को तेल के देग में उबालकर मार दिया गया तब भी इतनी बड़ी शहादत आँखों के समक्ष देखते हुए धर्म की रक्षा हेतु दृढ़निश्यची, कर्त्तव्यपरायण गुरु तेग बहादुर जी अपने प्रण से टस से मस नहीं हुए। क्योंकि वे कहते थे कि 'डरना और डराना दोनों महापाप है।'

'भै काहू को देत नहीं, नहि भय मानत आन, कहै नानक सुन रे मना, गिआनी ताहि बखान।'

अन्ततोगत्वा 11 नवम्बर, 1675 को चांदनी चौक दिल्ली में आततायी दुराचारियों द्वारा गुरु तेग बहादुर जी का सिर कलम कर दिया गया तथा यह फरमान जारी किया गया कि कोई भी गुरु तेग बहादुर के शव का संस्कार नहीं करेगा। परन्तु धर्म की रक्षा हेतु भारत मां की आन, बान, शान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वालों की हिन्दुतान में कमी नहीं थी। भाई लक्खी शाह बंजारा तथा उनके सुपुत्र निगाहीयां बंजारा ने गुरु जी के धड़ को चांदनी चौक से उठाकर रकाबगंज जो कि दिल्ली में स्थित है, अपने घर में रखकर पूरे घर को अग्नि के हवाले कर गुरु जी का अन्तिम संस्कार कर भारत माँ के सच्चे सपूत होने का गौरव पाया तथा भाई जीता जी ने गुरु जी के सिर को बालक गोबिन्द राय को आनंदपुर साहिब में लाकर सौंप दिया। तब गुरु जी के संस्कार के बाद दिल्ली में घर-घर में यह बात सुनने को मिली कि 'चलो चलाई हो रही, गड़ उखड़े मैख, लक्खी निगाहीयां ले गए, तु खड़ा तमाशा देख।' विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर जी का अद्वितीय स्थान है। गुरु जी कहते थे कि 'धर्म हेत साका जिनि कीआ, सीस दीआ पर सिरड़ न दीआ।'' इस महावाक्य अनुसार गुरु का बलिदान केवल धर्म पालन हेतु ही नहीं अपितु समस्त मानवीय सांस्कृतिक विरासत की खातिर बलिदान था। धर्म उनके लिए सांस्कृतिक मूल्यों एवं जीवन विधान का नाम था। अतः धर्म के सत्य शाश्वत मूल्यों के लिए उनका बलि चढ़ जाना वस्तुतः सांस्कृतिक विरासत और इसकी जीवन विधान के पक्ष में एक परम साहसिक अभियान था। गुरु तेग बहादुर जी व उनके शिष्यों को हिन्द की चादर व हिन्दू धर्म के बेड़े का मल्लाह कहकर याद किया जाता है। उनकी उत्कृष्टम एवं लासानी शहादत के लिए कवि कासिद ने कहा-

''ना तूं बुत पूजे ना तू तिलक लाए।,
ना तू पाएं जंजू अपने तन ऊपर।
फिर भी तिलक जंजू खारित,
दिया शीश तू अति प्रसन्न होकर।''

उनकी शहादत पर महाकवि भाई संतोख सिंह ने भी कहा-

''गुरु तेग बहादुर चंद,
निज स्वरूप में सदा आवन।
आन जाने दरब समान,
हरख सोग जिन के उपजान ।
हिन्दू धर्म तर मूल को राख्यो धर्म मझार,
तेग बहादुर सतगुरु त्रिणसमान तन डार।।''

साहिब गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को लासानी कहकर अपने श्रद्धासुमन इस तरह अर्पित किए हैं-

''ठीकरी फोरि दिलीसि सिरि, प्रभ पुर किया प्यान,
तेगबहादुर सी क्रिया, करी न किन्दु आन ।
तेगबहादुर के चलत भयो जगत को शोक,
है है है सब जग भयो जै जै जै सुर लोक ।।''

भारतमाता एवं धर्म रक्षा हेतु हंसते-हंसते अपना बलिदान देने वाले गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को हम भारतवासियों एवं विशेष रूप से भारत विकास परिषद् के कर्मठ, समर्पित एवं कर्तव्यनिष्ठ सेवादारों को हमेशा उनके जीवनदर्शन को अपना आदर्श मानते हुए समाजोत्थान, धर्मरक्षा तथा वैचारिक स्वतंत्रता हेतु उनके बलिदान दिवस को बड़े ही सात्विक तरीके से मनाकर समाज में उनके द्वारा दिए गए बलिदान एवं सदविचारों को जन-जन तक पहुँचाकर संस्कार एवं सेवा के कार्यों को सुनियोजित ढंग से करते हुए गुरु तेग बहादुर जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि समर्पित करेंगे, ऐसा मेरा आप सभी भाविप बंधुओं से साग्रह अनुरोध है।

-हरिओम भारद्वाज
प्रांतीय संयोजक, भाविप।
मो. 09416124879

अपनी मेहनत से धर्मपाल गुलाटी बने मसालों के क्षेत्र के सरताज

कर्मवीर वे हैं जो अपना भाग्य स्वयं बनाते हैं। जो दिन रात परिश्रम करते हैं और चुनौतियों का सामना करते हुए एक दिन मंजिल प्राप्त कर लेते हैं। एम.डी.एच. मसाला कम्पनी के संस्थापक महाश्य धर्मपाल गुलाटी का नाम आज विश्व में चर्चित है। आज उनका कारोबार 900 करोड़ रूपए से भी अधिक है। 1947 ई. में देश का विभाजन हुआ। तब वह केवल 1500 रुपए लेकर पाकिस्तान से भारत में आए, लेकिन अपनी मेहनत से उन्होंने सब चुनौतियों का सामना किया। यहां तक कि दिल्ली के कुतुब रोड़ पर तांगा चलाया। स्वपन में भी कभी यह ख्याल नहीं आया कि एक दिन वह विश्व में एम.डी.एच. मसालों के कारण लोकप्रिय होंगे। आज उनकी कम्पनी के मसालों का अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जापान आदि अनेक देशों में निर्यात होता है। महाश्य धर्मपाल देश के बंटवारे के बाद सियालकोट (पाकिस्तान) से दिल्ली आए। बडी कठिनाई के दिन थे। दिल्ली के करोलबाग क्षेत्र में वह एक कच्चे मकान में वह अपने माता पिता के साथ रहने लगे। एक दिन वह अपने पिता के साथ एक मसाले की दुकान में गए। यहां की उन्होंने निश्चय किया कि वह भी मसाला बनाने का व्यवसाय करेंगे। प्रारम्भ में परिश्रम, लगन, इमानदारी और मुंह में मिठास के कारण काम तेजी से बढ़ने लगा। कई वर्षों तक उन्होंने स्वयं दुकान-दुकान जाकर मसाला बेचा। मसाले की शुद्धता और गुणवता के कारण काम व्यापक स्तर पर होने लगा।

महाश्य धर्मपाल गुलाटी आज 90 वर्ष की आयु के हैं लेकिन उनमें युवाओं के समान उत्साह है। प्रातः 4.30 से लेकर रात्रि 10.30 तक उनकी व्यस्त दिनचर्या है। वह पक्के आर्य समाजी है। नित्यप्रति घर में हवन यज्ञ करना उनका दैनिक संस्कार है। आर्य केंद्रीय सभा के अध्यक्ष होने के नाते उन्हें अनेक सामाजिक कार्य करने होते हैं। वे केवल आर्य समाज की नहीं बल्कि अनेक सामाजिक संस्थाओं के मार्गदर्शक भी हैं। हम सबने महाश्य जी को दूरदर्शन तथा समाचार पत्रों में एम.डी.एच. कम्पनी के विज्ञापनों में अवश्य देखा होगा। सफेद कपड़े, लाल पगड़ी और मोती की माला उनके व्यक्तित्व के हिस्से है। गुलाटी जी का जीवन मिसाल है उन सभी के लिए जो जीवन में नई ईबादत लिखना चाहते हैं। महाश्य धर्मपाल गुलाटी आज हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं। उन्हीं के समान देश की मोबाईल सेवा देने वाली सबसे बड़ी कम्पनी भारती एयरटेल के प्रमुख सुनील भारती मित्तल कहते हैं कि जब तक हम बड़े स्वपन नहीं देखेंगे तब तक हम लम्बी छलांग नहीं लगा सकेंगे। पहले सुनील भारती ने लुधियाना में हीरो साईकल कम्पनी में काम किया। धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए। आज एयरटेल मोबाईल कम्पनी विश्व में विख्यात हैं। उन्होंने नई युवा पीढ़ी को यह संदेश दिया है- जो आप जिंदगी में करना चाहते हैं वही करें। डाक्टर बनना है तो डाक्टर बनकर दिखाईए- सफलता का मूल मंत्र है 'कठोर परिश्रम एवम् विश्वास'। कवि के शब्दों में-

हम अनुगामी उन पांवों के, आदर्श लिए जो खड़े रहे,
बाधाएं जिन्हें डिगा न सकी, संघर्ष में अड़े रहे,
सर पर मंडराता काल रहे, करवट लेता भुचाल रहे,
बढ़ना ही अपना काम है, बढ़ना ही अपना काम है।

कृष्ण वोहरा
सेवा निवृत प्रिसिंपल
मुहल्ला जेल ग्राऊड,
मं नं. 641
सिरसा (हरियाणा)

रेलवे यात्रियों को जल्द मिलेगी एटीएम सुविधा

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। सिरसा रेलवे स्टेशन पर अब जल्द ही यात्रियों को ए.टी.एम. की सुविधा उपलब्ध होगी। आर्दश रेलवे स्टेशन का दर्जा मिलने के बाद क्षेत्र का यह पहला स्टेशन होगा, जहां यह सुविधा उपलब्ध होगी। क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता सलाहाकार समिति के सदस्य अमित सोनी ने बताया कि यात्रियों की मांग पर यहां से सांसद रहे डा. अशोक तंवर की ओर से रेलवे विभाग को यहां ए.टी.एम. लगाए जाने को लेकर पत्र लिखा गया था। जिस पर विभाग ने साकारात्मक रुख अपनाते हुए सिरसा स्टेशन पर ए.टी.एम. लगाए जाने का प्रस्ताव बनाया है। विभाग की ओर से स्टेशन पर ए.टी.एम. लगाए जाने को लेकर जगह का चयन कर लिया गया है और रेलवे के उच्चाधिकारियों के पास प्रस्ताव बनाकर भेज दिया गया है। बीकानेर मंडल से अनुमति मिलते ही यहां ए.टी.एम. स्थापित किया जाएगा। अब यात्रियों और विभाग के कर्मचारियों को पैसे निकलवाने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। सोनी ने बताया कि इसके अलावा जल्द ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए बैठकें लिए अतिरिक्त बैंचों की संख्या बढ़ा दी गई है। वर्तमान समय में यात्रियों की संख्या को देखते हुए 55 के करीब बैंचों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर बैंचों की संख्या बढ़ाने जाने को लेकर उत्तर-पश्चिम रेलवे जयपुर के महाप्रबंधक को इस बारे में पत्र लिखा गया था, जिस पर उन्होंने सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए यहां बैंचों की संख्या बढ़ा दी है।

गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर समागम आयोजित

पल पल न्यूज: फतेहाबाद, 24 नवम्बर (सुरेश मेहता)। गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में बीघड़ रोड स्थित गुरु तेग बहादुर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों ने शब्द कीर्तन व कविताओं के माध्यम से गुरु जी की जीवनी के बारे में बताया। समागम में आए रागी जत्था भाई बलजीत सिंह गुरुद्वारा सिंह सभा फतेहाबाद , भाई राजबीर सिंह गुरुद्वारा सिंह सभा बीघड़ व भाई जसविंद्र सिंह रागी जत्था गुरु तेग बहादुर गुरुद्वारा बीघड़ ने शब्द कीर्तन व गुरमत विचारों के माध्यम से गुरुओं की बाणी का बखान किया तथा गुरु जी की जीवनी केबारे में विस्तार से बताया। कविसरी के माध्यम से बच्चों ने बताया कि 'ऐवें लोकी भटकदे फिरदे पखंडिया दे डेरेयां ते गुरुग्रंथ जेहा गुरु केहडा है जहान ते' अर्थात बदलते युग में कई पाखंडी लोगों ने लोगों की धार्मिक भावनाओं का दुहन करते हैं तथा लोग उन पाखंडी लोगों के चक्कर में पड जाते हैं। बताया गया कि कलयुग में श्री गुरुग्रंथ साहिब से बढ़कर कोई गुरु नहीं हो सकता। शब्द कीर्तन में 'ऐसी प्रीत करो मन मेरे, सतगुरु की सेवा सफल है जे तूं करे चित लाय' प्रस्तुत किए गए। गुरु जी की जीवनी के बारे में बताते हुए भाई बलजीत सिंह ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी नौंवी पातशाही थे। उन्होंने अपना जीवन समस्त धर्म व मानवता की रक्षा के लिए लगा दिया तथा इन्ही आदर्शों व सिद्धांतो की रक्षा के लिए अपने आपको शहीद कर दिया। इसलिए गुरु जी को हिंद की चादर भी कहा जाता है। गुरु जी के बारे में एक महावाक्य कहा गया है कि धर्म हेत साका जिन कीया, सीस दिया पर सिरड न दिया अर्थात धर्म और उनके सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए गुरु जी ने अपने आपको कुर्बान कर दिया। गुरु जी का कहना था कि हमें सदैव अपने धर्म पर चलना चाहिए क्योंकि धर्म का मार्ग ही सत्य और विजय का मार्ग है। धर्म की रक्षा के लिए ही गुरु जी अपने आपको शहीद करने से भी पीछे नहीं हटे। सजाए गए दीवान पर शुनिवार से शुरु हुए अखंड पाठ का भोग भी डाला गया। इस अवसर पर गुरु का अटूट लंगर भी बरताया गया। समागम में जत्थेदार जोगेंद्र सिंह अहरवां, हरचरण सिंह, महेंद्र सिंह वधवा, एसएस मल्होत्रा, दर्शन सिंह रावल, गुरप्रीत सिंह, सीपी आहूजा, स्कूल प्राचार्य हरमीत सिंह, अरविंद सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में कविसरी प्रस्तुत करते बच्चे।

जेसीडी में एनएसडीसी विभाग की ट्रेनिंग हेतु बैठक आयोजित

पल पल न्यूज: सिरसा, 24 नवम्बर। जेसीडी विद्यापीठ में स्थापित इंजीनियरिंग कॉलेज में विगत दिवस एक बैठक का आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के उच्चाधिकारी प्रवि कपूर ने बतौर मुख्य वक्ता उपस्थित होकर इससे सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। इस मौके पर जेसीडी विद्यापीठ के प्रबन्ध निदेशक रियर एडमिरल राव सुरेन्द्र सिंह, इंजीनियरिंग के प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास व कॉलेज के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. एन.एस. भाल सहित समस्त स्टाफ सदस्य एवं अन्य लोग भी उपस्थित रहे। इस मौके पर सर्वप्रथम प्राचार्य डॉ. गुरचरण दास द्वारा प्रबन्ध निदेशक महोदय एवं एनएसडीसी के अधिकारी का स्वागत किया गया तथा संस्थान बारे विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर उन्होंने मुख्य वक्ता को संस्थान की कार्यशालाओं व कॉलेज का भ्रमण भी करवाया। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य सदैव विद्यार्थियों को प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए समय-समय पर कार्यक्रमों में उनका सहयोग प्राप्त करके उन्हें सफलता हासिल करवाना है। इस अवसर पर प्रवि कपूर ने एनएसडीसी के लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि देश के युवाओं को इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप ढालने के लिए भारत सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा विभिन्न ट्रेनिंग कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन करवाया जाता है, जिनका मुख्य उद्देश्य युवाओं को किसी भी विषय से संबंधित ऐसी ट्रेनिंग प्रदान करना है, जिससे इंडस्ट्री उन्हें आसानी से अपना सकें व युवाओं को भी बेहतर रोजगार प्राप्त हो सके। इन कार्यक्रमों से सम्बन्धित जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2014-15 में 33 लाख लोगों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए विभिन्न संस्थानों में ट्रेनिंग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए राव सुरेन्द्र सिंह एवं डॉ. एन.एस. भाल ने कहा कि हम एनएसडीसी का आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने जेसीडी विद्यापीठ में अपने इस कौशल प्रशिक्षण को करवाने के लिए चयनित किया गया है। उन्होंने इस अवसर पर एनएसडीसी के अधिकारी से निगम के विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा निकट भविष्य में विद्यार्थियों को उनसे जोड़ने का आश्वासन भी प्रदान किया। इस कार्यक्रम में जेसीडी इंजी. कॉलेज व बहुतकनीकी संस्थान के सभी विभागों के वरिष्ठ शिक्षक एवं अन्य स्टाफ सदस्यों ने भी हिस्सा लेकर अपने विचार प्रकट किए।

समुद्र से घिरी श्रीलंका में भी जल की कमी: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 25 नवंबर। माउंट आबु पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग, देहली में जल विद्युत बचत पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक, पर्यावरणविद् व जल स्टार रमेश गोयल ने बताया कि पूरे धरातल पर 71 प्रतिशत पानी है तथा हमारे शरीर में भी तीन चौथाई पानी है फिर भी हर समय हमें पानी चाहिए और बिना पानी मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता। उन्होंने गली मोहल्ले से लेकर भारत के विभिन्न प्रान्तों व विभिन्न देशों के पानी बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद के साथ ही पानी की कमी के कारण बताते हुए छोटे-छोटे उदाहरणों सहित जल बचाने व बर्बादी रोकने के उपाय बताए। बढ़ते प्रदूषण व वैश्विक तापमान तथा जलवायु परिवर्तन के कारण बरसात कम व असामयिक हो रही है जिससे नदियों में जल घट रहा है और इसी कारण भू जल दोहन बढ़ रहा है। पिछले 50 वर्षों में 25-30 फुट का भूजल स्तर 250 से 400 फुट तक नीचे चला गया है। उन्होंने बताया कि चारों ओर समुद्र से घिरी होने के बावजूद श्रीलंका में जल की कमी है। वहां बोतल बन्द एक लीटर पानी की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग एक सौ रूपये है और श्रीलंकन रूपये में यह लगभग 200 रूपये प्रति लीटर से अधिक है। होटलों में पानी व उर्जा बचत के लिए विशेष अनुरोध पट्टिकाएं लगी हैं। उन्होंने कहा कि पानी बचायेंगे तो बिजली बचेगी, बिल कम आने से धन बचेगा तथा विकास के कार्य भी बढ़ेंगे क्योंकि सरकार का पानी पर खर्च कम होगा। भविष्य की भयावह स्थिति सें बचने के लिए उन्होंने पानी बर्बाद न करने की अपील करते हुए बचत के छोटे-छोटे उपाय उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को समझाये।

देश-विदेश

दिलीप कुमार की हालत स्थिर

मुंबई। सर्दी और खांसी की शिकायत के बाद निमोनिया के उपचार के लिए कल अस्पताल में भर्ती कराये गये मशहूर अभिनेता दिलीप कुमार की हालत स्थिर है। परिवार के एक सूत्र ने आज कहा, ''दिलीप साहब अच्छे हैं। उनकी हालत स्थिर है और सुधार हो रहा है। वह सामान्य कक्ष में हैं और आईसीयू में नहीं हैं।'' सूत्रों ने बताया कि 91 वर्षीय अभिनेता को यहां के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नियमित जांच के लिए उन्हें निगरानी में रखा गया है।'' संपर्क किए जाने पर लीलावती अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि मशहूर अभिनेता को कल सीने में संक्रमण के कारण भर्ती कराया गया और उनकी हालत स्थिर है तथा सुधार हो रहा है। इससे पहले दिलीप कुमार को पिछले साल सितंबर में दिल का दौरा पड़ने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 'ट्रेजडी किंग' के तौर पर जाने जाने वाले दिलीप कुमार ने 'देवदास', 'मधुमति', 'मुगल-ए-आजम' और 'गंगा जमुना' जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है

सारदा घोटाला छोटा मामला नहीं : शशि थरूर

कोलकाता। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सारदा घोटाला छोटा मामला नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मामले में ठगे गए लोगों को न्याय मिलेगा और उन्हें उनका धन लौटाया जाएगा। एक कार्यक्रम से इतर यहां बातचीत में थरूर ने कहा, ''मैं ऐसे किसी भी विषय पर टिप्पणी नहीं करने जा रहा हूं जो जांच की प्रक्रिया में है। इसे कानूनी प्रक्रिया के ऊपर छोड़ते हैं और हम देखते हैं कि क्या निकलता है।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित तौर पर न्याय होना चाहिए। निर्दोष लोगों की बड़ी रकम ठगी गई है और अनेक मामलों में लोगों ने अपने जीवन भर की जमा पूंजी खो दी है। यह छोटा मामला नहीं है। न्याय अवश्य किया जाना चाहिए और लोगों को उनका धन लौटाया जाना चाहिए।''

पापुआ न्यू गिनी में 6.8 तीव्रता का भूकंप

सिडनी। पापुआ न्यू गिनी में समुद्र तट के नजदीक आज 6.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। हालांकि, इससे कोई विनाशकारी सुनामी आने की आशंका नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह छह बजकर 52 मिनट पर बोगेनविले द्वीप के पांगुना शहर से करीब 116 किलोमीटर दूर 10 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। इसके बाद बोगेनविले द्वीप पर 5.2 और 5.0 की तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए। जियोसाइंस ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ भूकंपविज्ञानी मार्क लियोनार्ड ने कहा कि इससे मामूली सुनामी आ सकती है भूकंप में जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

नयी शिक्षा नीति तैयार कर रही है केंद्र सरकार

नयी दिल्ली। सरकार एक नयी शिक्षा नीति तैयार करने की दिशा में काम कर रही है जिसका उद्देश्य गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार की कमी के कारण हमारी शैक्षणिक संस्थाओं को पेश आ रही चुनौतियों से निपटना है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उच्चतर शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार की नीतियों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज रहे हैं। विभाग ने बताया कि पिछले 20 वर्षों में शिक्षा के परिदृश्य में प्राथमिक शिक्षा के प्रति अधिकार आधारित दृष्टिकोण माध्यमिक शिक्षा के प्रति सुलभता प्रदान करने के प्रयास, उच्च शिक्षा के पुनर्विन्यास तथा नवाचार परिवेश पर इसका प्रभाव और वैश्विक परिवेश में स्थापित तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था में नयी प्रौद्योगिकियों के आने के संदर्भ में नवोन्मेषी शिक्षा के माध्यम से कौशल विकास जैसे अनेक विषय सामने आने से महत्त्वपूर्ण परिवर्तन सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा, 'सरकार एक नयी शिक्षा नीति तैयार करने की दिशा में काम कर रही है जिसका उद्देश्य गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार की कमी के कारण हमारी शैक्षणिक संस्थाओं को पेश आ रही चुनौतियों का सामना करना है।' आरटीआई के तहत शिक्षा के अधिकार के बारे में एक सवाल के जवाब में मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने कहा कि संविधान के 86वें संशोधन अधिनियम ने संविधान में एक प्रावधान किया है जिसके तहत छह से 14 वर्ष तक का प्रत्येक बच्चा प्रारंभिक शिक्षा पूरी होने तक निकटवर्ती स्कूल में निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त कर सके।

भारतीय-ब्रिटिश सिनेमा से जुड़ी किताब का विमोचन

लंदन। वर्ष 1930 से 1951 के बीच के भारतीय और ब्रिटिश सिनेमा के काल से जुड़ी एक किताब का यहां विमोचन किया गया जिसमें सफलता की कई छिपी हुई कहानियां एवं दोनों देशों के बीच के विशेष संबंधों का उल्लेख है। किताब में अंग्रेजी के अक्षर 'ए' से लेकर 'जेड' तक आने वाले ब्रिटिश, दक्षिण एशिया मूल और दुनिया के दूसरे इलाकों में उन लोगों की जानकारियां हैं जिन्होंने 1930 से 1951 के बीच ब्रिटेन एवं भारत के सिनेमा में एक साथ काम किया। यहां के नेहरू सेंटर में 'अ हिडेन हैरिटेज- इंडो-ब्रिटिश फिल्म कोलैबोरेशन इन यूके (1930-1951)' किताब का विमोचन किया गया। इस किताब पर पूरे एक साल काम किया गया है। साउथ एशिया सिनेमा फाउंडेशन (एसएसीएफ) की इस किताब का संपादन सामाजिक इतिहासकार डॉ. कुसुमपंत जोशी और फिल्म इतिहासकार एवं डॉक्यूमेंट्री निर्देशक ललित मोहन जोशी ने मिलकर किया है। ब्रिटेन के प्रसिद्ध सांस्कृतिक इतिहासकार और लंकैस्टर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेफ्री रिचर्डस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने किताब की प्रस्तावना लिखी है। ललित मोहन जोशी ने कहा, ''एसएसीएफ ने पिछले साल से 1930 और 1940 के दशक में फिल्म क्षेत्र में भारतीय-ब्रिटिश सहयोग के छिपे इतिहास पर शोध किया।'' किताब में कई अभिनेताओं, अभिनेत्रियों, उपन्यासकारों, पटकथाकारों, निर्देशकों, निर्माताओं, संगीतकारों, सेट डिजाइनरों आदि के जीवन विवरण शामिल हैं।

प्रेस के काम में दखल का इरादा नहीं : केंद्र

नयी दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि प्रेस की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखने की नीति के अनुकरण में भारत सरकार प्रेस की कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप नहीं करती है, फिर भी स्वनियमन के सिद्धांत को स्थापित करने के लिए भारतीय प्रेस परिषद की स्थापना की गई है। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत सूचना एवं प्रसारण मांत्रालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ''एक वैधानिक स्वायत्त निकाय के रूप में भारतीय प्रेस परिषद को प्रेस परिषद अधिनियम 1978 के अधीन स्थापित किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य देश में समाचारपत्रों एवं समाचार एजेंसी के मानकों को सुधारना एवं प्रेस के स्वनियमन के सिद्धांत को स्थापित करना है।'' मंत्रालय ने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद ने 'पत्रकारिता के आचरण के मानक' बना रखे हैं जिनके तहत पत्रकारिता के सिद्धांत एवं नीति शास्त्र आते हैं। अश्लील सामग्री के प्रकाशन से संबंधित शिकायत प्राप्त होने पर परिषद द्वारा चेतावनी दी जा सकती है और उनकी भर्त्सना या निंदा की जा सकती है।

ऐसे तो यह अतिक्रमण हटाओ अभियान भी हो जाएगा फुस्स

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसम्बर। एसपी मितेश जैन की अपील के बाद नगर पषिद अधिकारियों द्वारा शहर से अतिक्रमण हटाने का अभियान तो शुरू कर दिया, लेकिन पूर्व की भांति यह अभियान भी फुस्स साबित हो रहा है और बड़े प्रशासनिक अधिकारियों के मौके पर न होने के कारण इसके सफल होने में संशय बरकरार है क्योंकि पूर्व की भांति इस बार भी चलाए जा रहे अभियान दौरान छोटे कर्मचारी ही अतिक्रमण हटाने के लिए बाजार में जाते हैं। गरीब रेहड़ी चालकों को हटाने में तो वे पूरा जोर लगा रहे हैं, लेकिन दुकानदारों द्वारा फुटपाथ पर रखा गए सामान को हाथ भी नहीं लगाते। यदि इक्का-दुक्का दुकानदार का सामान ट्रॉली में डाल भी लेते हैं तो दुकानदार एकत्रित होकर उन्हें घेर लेते हैं और अपना सामान तक वापिस उतार लेते हैं। इस सबको देखते हुए बड़े प्रशासनिक अधिकारियों को कड़ा संज्ञान लेना होगा। हालांकि कल 8 दिसम्बर सोमवार से नगर परिषद अधिकारी शहर से अतिक्रमण हटाने का जोरदार अभियान चलाएंगे, जिसके तहत दुकानों के बाहर सामान रखने वाले दुकानदारों का पहले तो चालान काटा जाएगा और उसके बाद उसका सामान भी जब्त किया जाएगा। हालांकि इसकी शुरूआत सबसे पहले सीमेंट, रेता, बजरी व सरियों आदि की दुकानों से होगी। यह अभियान तभी सफल होगा, जब न केवल प्रशासनिक अधिकारी बल्कि पुलिस बल भी साथ हो और अभियान भी एक सिरे से शुरू करते हुए एक बाजार के सभी दुकानदारों पर समान रूप से कार्रवाई करनी शुरू की जाए। ऐसा करने से न तो कोई दुकानदार विरोध जता पाएगा और न ही किसी अधिकारी को घेरकर अपना सामान ट्रॉली से उतारने की कोशिश कर पाएगा। आमतौर पर देखा गया है कि नगर परिषद व ट्रेफिक पुलिस कर्मचारी ही शहर से अतिक्रमण हटाने के दौरान उपस्थित होते हैं।

इस दौरान वे बाजार में स्थित सभी दुकानदारों से एक समान व्यवहार नहीं करते। एक लाईन में स्थित 50 में से 40 दुकानदारों का सामान यदि बाहर पड़ा है तो वे मात्र 5 ही दुकानों का सामान जब्त करते हैं, जिस कारण वे भड़क जाते हैं और विरोध जताना शुरू कर देते हैं। नगर परिषद व ट्रेफिक पुलिस के छोटे कर्मचारी इस अभियान में होने के कारण वे घबरा जाते हैं और तुरंत वहां से खिसक लेते हैं, जिस कारण यह अभियान आज तक सफल नहीं हो पाया, जिस कारण दुकानदारों ने बिना किसी डर के बाजारों में सड़क तक अपना सामान रखकर बढ़-चढ़कर अतिक्रमण करना शुरू कर दिया है।

जिला के कई विभागों में नहीं आरटीआई की कैश डिपोजिट रसीद बुक

दीपक बिश्नोई

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसम्बर। प्रदेश के सरकारी विभागों की कछुआ चाल भरी लापरवाही का नतीजा प्रदेश की जनता किस प्रकार भुगतती है, इसका एक उदाहरण आज सामने आया है। राज्य जनसूचना अधिकार ने गत वर्ष 27 नवम्बर 2013 को एक आदेश पारित कर प्रदेश के सभी सरकारी विभागों में नियुक्त सूचना अधिकारियों को किसी व्यक्ति द्वारा मांगी गई आरटीआई की फीस विभाग में ही कैश रूप में लेने के लिए आरटीआई कैश रसीद बुक छपवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन निर्देश जारी होने के एक वर्ष बाद तक भी अनेक विभाग ऐसे हैं, जिनसे संबंधित किसी कार्य के लिए यदि कोई व्यक्ति आरटीआई लगाता है तो उसे उसकी रसीद संबंधित विभाग में ही कैश रूप में जमा करवाने की सुविधा नहीं मिलती, जिस कारण उसे डाकघर जाकर इंडियन पोस्टल ऑर्डर के रूप में अथवा ट्रैजरी में जाकर फीस भरवाने के लिए परेशान होना पड़ता है। यह खुलासा हुआ है आरटीआई कार्यकर्ता करतार सिंह द्वारा जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा डीआरडीए द्वारा उनके विभाग में कैश डिपोजिट रसीद बुक होने या न होने से संबंधित मांगी गई सूचना से। करतार सिंह ने बताया कि गत वर्ष उन्होंने ही राज्य जनसूचना अधिकारी को एक पत्र लिखकर आरटीआई कार्यकर्ताओं को विभिन्न विभागों से आरटीआई लगाकर सूचना लेने के लिए उसकी फीस भरवाने संबंधि उठाई जाने वाली परेशानियों के मद्देनजर सभी विभागों में ही नकद फीस का भुगतान सुनिश्चित करवाने तथा इसके लिए एक अलग कैश रसीद बुक उपलब्ध करवाने की मांग की थी, जिस पर संज्ञान लेते हुए राज्य जनसूचना अधिकारी ने गत 27 नवम्बर 2013 को सभी विभागों के अधिकारियों को पत्र लिखकर निर्देश दिया था कि उनके विभाग में यदि कोई आरटीआई लगाने आता है तो उससे संबंधित फीस विभाग में भी नकद रूप से जमा की जाए, जिसके लिए आवेदनकर्ता को बकायदा रसीद भी दी जाए, जिसकी व्यवस्था संबंधित विभाग के अधिकारी को ही करने के उन्होंने निर्देश भी दिए। राज्य जनसूचना अधिकारी ने निर्देशों की एक कॉपी भी उन्हें उपलब्ध करवाई थी और इन निर्देशों की पालना करवाना सुनिश्चित करने का भी वादा किया था। उन्होंने बताया कि इस बात की पड़ताल करने के लिए जब उन्होंने आरटीआई के लिए कैश डिपोजिट रसीद बुक होने संबंधित सूचना डीडीपीओ व डीआरटीए से मांगी तो डीडीपीओ ने जहां राज्य जनसूचना अधिकारी के इस प्रकार के निर्देशों की कॉपी पहुंचने से ही इन्कार कर दिया तो वहीं डीआरडीए सहित डीडीपीओ विभाग के सूचना अधिकारी ने कैश डिपोजिट रसीद बुक न होने की बात कही। वहीं, डीसी ऑफिस में कैश डिपोजिट रसीद बुक तो है, लेकिन उससे भी अभी तक मात्र एक ही रसीद जारी की गई है और उस रसीद बुक में भी कुछ खामियां हैं। करतार सिंह ने बताया कि राज्य सूचना अधिकारी के निर्देश का जिला के विभिन्न सरकारी विभागों में अभी तक अमल नहीं हो पाया है, जिस कारण अभी भी आरटीआई कार्यकर्ताओं को आरटीआई की फीस भरवाने के लिए डाकघर या ट्रैजरी ऑफिस जाना पड़ता है और वहां पर फीस भरवाकर और रसीद लेकर दोबारा से संबंधित विभाग में अपनी आरटीआई के दस्तावेज जम करवाने के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। करतार सिंह ने हरियाणा सरकार के मुख्य सचिव से इस बात की शिकायत करते हुए सभी विभागों में आरटीआई की कैश डिपोजिट रसीद बुक सुनिश्चित करवाने की मांग की तथा यह सुझाव भी दिया कि रसीद बुक की जगह यदि डाक टिकट की तरह ही फीस टिकट की सुविधा प्रदान कर दी जाए तो आरटीआई कार्यकर्ताओं को बेमतलब की परेशानियों से छुटकारा मिल जाएगा।

एक वर्ष पूर्व राज्य जनसूचना अधिकारी ने प्रत्येक विभाग के सूचना अधिकारी को दिए थे कैश डिपोजिट रसीद बुक छपवाने और विभाग में ही आरटीआई की फीस जमा करने के निर्देश

सरकार की अनदेखी से किसानों को नहीं मिल रहा यूरियाः जस्सा

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसम्बर। इनेलो की प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य जसवीर सिंह जस्सा ने कहा कि सरकार की अनदेखी के चलते किसानों को यूरिया की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। जस्सा ने कहा कि गेहूं की बुआई के बाद पहली सिंचाई के दौरान किसानों को यूरिया की आवश्यकता रहती है, मगर जिले में यूरिया की कमी के चलते किसानों की फसल प्रभावित हो रही है। उन्होंने चेताया कि यदि स्थिति यूं ही बनी रही तो फसल उत्पादन बेहद कम रहेगा जिसका खामियाजा सभी को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यूरिया बेचने वाले निजी दुकानदारों के पास स्टॉक पूरी तरह से खत्म है और संभवतः यही हाल सरकारी स्तर पर भी हो, ऐसे में किसानों को अपनी फसल को बचाना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक स्तर पर जिस भी सरकारी एजेंसी के पास थोड़ा बहुत स्टॉक है, वहां भी किसानों को महज 5 से 10 गट्टे तक यूरिया देने के आदेश हैं। ऐसे में उन किसानों के लिए चिंतनीय स्थिति है जिनकी जमीन 50 एकड़ से अधिक है क्योंकि एक एकड़ में करीब एक गट्टा यूरिया का प्रयोग आसानी से हो जाता है। इनेलो नेता ने कहा कि जहां एक ओर किसानों को बिजली और पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है वहीं फसल के लिए बेहद उपयोगी समझे जाने वाली यूरिया के लिए भी दर-दर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराने की अपील की।

आवश्यकता है
दुकान में काम करने के लिए
Computer Accountant
की जरूरत है। इच्छुक संपर्क करें :
बजाज क्लाथ हाऊस
रोड़ी बाजार, सिरसा
☎ 92156-49382

कल वार्ड नं. 16 में बंटेगी पैंशन

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसम्बर। नगर परिषद द्वारा जारी पैंशन वितरण अभियान के तहत कल 8 दिसम्बर को वार्ड नं. 16 की पैंशन पुराना एमसी ऑफिस में प्रातः 11:30 से 1:30 बजे, वार्ड नं. 19 की पैंशन सेठी धर्मशाला में दोपहर 3 से 5 बजे, वार्ड नं. 13 की पैंशन सैनी सभा में प्रातः 11:30 से 2:30 बजे, वार्ड नं 8 की पैंशन खैरपुर स्कूल में दोपहर 3 से 5 बजे, वार्ड नं. 15 की पैंशन सनातन धर्मशाला में प्रातः 11:30 से 1:30 बजे, वार्ड नं.ड. 17 की पैंशन मुल्तानी कालोनी के शिव मंदिर में दोपहर 3 से 5 बजे, वार्ड नं. 23 की पैंशन गांधी आश्रम में दोपहर 12 से 1:30 बजे, वार्ड नं. 20 की पैंशन जैन स्कूल में दोपहर 3 से 5 बजे, बांटी जाएगी।

सृपदंश से किसान की मौत

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसंबर। ओढ़ां क्षेत्र के गांव नुहियांवाली में शनिवार की रात्रि खेत में सिंचाई करने गए एक किसान की जहरीले सांप के काट लेने से मौत हो गई। मामले बाबत पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने मौके पर आकर स्थिति का जायजा लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल में भिजवाया। आज सुबह पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। जानकारी अनुसार गांव नुहियांवाली निवासी करीब 45 वर्षीय पृथ्वीराज पुत्र मनीराम, जोकि खेतीबाड़ी करता था। गत रात्रि को वह अपने खेत में भूमि की सिंचाई करने गया था। इसी दौरान उसका पैर एक सांप के बिल पर रखा गया और उसे जहरीले सांप ने काट लिया। पहले तो उसे लगा की कोई कांटा चुभ गया है, लेकिन जब उसने बाद में देखा तो उसे आभास हुआ की उसे सांप ने काटा है और उसने शोर मचा दिया। आसपास के लोगों ने आकर उसे अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचाया, लेकिन अस्पताल में आने के कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। मृतक शादीशुदा था और उसके दो बच्चे एक लड़का और एक लड़की है।

मकान मालिक पर लगाया सामान चोरी का आरोप

सिरसा, 7 दिसम्बर। चतरगढ़पट्टी निवासी एक युवती ने अपने मकान मालिक पर ही सामान चोरी का आरोप लगाते हुए हुडा चौकी में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता युवती मनजीत कौर पुत्री बलवंत सिंह ने बताया कि उसका विवाह रानिया के ढाणी आसा सिंह में हुआ था, लेकिन उसका व उसके पति का कोर्ट में मामला चल रहा है। इस कारण वह चतगरपढ़पट्टी में झोपड़ा रोड पर साबुन फैक्ट्री के सामने स्थित एक मकान में अपने बच्चों के साथ किराये पर रह रही है। उन्होंने बताया कि कुछ समय पूर्व मकान मालिक ने उसे मकान खाली करने के लिए कहा, लेकिन उसने बच्चों की परीक्षाओं के बाद मकान खाली करने की बात कही। उन्होंने बताया कि गांव मोरीवाला में उनके परिचित परिवार का विवाह था, जिसके लिए वह अपने पिता के पास गांव गई हुई थी। आरोप है कि जब वह शादी में शिरकत करने के लिए अपने घर पर जेवर व अन्य सामान लेने गत सायं गई तो घर के ताले टूटे पड़े थे और सारा कीमती सामान गायब था। उन्होंने मकान मालिक पर ही चोरी का आरोप लगाते हुए हुडा चौकी इंचार्ज से सामान वापिस दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि उन्होंने मकान का किराया भी एडवांस दे रखा है, लेकिन फिर भी मकान मालिक उससे महीना पूरा होने से पहले ही मकान खाली करवाना चाहता था और इसी नियत से उसने गत दिवस उसके घर पर यह वारदात की।

दो हादसों में तीन घायल, एक गंभीर

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसंबर। जिले में हुए दो हादसों में तीन लोग घायल हो गए। तीनों को सामान्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से एक युवक को गंभीर हालत होने के कारण उसे रैफर कर दिया गया। पहले मामले में गांव केसुपुरा निवासी मेहर सिंह ने बताया कि वह अपने दोस्त खारी सुरेरां निवासी कालू के साथ किसी काम से बाइक पर सिरसा आया हुआ था। उसने बताया कि सांय को वापस जाते वक्त गांव ओटू के पास स्थित नहर पर उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और दोनों घायल हो गए। दोनों को आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से कालू को प्राथमिक उपचार के बाद रैफर कर दिया गया। दूसरे मामले में गांव जगमालवाली निवासी हरदीप सिंह पुत्र मनी सिंह को पैदल घर जाते वक्त रास्ते में बाइक सवार ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसने बताया कि वह रिश्तेदारी में संगरिया गया हुआ था। वह सांय को पैदल लौट रहा था तभी सामने से आ रहे बाइक सवार ने उसे सामने से टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया।

जनहित के प्रत्येक कार्य करवाएं पूरेः नेहरा

पल पल न्यूज: सिरसा, 7 दिसम्बर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व मंत्री जगदीश नेहरा ने आज अपने विधानसभा क्षेत्र के खारिया गांव में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की विकासशील नीतियों के बारे में लोगों को बताया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कहा कि लोगों के विकास के कार्यों को करवाने के लिए वे हर वक्त तैयार रहें। उन्होंने ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि किसी भी जनहित के कार्यों को करवाने की भरपूर कोशिश करेंगे क्योंकि क्षेत्र का विकास ही मुख्य विकास है। उन्होंने लोगों से कहा कि आप ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बनें और अपने साथियों को भारतीय जनता पार्टी के सदस्य बनने के लिए कहें। नेहरा ने कहा कि बेशक क्षेत्र की जनता ने विधानसभा चुनाव में उनका साथ नहीं दिया, लेकिन फिर भी वे सदैव ग्रामीणों के बीच ही रहेंगे और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी हासिल कर उनका समाधान करवाने में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर हर वर्ग का ध्यान रखते हुए योजनाएं बना रहे हैं। उनका मकसद गरीब व दबे-कुचले लोगों की आर्थिक व सामाजिक उन्नति करना है, जिसके लिए वे कार्यरत हैं। इस मौके पर नरेंद्र नैण, बनवारी लाल बांदर, दलीप बांदर, पृथ्वी सिंह नैण, रवि नैण, ओम प्रकाश नैण, राजबीर पूनियां, पालाराम पूनियां, धर्मपाल मेहता, ओम प्रकाश पूर्व पंच, रामनिवास पूनियां, जयपाल नैण, कृपाल नैण, भीम सैन नम्बरदार आदि सैंकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने एक समारोह मे भी शिरकत की।

राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनावों के परिणाम घोषित

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के परिणाम आना शुरू हो गए। जयपुर कॉमर्स कॉलेज में पंकज चाहर अध्यक्ष, अभिषेक सोरेन उपाध्यक्ष, नितिन कुमार महासचिव तथा टीकम चंद संयुक्त सचिव चुने गए। महारानी कॉलेज में कोमल मीणा अध्यक्ष, मीनाक्षी महर्षि महासचिव तथा भूमिका को उपाध्यक्ष घोषित किया गया। महाराजा कॉलेज में संजय सिंह शेखावत अध्यक्ष बनाए गए। राजस्थान आर्ट्स कॉलेज में विनोद जाखड अध्यक्ष, चेतन कुमार यादव उपाध्यक्ष, अशोक पूनिया महासचिव चुने गए। राजस्थान यूनिवर्सिटी के एबीएसटी विभाग में अशोक बैरवा तथा ईएएफएम विभाग में श्रवण यादव को अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। रिसर्च प्रतिनिधि के पद पर बंशीलाल बहेड़ा जीते। उल्लेखनीय है कि इन्होंने ही हाईकोर्ट में चुनाव परिणाम पर रोक लगाने के लिए याचिका दायर की थी। संयुक्त सचिव पर मोहित महावर चुने गए। विधि महाविद्यालय (प्रातकालीन) में अजय कुमार कुशवाहा अध्यक्ष, महेन्द्र कुमार बैरवा उपाध्यक्ष, रामनरेश महासचिव, चेतन कामड संयुक्त सचिव निर्वाचित किए गए। उल्लेखनीय है कि छात्रसंघ चुनावों की मतगणना रविवार सुबह 10 बजे मानविकी पीठ सभागार में शुरू कर दी गई थी। महाराजा, महारानी, कॉमर्स, राजस्थान और विधि महाविद्यालय की मतगणना संबंधित केंद्र पर की जा रही है। मतगणना की सभी तैयारी शनिवार को पूरी की गई थी। छात्रसंघ अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, संयुक्त सचिव और शोध छात्र प्रतिनिधि पद के लिए 33 प्रत्याशी मैदान में हैं।

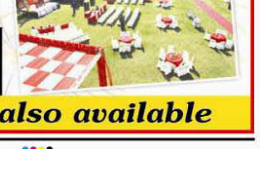

शाहपुर बेगू स्कूल में गणतंत्र दिवस पर हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

पल पल न्यूज: सिरसा, 28 जनवरी। राजकीय उच्च विद्यालय शाहपुर बेगू में 72वें गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जाल स्टार रमेश गोयल तथा चन्द्रभान सरपंच व विजय कुमार पंचायत सदस्य विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि का स्वागत सीताराम खजी ने किया तथा मुख्य अध्यापिका सुमन गौतम ने कार्यक्रम में सभी सदस्यों का स्वागत किया। स्कूल के बच्चों द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ पर लघु नाटिका प्रस्तुत कर नारी शिक्षा के लिए सन्देश दिया। कुमारी नीलू ने योग द्वारा स्टंट करते हुए सभी

दर्शकों का मन मोह लिया। कुछ बच्चों द्वारा एक देश भक्ति कोरियोग्राफी प्रस्तुत की गई। भ्रष्टाचार एक अभिशाप पर भी बच्चों ने नाटक प्रस्तुत किया। स्कूल की छात्राओं द्वारा डम्बल शो कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। रमेश गोयल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चों में बहुत प्रतिभा होती है किसी काम को करने के लिए दृढ़ संकल्प व इच्छाशक्ति होनी चाहिए। किसी भी काम को करना कोई मुश्किल नहीं। अध्यापक भी बच्चों को उनकी प्रतिभा देखकर आगे बढ़ने में सहयोग करें। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि रमेश गोयल द्वारा कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा अश्वनी कुमार ने सभी का धन्यवाद किया। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को मुख्यध्यापिका द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच संचालन सुषमा पीजीटी ने किया। मुख्य अतिथि ने सभी बच्चों को प्रसाद के रूप में लड्डू वितरित किए। इस अवसर पर सोनिया, अश्वनी, सुषमा, वीना रानी, रूपा रानी, सीता राम, रेखा, सुलोचना, जुझार सिंह, ओम प्रकाश, संजय, गौरव गिरी, राजेन्द्र कुमार, सुरजीत, कुलदीप राम, मधु बाला मुख्यध्यापिका, मनोज, अंशुल आदि उपस्थित रहे।

पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बर्बाद करते हैं। भू-जलस्तर में तेजी से गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध जल का एक प्रतिशत से भी कम है। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति औसतन अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों से जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल ऊर्जा संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं-

- कभी भी नल को खुला न छोड़ें।
- पुश बटन वाली टूंटी लगवाएं।
- शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग मग से ही करें।
- नहाते समय बाल्टी तथा छोटे लोटे या मग का ही प्रयोग करें।
- कपड़ों को मशीन में नहीं बाल्टी में खंगालें।
- कम कपड़ों में मशीन न चलाएं।
- ड्रायर का पानी सफाई के काम में लें।
- पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। टंकी में अलॉम 'वाटर बेल' लगवाएं।
- पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- फर्श धोने की बजाय केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- छिड़काव बिल्कुल न करें।
- भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिजार्चर लगायें व सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनाएं।
- वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब व परम्परागत जल संग्रहक में पानी एकत्रित करें।
- तम्बाकू का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। हर वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और पेड़ बनने तक उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- लकड़ी के सामान का कम से कम प्रयोग करें।

स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें। कूड़ा कर्कट खुल्ले में न डालें।

❊ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलाएं। ❊ बड़े बल्ब की बजाय एलईडी ट्यूब प्रयोग करें। ❊ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलाएं। ❊ सौर ऊर्जा उपकरण उपयोग करें। ऊर्जा बचेगी व स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा-पानी बचेगा, जीवन बचेगा

भोजन तैयार होने तक अन्न, श्रम, जल, ऊर्जा, धन व कई महीनों का समय लगता है।
भोजन बर्बाद न करें। इतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/ नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचायें।

अभियान संचालक – **रमेश गोयल,** पर्यावरणविद् एवं जल स्टार
Phone : 9416049757 E-mail: rameshgoyalsrs@gmail.com www.facebook.com/ramesh.goyal.52

पर्यावरण प्रेरणा

(वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण रोकथाम एवं स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्थान)

कृपया पढ़कर फेंके नहीं, किसी अन्य को पढ़ने के लिए दे दें।

अक्षर प्रिंटर्स 9717225609, 9136802169

पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बर्बाद करते हैं। भू-जलस्तर में तेजी से गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध जल का एक प्रतिशत से भी कम है। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति औसतन अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों से जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल ऊर्जा संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं-

- कभी भी नल को खुला न छोड़ें।
- पुश बटन वाली टूंटी लगवाएं।
- शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग मग से ही करें।
- नहाते समय बाल्टी तथा छोटे लोटे या मग का ही प्रयोग करें।
- कपड़ों को मशीन में नहीं बाल्टी में खंगालें।
- कम कपड़ों में मशीन न चलाएं।
- ड्रायर का पानी सफाई के काम में लें।
- पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। टंकी में अलॉम 'वाटर बेल' लगवाएं।
- पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- फर्श धोने की बजाय केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- छिड़काव बिल्कुल न करें।
- भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिजार्चर लगायें व सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनाएं।
- वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब व परम्परागत जल संग्रहक में पानी एकत्रित करें।
- तम्बाकू का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। हर वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और पेड़ बनने तक उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- लकड़ी के सामान का कम से कम प्रयोग करें।

स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें। कूड़ा कर्कट खुल्ले में न डालें।

❊ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलाएं। ❊ बड़े बल्ब की बजाय एलईडी ट्यूब प्रयोग करें। ❊ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलाएं। ❊ सौर ऊर्जा उपकरण उपयोग करें। ऊर्जा बचेगी व स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा-पानी बचेगा, जीवन बचेगा

भोजन तैयार होने तक अन्न, श्रम, जल, ऊर्जा, धन व कई महीनों का समय लगता है।
भोजन बर्बाद न करें। इतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/ नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचायें।

अभियान संचालक – **रमेश गोयल,** पर्यावरणविद् एवं जल स्टार
Phone : 9416049757 E-mail: rameshgoyalsrs@gmail.com www.facebook.com/ramesh.goyal.52

पर्यावरण प्रेरणा

(वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण रोकथाम एवं स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्थान)

कृपया पढ़कर फेंके नहीं, किसी अन्य को पढ़ने के लिए दे दें।

अक्षर प्रिंटर्स 9717225609, 9136802169

पर्यावरण, जल, ऊर्जा बचाएं

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते है जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों में जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ✡ पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ✡ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ✡ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ✡ लकड़ी का कम से कम प्रयोग करें। स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा – पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार

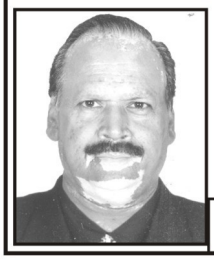

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार
राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्
बी.एम.-19 (प.), शालीमार बाग, दिल्ली

Email : rameshgoyalsrs@gmail.com https://www.facebook.com/ramesh.goyal.52?fref=ts

#20, R.S.D. Colony, Sirsa-125055 (Haryana)

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

पर्यावरण, जल, ऊर्जा बचाएं

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते है जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों में जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ✡ पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ✡ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ✡ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ✡ लकड़ी का कम से कम प्रयोग करें। स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा – पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार

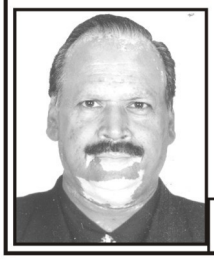

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार
राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्
बी.एम.-19 (प.), शालीमार बाग, दिल्ली

Email : rameshgoyalsrs@gmail.com https://www.facebook.com/ramesh.goyal.52?fref=ts

#20, R.S.D. Colony, Sirsa-125055 (Haryana)

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

पर्यावरण, जल, ऊर्जा बचाएं

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते है जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों में जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ✡ पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ✡ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ✡ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ✡ लकड़ी का कम से कम प्रयोग करें। स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा – पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार

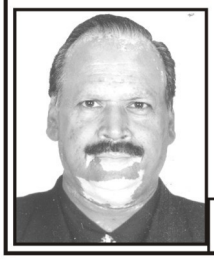

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार
राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्
20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा-125055 (हरि.)
Email : rameshgoyalsrs@gmail.com https://www.facebook.com/ramesh.goyal.52?fref=ts
R.M.G. & CO. Chartered Accountants, SIRSA & DELHI M. 099107-85275

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

पर्यावरण, जल, ऊर्जा बचाएं

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते है जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों में जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ✡ पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ✡ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ✡ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ✡ लकड़ी का कम से कम प्रयोग करें। स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा – पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार

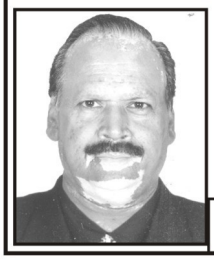

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार
राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्
बी.एम.-19 (प.), शालीमार बाग, दिल्ली

Email : rameshgoyalsrs@gmail.com https://www.facebook.com/ramesh.goyal.52?fref=ts

#20, R.S.D. Colony, Sirsa-125055 (Haryana)

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बर्बाद करते हैं। भू–जलस्तर में तेजी से गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्त्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध जल का एक प्रतिशत से भी कम है। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100/– बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति औसतन अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों से जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल ऊर्जा संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं–

- ❊ कभी भी नल को खुला न छोड़ें।
- ❊ पुश बटन वाली टूंटी लगवाएं।
- ❊ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग मग से ही करें।
- ❊ नहाते समय बाल्टी तथा छोटे लोटे या मग का ही प्रयोग करें।
- ❊ कपड़ों को मशीन में नहीं बाल्टी में खंगालें।
- ❊ कम कपड़ों में मशीन न चलाएं।
- ❊ ड्रायर का पानी सफाई के काम में लें।
- ❊ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। टंकी में अर्लाम 'वाटर बेल' लगवाएं।
- ❊ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ❊ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ❊ फर्श धोने की बजाय केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ❊ छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❊ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिजार्चर लगायें व सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनाएं।
- ❊ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब व परम्परागत जल संग्रहक में पानी एकत्रित करें।
- ❊ तम्बाकू का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। हर वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और पेड़ बनने तक उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ❊ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ❊ लकड़ी के सामान का कम से कम प्रयोग करें।

स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें। कूड़ा कर्कट खुल्ले में न डालें।

❊ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलाएं। ❊ बड़े बल्ब की बजाय एलईडी ट्यूब प्रयोग करें। ❊ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलाएं। ❊ सौर ऊर्जा उपकरण उपयोग करें। ऊर्जा बचेगी व स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा–पानी बचेगा, जीवन बचेगा

भोजन तैयार होने तक अन्न, श्रम, जल, ऊर्जा, धन व कई महीनों का समय लगता है।
भोजन बर्बाद न करें। इतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/ नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचायें।

अभियान संचालक – रमेश गोयल, पर्यावरणविद् एवं जल स्टार

Phone : 9416049757 E-mail: rameshgoyalsrs@gmail.com www.facebook.com/ramesh.goyal.52

पर्यावरण प्रेरणा

(वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण रोकथाम एवं स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्थान)

कृपया पढ़कर फेकें नहीं, किसी अन्य को पढ़ने के लिए दे दें।

अक्षर प्रिंटर्स 9717225609, 9136802169

सांझे प्रयास से ही रुक सकता है पर्यावरण प्रदूषण

विश्व पर्यावरण दिवस 2019 पर विशेष

रमेश गोयल

5 जून को हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण यानि पौधारोपण व वृक्ष रक्षण, जल-ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण की रोकथाम, प्लास्टिक का प्रयोग रोकना व स्वच्छता। पर्यावरण दिवस सर्व प्रथम अमेरिका में 1974 में आयोजित किया गया था और तब से निरन्तर हर वर्ष किसी न किसी देश में नए ध्येय वाक्य के साथ यह आयोजित किया जाता है। 45 वर्ष पूर्व आरम्भ इस जागरूकता अभियान में 143 देश भागीदारी कर रहे हैं। वर्ष 2019 में यह चीन में 'वायु प्रदूषण रोकें' ध्येय वाक्य के साथ 5 जून को आयोजित किया जा रहा है। हम सांस लेना बन्द नहीं कर सकते परन्तु वायु की शुद्धता बढ़ाने के लिए प्रयास अवश्य कर सकते हैं। 5 जून 2018 को यह नई दिल्ली (भारत) में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में ध्येय वाक्य 'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' के साथ आयोजित किया गया था। आर्ट आफ लिविंग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में केन्द्रीय पर्यावरण मन्त्री डॉ. हर्षवर्धन व श्री श्री रविशंकर जी मुख्य अतिथि व केन्द्रीय राज्यमन्त्री महेश शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। सौभाग्य से मुझे इस कार्यक्रम में सहभागिता का सुअवसर मिला था। भारत में इससे पूर्व 2011 में भी यह आयोजन हो चुका है। बंगलादेश में अब तक सर्वाधिक 10 बार यह आयोजन हुआ है।

विश्व स्तर पर वायु प्रदूषण के कारण 92 प्रतिशत लोग शुद्ध हवा में सांस नहीं ले पाते। वायु प्रदूषण सुधार हेतु विश्व में 5 लाख करोड़ डालर प्रतिवर्ष खर्च होने के बावजूद 70 लाख लोगों की प्रदूषित वायु के कारण असामयिक मृत्यू हो जाती है जिनमें से अकेले एशिया में 40 लाख लोग प्रतिवर्ष मरते हैं। पर्यावरण दिवस का उद्देश्य है कि व्यक्ति, समाज व सरकारें साथ मिलकर अक्षय उर्जा का अन्वेषण व हरित प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करना चाहिए और विश्व स्तर पर वायु की गुणवता को शुद्ध करने का प्रयास करना चाहिए। वास्तव में प्रदूषण बढ़ने से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है जिसके कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है जो प्राकृतिक आपदाओं का मुख्य कारण है। वायु प्रदूषण के मुख्य कारण या स्त्रोत इस प्रकार है-

1. उद्योग, 2. पेट्रोलियम चालित वाहन, 3. बिना विद्युतरोधित उच्च वोल्टेज वाली पावर लाइनें, 4. कीड़ेमार दवाईयां, 5. रेडियोधर्मिता होना यानि परमाणु ऊर्जा से निकलने वाली धूल/राख, 6.खाद/उर्वरक धूल, 7. भवन के अन्दर का प्रदूषण जहां हवा के लिए उचित जंगला-रोशनदान न हों (आजकल अधिकतर ऐसे ही भवन निर्माण होते हैं) 8. खनन संक्रियाएं, 9.मिल्स व प्लांटस (पेपर मिल, लोहा व स्टील मिल, कैमिकल्स व सिमेंट फैक्ट्रियां आदि) से निकलने वाली गैसें, 10. इंधन व अन्य जलने वाली सामग्री।

वायु प्रदूषण से जहां सामान्य जीवन दूभर होता जा रहा है और मास्क लगाकर भी सांस लेना सहज नहीं होता वहीं इसके दुष्प्रभाव कृषि पर भी पड़ते हैं। 20-25 प्रतिशत तक फसल प्रभावित होती है। खाद्य असुरक्षा बढ़ती है वहीं पानी की कमी भी बढ़ती है और सुखा-अकाल की स्थिति उत्पन्न होती है। इससे समुद्र तल भी प्रभावित हो रहा है। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए हमें प्रदूषित सामग्री (कच्चा माल) की बजाय यदि उपलब्ध हो तो अन्य सामग्री का उपयोग करना चाहिए। अग्नि युक्त कार्यों को कम करना चाहिए तथा प्रदूषण नियन्त्रण संयंत्रों का अधिक प्रयोग करना चाहिए। पेट्रोल व डीजल की बजाय सीएनजी का प्रयोग करना चाहिए। उद्योगों, जनरेटर व अन्य ऐसे सभी संयंत्र प्रदूषण नियत्रंक ही होने चाहिए। कूड़ा कचरा आदि बिल्कुल न जलायें। रिसाइक्लिंग की व्यवस्था करें। गीला कूड़ा खाद में बदलें। अधिकाधिक वृक्ष लगाएं क्योंकि वृक्ष ही वायु प्रदूषण रोकने में सर्वाधिक सक्षम व सार्थक है। सौर ऊर्जा का प्रयोग करके तापमान घटाने में सहयोग करें। प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद न करें व उनका संरक्षण अपने दैनिक जीवन का अंग बनाएं।

भाविप शाखाएं संगोष्ठियां/सेमिनार/रैली आयोजित करें। बैनर/फलैक्स सार्वजनिक स्थानों पर लगवाये। पम्फलैट छपवाकर वितरित करें।

-राष्ट्रीय मन्त्री पर्यावरण,
भारत विकास परिषद
मो. 094160049757

स्नानघरों से निकले पानी का हो समुचित उपयोग: गोयल

पल पल न्यूज: सिरसा, 21 फरवरी। विश्व स्तरीय संस्थान वाटरएड द्वारा केन्द्रीय स्वच्छ जल एवं सफाई व्यवस्था मंत्रालय व शहरी विकास मंत्रालय के सहयोग से इंडिया इन्टरनेशनल सैन्टर नई दिल्ली में 16 से 18 फरवरी को 'स्वच्छ भारत के लिए समाधान इंडिया वाश समिट' नाम से कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें देश- विदेश से सरकारी व स्वयं सेवी संगठनों के लगभग 600 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए जो अपने अपने कार्य क्षेत्र में सक्रिय व निपुण थे। पर्यावरणविद व भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक रमेश गोयल ने इसमें भागीदारी की और बड़े संस्थानों (धर्मशाला, होस्टल आदि), जहां प्रतिदिन सैकड़ों-हजारों व्यक्ति स्नान करते हैं, के स्नानघरों के प्रयोग किए हुए पानी को अलग टैंक में एकत्रित करके शौचालयों में काम लेने की योजना पर चर्चा की। चार समूहों में स्वच्छ भारत के लिए अलग अलग विषयों पर चर्चा-परिचर्चा हुई। मुख्य विषयों में स्वच्छ भारत के लिए जल सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, 'वाश सेवाओं की अच्छी व्यवस्था योजना', जन आधारित तकनीक, स्वच्छ भारत मिशन के मानवीय व आर्थिक साधन, जनोपयोगी कार्यक्रमों के संचालकों का व्यवहार, महिलाओं की असमानता के कारण वाश कार्यक्रम पर प्रभाव, गांव-जिला स्तर पर स्वच्छ भारत -अनुसंधान व जानकारी, गन्दे पानी का निपटान, शौचालय उपलब्धता व आवश्यकता, विद्यालय स्तर पर स्वच्छता आदि 15 विषयों पर देश-विदेश के विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की गई और प्रतिभागियों ने परिचर्चा में भाग लिया। विशेषज्ञों में सम्बन्धित केन्द्रीय विभागों के अधिकारीगण, विभिन्न प्रान्तों के मुख्य सचिव, प्रधान सचिव व अन्य अधिकारी, देश विदेश के विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों व कुछ सामाजिक संगठनों के प्रमुखों के अतिरिक्त यूनिसैफ विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व खाद्य कार्यक्रम, अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य योजना अनुसंधान संस्थान, विश्व बैंक आदि के अधिकारी सम्मिलित थे यहीं प्रतिनिधियों ने परिचर्चा में खुलकर भाग लेकर अपने ज्ञान व रूचि का भरपूर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ 16 फरवरी को आयोजक संस्था वाटरएड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीरज जैन के स्वागत भाषण से हुआ जिसमें केन्द्रीय ग्रामीण विकास तथा स्वच्छ जल और सफाई व्यवस्था मंत्री चौ. बिरेन्द्र सिंह मुख्य अतिथि थे। समापन समारोह में केन्द्रीय पर्यावरण और वन मन्त्री प्रकाश जावेडकर मुख्य अतिथि थे और अध्यक्षता अल्पसंख्यक कार्य मन्त्री डॉ. नजमा हेपतुल्ला ने की। स्वच्छ जल एवं सफाई व्यवस्था मन्त्रालय के निदेशक सुजोय मजुमदार व वाटरएड के डॉ. अविनाश कुमार ने आभार व्यक्त किया। स्वच्छ भारत अभियान के लिए यह अति महत्वपूर्ण प्रयास है।

इंडिया वाश समिट में भाग लेते रमेश गोयल।

जल चालीसा से जल बचाने का संदेश दे रहा बुजुर्ग

जागरण संवाददाता, सिरसा : शहर का एक वरिष्ठ नागरिक रमेश गोयल जल दूत बनकर लोगों को जल बचाने का पाठ पढ़ा रहा है। 67 साल की उम्र में भी उनकी लगन कम नहीं हुई है। घर घर में जल बचाने का संदेश पहुंचाने के लिए रमेश गोयल ने पूरी जल चालीसा ही लिख दी है। अब हर मंच से वो सिर्फ जल बचाने की ही बात करते हैं। समाचार पत्रों में जल संकट के लेख पढ़ते-पढ़ते गोयल का मन भी विचलित हुआ और उन्होंने जल दोहन को रोकने और जल संरक्षण की मुहिम चलाने का फैसला लिया। इसीलिए 2008 में 60 वर्ष की उम्र में 'जल बचत जागरूकता अभियान' छेड़ दिया। अब तक देश-प्रदेश की करीब 250 शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जाकर हजारों विद्यार्थियों को जल बचाने की प्रेरणा दी है। साथ ही ढाई लाख विज्ञप्तियां छपवाकर विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से उनके परिवारों में वितरित कर चुके हैं। 700 से अधिक जल बचत प्रेरक बैनर शिक्षण संस्थानों, मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर लगवा चुके हैं और निरंतर लगवा रहे हैं।

छह संस्करणों में प्रकाशित हुई जल चालीसा

रमेश गोयल पर जल बचत की धुन का ही असर है कि अब तक छह संस्करणों में जल चालीसा की 30 हजार प्रतियां प्रकाशित करवा चुके हैं। जल चालीसा के प्रथम संस्करण का विमोचन 24 अप्रैल 2012 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया था। अब इस जल चालीसा का सोशल मीडिया के जरिये प्रचार-प्रसार चल रहा है।

एडवोकेट रमेश गोयल कार्यक्रम में संबोधित करते हुए। फाइल फोटो

जल चालीसा से जल बचाने का संदेश दे रहा बुजुर्ग

जागरण संवाददाता, सिरसा : शहर का एक वरिष्ठ नागरिक रमेश गोयल जल दूत बनकर लोगों को जल बचाने का पाठ पढ़ा रहा है। 67 साल की उम्र में भी उनकी लगन कम नहीं हुई है। घर घर में जल बचाने का संदेश पहुंचाने के लिए रमेश गोयल ने पूरी जल चालीसा ही लिख दी है। अब हर मंच से वो सिर्फ जल बचाने की ही बात करते हैं। समाचार पत्रों में जल संकट के लेख पढ़ते-पढ़ते गोयल का मन भी विचलित हुआ और उन्होंने जल दोहन को रोकने और जल संरक्षण की मुहिम चलाने का फैसला लिया। इसीलिए 2008 में 60 वर्ष की उम्र में 'जल बचत जागरूकता अभियान' छेड़ दिया। अब तक देश-प्रदेश की करीब 250 शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में जाकर हजारों विद्यार्थियों को जल बचाने की प्रेरणा दी है। साथ ही ढाई लाख विज्ञप्तियां छपवाकर विद्यार्थियों व संस्थाओं के माध्यम से उनके परिवारों में वितरित कर चुके हैं। 700 से अधिक जल बचत प्रेरक बैनर शिक्षण संस्थानों, मंदिरों व सार्वजनिक स्थानों पर लगवा चुके हैं और निरंतर लगवा रहे हैं।

छह संस्करणों में प्रकाशित हुई जल चालीसा

रमेश गोयल पर जल बचत की धुन का ही असर है कि अब तक छह संस्करणों में जल चालीसा की 30 हजार प्रतियां प्रकाशित करवा चुके हैं। जल चालीसा के प्रथम संस्करण का विमोचन 24 अप्रैल 2012 को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया था। अब इस जल चालीसा का सोशल मीडिया के जरिये प्रचार-प्रसार चल रहा है।

एडवोकेट रमेश गोयल कार्यक्रम में संबोधित करते हुए। फाइल फोटो

रमेश गोयल ने देहली में दिया जल-विद्युत बचत का संदेश

पल पल न्यूजः सिरसा, 14 नवंबर। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक, पर्यावरणविद् व जल स्टार हरियाणा रमेश गोयल ने राजकीय सर्वोदय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शालीमार बाग, देहली में जल विद्युत बचत पर विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि पूरे धरातल पर 71 प्रतिशत पानी होने के साथ-साथ हमारे शरीर में भी तीन चौथाई पानी है। फिर भी हर समय हमें पानी चाहिए और बिना पानी मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता। छोटे-छोटे उदाहरणों सहित जल बचाने व बर्बादी रोकने के उपाय बताए। उन्होंने गली मोहल्ले से लेकर भारत के विभिन्न प्रान्तों व विभिन्न देशों के पानी बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद के साथ ही पानी की कमी के कारण बताते हुए कहा कि एक छोटी सी चिंगारी से भयावह अग्निकांड हो सकता है। एक सेकंड का समय (ब्रेक लगाने में) चूकने पर गम्भीर दुर्घटना हो सकती है, उसी प्रकार दो घूंट पानी न मिल पाने के कारण किसी की भी जान जा सकती है। बढ़ते प्रदूषण व वैश्विक तापमान तथा जलवायू परिवर्तन के कारण बरसात कम व असामयिक हो रही है जिससे नदियों में जल घट रहा है और इसी कारण भू जल दोहन बढ़ रहा है। पिछले 50 वर्षों में 25-30 फुट का भूजल स्तर 250 से 400 फुट तक नीचे चला गया है। उन्होंने बताया कि चारों ओर समुद्र से घिरी होने के बावजूद श्रीलंका में जल की कमी है। वहां बोतल बन्द एक लीटर पानी की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग एक सौ रूपये है और श्रीलंकन रूपये में यह लगभग 200 रूपये प्रति लीटर से अधिक है। होटलों में पानी व उर्जा बचत के लिए विशेष अनुरोध पट्टिकाएं लगी हैं। भविष्य की भयावह स्थिति से बचने के लिए उन्होंने पानी बर्बाद न करने की अपील करते हुए बचत के छोटे-छोटे उपाय उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को समझाये। प्रधानाचार्या मन्जु गुप्ता ने गोयल का अभिनन्दन किया और आभार व्यक्त किया। राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शालीमार बाग, देहली में विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। प्राध्यापक विनय गौतम ने उनका अभिनन्दन किया और प्रधानाचार्य कमलेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। दोनों कार्यक्रमों में लगभग 2600 विद्यार्थी थे।

दिल्ली के स्कूल में जल बचत पर विद्यार्थियों को संबोधित करते रमेश गोयल।

रमेश गोयल ने देहली में दिया जल-विद्युत बचत का संदेश

पल पल न्यूजः सिरसा, 14 नवंबर। भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक, पर्यावरणविद् व जल स्टार हरियाणा रमेश गोयल ने राजकीय सर्वोदय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शालीमार बाग, देहली में जल विद्युत बचत पर विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि पूरे धरातल पर 71 प्रतिशत पानी होने के साथ-साथ हमारे शरीर में भी तीन चौथाई पानी है। फिर भी हर समय हमें पानी चाहिए और बिना पानी मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता। छोटे-छोटे उदाहरणों सहित जल बचाने व बर्बादी रोकने के उपाय बताए। उन्होंने गली मोहल्ले से लेकर भारत के विभिन्न प्रान्तों व विभिन्न देशों के पानी बंटवारे को लेकर चल रहे विवाद के साथ ही पानी की कमी के कारण बताते हुए कहा कि एक छोटी सी चिंगारी से भयावह अग्निकांड हो सकता है। एक सेकंड का समय (ब्रेक लगाने में) चूकने पर गम्भीर दुर्घटना हो सकती है, उसी प्रकार दो घूंट पानी न मिल पाने के कारण किसी की भी जान जा सकती है। बढ़ते प्रदूषण व वैश्विक तापमान तथा जलवायू परिवर्तन के कारण बरसात कम व असामयिक हो रही है जिससे नदियों में जल घट रहा है और इसी कारण भू जल दोहन बढ़ रहा है। पिछले 50 वर्षों में 25-30 फुट का भूजल स्तर 250 से 400 फुट तक नीचे चला गया है। उन्होंने बताया कि चारों ओर समुद्र से घिरी होने के बावजूद श्रीलंका में जल की कमी है। वहां बोतल बन्द एक लीटर पानी की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग एक सौ रूपये है और श्रीलंकन रूपये में यह लगभग 200 रूपये प्रति लीटर से अधिक है। होटलों में पानी व उर्जा बचत के लिए विशेष अनुरोध पट्टिकाएं लगी हैं। भविष्य की भयावह स्थिति से बचने के लिए उन्होंने पानी बर्बाद न करने की अपील करते हुए बचत के छोटे-छोटे उपाय उपस्थित विद्यार्थियों व शिक्षकों को समझाये। प्रधानाचार्या मन्जु गुप्ता ने गोयल का अभिनन्दन किया और आभार व्यक्त किया। राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शालीमार बाग, देहली में विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। प्राध्यापक विनय गौतम ने उनका अभिनन्दन किया और प्रधानाचार्य कमलेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया। दोनों कार्यक्रमों में लगभग 2600 विद्यार्थी थे।

दिल्ली के स्कूल में जल बचत पर विद्यार्थियों को संबोधित करते रमेश गोयल।

रमेश गोयल ने की सफाई

पल पल न्यूजः सिरसा, 16 नवम्बर। स्वच्छ भारत अभियान की आलोचना करने वाले राजनेताओं से भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय संयोजक व जागृति के अध्यक्ष पर्यावरणविद् रमेश गोयल ने अपील की है कि वे इसका समर्थन करें न करें परन्तु गन्दगी न फैलाएं। एक ओर हम गन्दगी होने को बुरा मानते हैं वहीं दूसरी ओर स्वयं गन्दगी फैलाते हैं। यदि हम सब संकल्प कर लें कि खुले में कूड़ा-ककर्ट नहीं डालेंगे तो जगह जगह लगने वाले गन्दगी के ढेर ही खत्म नहीं हो जायेंगे बल्कि गली मोहल्ले सब साफ रहने लगेगा। गोयल ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि सफाई नगरपालिका का ही दायित्व नहीं, अपना कर्तव्य भी है। ''स्वच्छता में भगवान निवास करते हैं' तथा ''स्वच्छता स्वस्थ जीवन का आधार है' पर आचरण सुनिश्चित करें और संकल्प करें कि हमें अपने घर/दुकान का कूड़ा सड़क/गली के बीच में नहीं डालना है। अपने घर/दुकान के बाहर एक कनस्तर रख कर कूड़ा इक्कठा करें और प्रति दिन कूड़े वाली रेहड़ी में ही डालें । कूड़ा कर्कट सफाई कर्मचारी के आने से पूर्व निकालें ताकि उसके जाने के बाद मोहल्ला गली फिर से गन्दी न हो । फल व सब्जी विक्रेता गली सड़ी वस्तुएं व घास फूस सड़क पर न फैंकें घर या गली का कूड़ा सीवर में ना डालें और न ही सफाई कर्मचारियों को डालने दें । सीवर रूकने पर भारी परेशानी हम सब को सहनी पड़ती है । धर्म प्रेमी लोग हरा चारा चौक च सड़क के बीच डाल देते हैं इससे गन्दगी बढ़ती है। बाजार/गली में चारा डालने की बजाय किसी निश्चित स्थान पर ही डालें । सीधा गऊशाला में भिजवाये। उन्होंने कहा कि अपने घर/दुकान की सफाई के साथ-साथ मोहल्ले व नगर की सफाई का भी ध्यान करना अपना कर्तव्य है। नगर पालिका अधिकारी व सफाई कर्मचारियों को सहयोग करें व सहयोग लें। उल्लेखनीय है कि गोयल ने हरियाणा दिवस पर लगभग 20 साथियों के साथ नेहरू पार्क में सफाई की थी और 16 नवम्बर को पुनः नेहरू पार्क(जहां सैकड़ों नर नारी सैर करने आते हैं) में स्वच्छता अभियान चलाया।

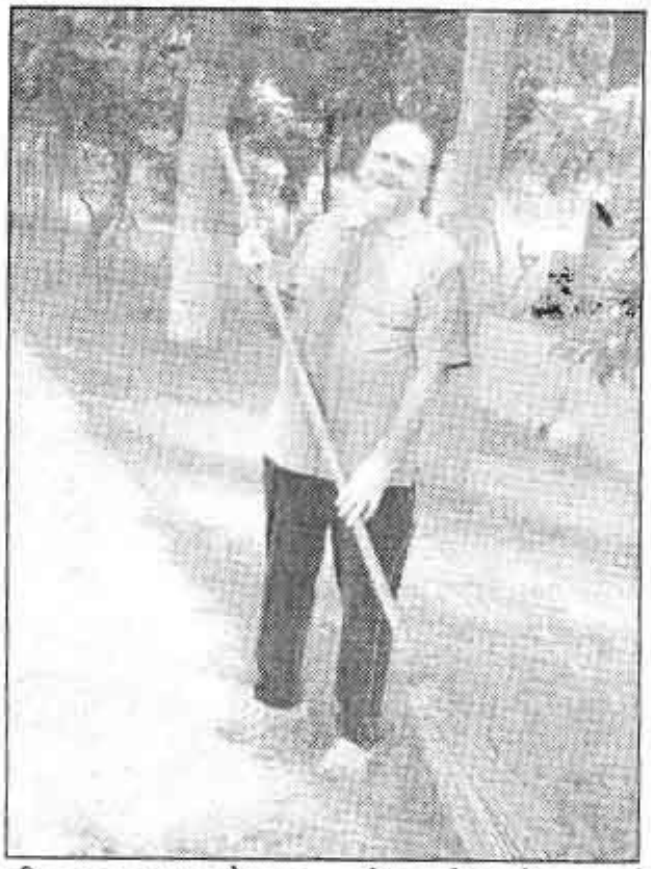

सूखती/सूखी नदियां